THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 298 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.5 2080 सोमवार, 15 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

शुभकामनाएँ

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों व शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

-डॉ. गिरीश कुमार संघी
प्रधान संपादक

सूचना

दि. 15 जनवरी, 2024 को कार्यालय में **अवकाश** रहने के कारण हमारा अगला अंक दि. 17 जनवरी, 2024 को प्रकाशित होगा। -प्रबंधक

पोंगल उत्सव में शामिल हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नई दिल्ली में पोंगल उत्सव में शामिल होकर सभी नागरिकों को इस त्योहारी सीजन पर सभी पर्वों की शुभकामनाएं दी। पोंगल के पर्व को एक भारत-श्रेष्ठ भारत की राष्ट्र भावना को दर्शाने वाला पर्व बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, सभी को पोंगल के पर्व की अनेक-अनेक शुभकामनाएं।

पोंगल के पवित्र दिन तमिलनाडु के हर घर से पोंगल धारा का प्रवाह होता है। मेरी कामना है उसी तरह आपके जीवन में भी सुख, समृद्धि और संतोष की धारा का प्रवाह निरंतर होता रहे। कल ही देश ने लोहड़ी का पर्व धूमधाम से मनाया है। कुछ लोग आज मकर संक्रांति-उत्तरायण मना रहे हैं, कुछ लोग शायद कल मनाएंगे। माघ बिहू भी बस आने ही वाला है। मैं इन सभी पर्वों की सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं, शुभकामनाएं देता हूं। केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के आवास पर पोंगल उत्सव में शामिल होकर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें यहां कई परिचित चेहरे नजर आ रहे हैं, पिछले साल भी हम सब तमिल पुथांडु के अवसर पर यहां मिल चुके हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री मुरुगन को इस आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें इस अद्भुत आयोजन का हिस्सा बनने का अवसर मिला और ये ऐसा है जैसे वे अपने परिवार और दोस्तों के साथ कोई उत्सव मना रहे हैं। संत तिरुवल्लूवर के संदेश का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अच्छी फसल, पढ़े लिखे व्यक्ति और ईमानदार व्यापारी, ये तीनों मिलकर राष्ट्र निर्माण करते हैं।

मकर संक्रांति के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र ने अपने आवास पर गायों को चारा खिलाया।

तिरुवल्लूवर ने पॉलिटिशियन का उल्लेख नहीं किया है, ये हम सबको संदेश है। पोंगल पर्व में ताजी फसल को भगवान के चरणों में समर्पित करने की परंपरा है। इस पूरी उत्सव परंपरा के केंद्र में हमारे अन्नदाता, हमारे किसान हैं। और वैसे भी भारत का हर त्योहार किसी न किसी रूप में गांव से, किसानी से, फसल से जुड़ा हुआ होता है। उन्होंने कहा कि, मुझे याद है, पिछली बार हमने इस बारे में भी चर्चा की थी कि कैसे हमारे मिलेट्स या श्री अन्न तमिल संस्कृति से जुड़े हुए हैं। >14

देशवासियों को दी बधाई

शिवसेना में शामिल हुए मिलिंद देवड़ा

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा रविवार को शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हो गए हैं। वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए हैं। इस दौरान शिंदे ने उन्हें भगवा झंड़ा भी भेंट किया। मिलिंद देवड़ा ने शिवसेना में शामिल होने के बाद कहा कि यह मेरे लिए बहुत भावुक दिन है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एकनाथ शिंदे जी के नेतृत्व में पार्टी में शामिल होने के लिए कांग्रेस के साथ अपने 55 सालों के साथ को छोड़ दूंगा। देवड़ा ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सभी के लिए उपलब्ध हैं। वह जमीन से जुड़े हुए हैं, देश के लिए मोदी जी और अमित शाह जी का विजन बहुत बड़ा है इसलिए मैं उनके साथ जुड़ना चाहता था। मिलिंद देवड़ा ने कहा कि बीते दस सालों में मुंबई में एक भी आतंकी हमला नहीं है। >14

'भारतीय सेना दुनिया में सबसे बेहतरीन'

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की उज्वल सैन्य परंपरा का जिक्र करते हुए वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने देश के सशस्त्र बलों को दुनिया में सबसे शानदार में एक करार दिया। दिल्ली कैंट में सैम मानेकशॉ सेंटर पर आयोजित समारोह में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि बदलते समय के साथ भारतीय सशस्त्र बल 'युद्ध के अलग-अलग आयामों' से जुड़ी चुनौतियों का बेहतर ढंग से मुकाबला करने में सक्षम बने हैं। उन्होंने 8वें सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस पर रविवार को कहा कि सेना के इतिहास में 'निरंतर सुधार के प्रयास' किए गए हैं। दिग्गजों ने अपना सबकुछ कुर्बान करने की भावना के साथ देश की सेवा की है।

हम आपकी सुनने आए हैं, मन की बात सुनाने नहीं : राहुल

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जातीय संघर्षग्रस्त मणिपुर के थौबल से भारत जोड़ो न्याय यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इसी के साथ कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरूआत हो गई। यात्रा रविवार शाम को लगभग 4:30 बजे के करीब खोंगजोम युद्ध स्मारक से शुरू हुई। यह यात्रा 6,713 किमी की दूरी तय करेगी। जिसमें 100 लोकसभा क्षेत्र और 333 विधानसभा क्षेत्र और 110 जिले शामिल है। यात्रा 67 दिनों के बाद 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी।

यात्रा से पहले मणिपुर हिंसा पर राहुल गांधी ने कहा कि कोने-कोने में नफरत फैली, लाखों का नुकसान हुआ, जनहानि हुई, लेकिन देश के प्रधानमंत्री आप लोगों से मिलने नहीं आए। राहुल ने कहा कि शायद पीएम मोदी के लिए मणिपुर, हिंदुस्तान का हिस्सा नहीं है, लेकिन हम जनता के मन की बात सुनना चाहते हैं। गांधी ने कहा कि देश में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। बीजेपी के लिए मणिपुर देश का हिस्सा नहीं है। राहुल ने कहा कि हमने इससे पहले भारत जोड़ो यात्रा की थी। हमको बहुत अच्छा रिस्पांस मिला। लोगों ने अपना दुख दर्द मुझसे बांटा।

राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव में ज्यादा समय नहीं बचा। इसलिए पैदल के साथ-साथ बस यात्रा का फैसला किया। सवाल उठा कि यात्रा कहां से शुरू करें, किसी ने कहा वेस्ट से करो, किसी ने ईस्ट बताया। मैंने साफ कहा, अगली भारत जोड़ो यात्रा सिर्फ मणिपुर से शुरू हो सकती है। मणिपुर में बीजेपी की नफरत की राजनीति है। इस यात्रा में राहुल के साथ अशोक गहलोत, सचिन पायलट, दिग्विजय सिंह, सलमान खुर्शीद, आनंद शर्मा और राजीव शुक्ला जैसे कई सीनियर नेता मणिपुर पहुंचे थे। >14

चाइनीज मांजे से सेना के जवान की मौत

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लंगर हाउस में शनिवार रात चीन के नायलॉन धागे के कारण गले में गंभीर चोट लगने से सेना के एक जवान की मौत हो गई। वैजाग के मूल निवासी के. कोटेश्वर रेड्डी (28) गोलकोंडा सैन्य अस्पताल में ड्राइवर के रूप में काम करते थे। शनिवार शाम को वह अपनी ड्यूटी पूरी कर अत्तापुर स्थित अपने घर जा रहे थे, तभी लैंगर हौज फ्लाईओवर पर वह चीन निर्मित नायलॉन धागे के संपर्क में आ गये। कोटेश्वर की गर्दन पर गहरा घाव हो गया और वह सड़क पर गिर गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई, लैंगर हौज़ इंस्पेक्टर, जे निरंजन राव ने कहा कि शिकायत पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। शव को उस्मानिया जनरल अस्पताल के शवगृह में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद उसे परिवार को सौंप दिया गया।

भारत 15 मार्च तक अपने सैनिक हटाये : मालदीव

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने आधिकारिक तौर पर भारत को अपने सैनिक हटाने के लिए 15 मार्च तक का समय दिया है। रविवार को मीडिया से बात करते हुए मालदीव के प्रेसिडेंट ऑफिस के प्रवक्ता अब्दुल्ला नजीम इब्राहिम से इसकी जानकारी दी।

उन्होंने कहा, भारतीय सैनिक मालदीव में नहीं रह सकते। राष्ट्रपति मुइज्जू और उनकी सरकार की यही नीति है। मालदीव के मीडिया ने वहां की सरकार के हवाले से बताया कि मालदीव में फिलहाल 88 भारतीय सैनिक मौजूद हैं। दोनों देशों के बीच सैनिकों को हटाए जाने से जुड़ी बातचीत के लिए हाई-लेवल कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी से रविवार को मालदीव के विदेश मंत्रालय के साथ पहली बैठक की। इस मीटिंग में भारत के हाई कमिश्नर मुनू महावर भी मौजूद रहे। अभी तक विदेश मंत्रालय ने इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने सीओपी28 में कहा था कि भारत सरकार ने मालदीव में मौजूद अपने सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया है। राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा था, भारत सरकार के साथ इस मुद्दे पर बातचीत हुई है। भारत ने सैनिकों को वापस बुलाने पर सहमति जताई है। डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए भी एक हाई लेवल कमेटी गठित करने पर भी सहमति बनी है। >14

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए 55 देशों के नेताओं को न्योता

राजदूत भी बनेंगे कार्यक्रम का हिस्सा

वॉशिंगटन, 14 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसी ऐतिहासिक दिन को नवनिर्मित मंदिर में रामलला विराजमान होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा, सियासत से लेकर खेल और अध्यात्म से जुड़ी तमाम हस्तियों को भी कार्यक्रम में आने का न्योता मिला है। वहीं, 55 देशों के करीब 100 प्रमुख लोगों को आमंत्रित किया गया है। विश्व हिंदू फाउंडेशन के संस्थापक एवं वैश्विक अध्यक्ष स्वामी विज्ञानानंद का कहना है कि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए राजदूतों और सांसदों सहित 55 देशों के लगभग 100 प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है। इनके अलावा, कोरियाई रानी को भी आमंत्रित किया गया है, जो प्रभु राम के वंशज होने का दावा करती हैं। जिन देशों को आमंत्रित किया गया है उनमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेलारूस, बोत्सवाना, कनाडा, कोलंबिया, डेनमार्क, डोमिनिका, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी), मिस्र, इथियोपिया, फिजी, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, घाना, गुयाना, हॉन्गकॉन्ग, हंगरी, इंडोनेशिया, आयरलैंड, इटली, जमैका, जापान, केन्या, कोरिया, मलेशिया, मलावी, मॉरीशस, मैक्सिको, म्यांमार, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नाइजीरिया, नॉर्वे, सिएरा लियोन, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है, लेकिन उसे सरकार बनाने लायक सीटें पाने से रोकना संभव : थरूर

तिरुवनंतपुरम (केरल), 14 जनवरी (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आ सकती है। लेकिन, सरकार बनाने के लिए उसकी सीटों की संख्या इतनी कम हो सकती हैं कि उसके सहयोगी उसका समर्थन करने को तैयार न हों। इसके बजाय, विपक्षी गठबंधन का समर्थन करने को तैयार हों। यह बात कांग्रेस नेता शशि थरूर ने केरल साहित्य समारोह (केएलएफ) में कही।

थरूर ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, भारत विविधताओं भरा देश है और वह उस स्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, जहां राज्यों में सौ प्रतिशत सहमति नहीं है। उन्होंने आगे कहा, मुझे अब भी लगता है कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी। लेकिन, उनकी संख्या को उस स्तर तक कम किया जा सकता है, जहां सरकार बनाने के लिए उसके सहयोगी उनके साथ सहयोग करने के इच्छुक नहीं होंगे। पूर्व मंत्री ने कहा, हो सकता है कि वह हमारा सहयोग करने को तैयार हों। इसलिए, हमें इस चीज को आजमाना होगा। 'इंडिया: द फ्यूचर' संत्र के दौरान विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के दलों के बीच सीट बंटवारे की चुनौती के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जितने संभव हो उतने राज्यों में पर्याप्त सहमति होगी। ताकि हार से बचा जा सके। 'इंडिया' में 28 विपक्षी दल शामिल हैं। राजनयिक से नेता बने थरूर ने आगे कहा, जहां एक राज्य में सभी विपक्षी दलों के बीच एक उम्मीदवार खड़ा करने पर सहमति हो सकती है। वहीं, दूसरे राज्य में दो या तीन उम्मीदवार हो सकते हैं।

शाह ने जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

भूपेन्द्र पटेल ने स्वच्छता मुहिम की शुरुआत की

अहमदाबाद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को उत्तरायण पर्व के अवसर पर गुजरात के अहमदाबाद स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और यहां अपने समर्थकों के साथ पतंग उड़ाई। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने मकर संक्रांति के अवसर पर राज्य में धार्मिक स्थलों की सफाई के एक सप्ताह तक चलने वाले अभियान की शुरुआत की। उन्होंने इस अभियान के तहत गांधीनगर के पास एक मंदिर के परिसर की सफाई की। नेताओं और अन्य प्रमुख हस्तियों ने अपने रिश्तेदारों तथा मित्रों के साथ पतंग उड़ाकर उत्तरायण त्योहार मनाया। शाह ने भगवान जगन्नाथ मंदिर में दर्शन किए और अपने परिवार के सदस्यों के साथ पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने वेजलपुर में पतंग उड़ाई। वह अहमदाबाद और गांधीनगर के दो विधानसभा क्षेत्रों में भी उत्तरायण समारोहों में हिस्सा लेंगे। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''उत्तरायण के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। यह शुभ त्योहार आपके जीवन में सुख, समृद्धि और अच्छा स्वास्थ्य लाए।'' मुख्यमंत्री पटेल ने 'एक्स' पर लिखा, ''अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का शुभ कार्यक्रम 22 जनवरी को होगा जिसे लेकर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने देशवासियों से देश के सभी छोटे-बड़े पूजा स्थलों को स्वच्छ बनाने का अभियान चलाने का आह्वान किया है।'' उन्होंने कहा, ''माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुसार हमें गुजरात के सभी धार्मिक स्थलों को साफ-सुथरा बनाना चाहिए। राज्य में 14 से 22 जनवरी तक सार्वजनिक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।'' पटेल ने कहा कि मकर संक्रांति पर उन्हें गांधीनगर के पास धोलेश्वर महादेव मंदिर परिसर के सफाई अभियान में भाग लेने का अवसर मिला।

कर्नाटक के भाजपा विधायक की कार कलबुर्गी में हादसे का शिकार बाल-बाल बचे बसवराज मत्तीमुद

कलबुर्गी, 14 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के कलबुर्गी में हुई कार दुर्घटना में भाजपा विधायक मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कलबुर्गी जिले से निर्वाचित भाजपा विधायक बसवराज मत्तीमुद रविवार को उस समय बाल-बाल बचे जब उनकी कार हादसे के बाद पलट गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि भाजपा विधायक को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, उनकी हालत स्थिर है। गुलबर्गा ग्रामीण विधानसभा सीट से विधायक मत्तीमुद की गाड़ी पाला गांव के पास दुर्घटना का शिकार हुई। भाजपा विधायक कुछ अन्य नेताओं के साथ शाहाबाद की तरफ जा रहे थे तभी अचानक उनकी कार पलट गई। विधायक और अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं हैं।

'दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट पर नहीं होगा कोई समझौता'

मिलिंद देवड़ा के इस्तीफे पर बोले संजय राउत

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। मिलिंद देवड़ा द्वारा पार्टी से इस्तीफा देने के बाद शिवसेना (यूबूटी) सांसद संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि दक्षिण मुंबई सीट पर कोई समझौता नहीं होगा। दरअसल, मिलिंद देवड़ा ने दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट पर उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) द्वारा ठोंके गए दावे को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। जिसके बाद मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस से इस्तीफे पर शिवसेना(यूबूटी) सांसद संजय राउत ने कहा, हम कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मिलिंद देवड़ा जी को जानते थे। बहुत बड़े नेता थे, कांग्रेस के साथ उनका जो लगाव था, उनकी जो निष्ठा थी हम बोलते थे कि उनका आदर्श रखिए कि पार्टी के लिए क्या करना चाहिए। संजय राउत ने रविवार को कहा कि दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अरविंद सावंत दो बार के सांसद हैं। उनके दोबारा चुनाव लड़ने में क्या गलत है? इस पर कोई समझौता नहीं होगा। बता दें कि मिलिंद देवड़ा पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत मुरली देवड़ा के बेटे हैं। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य अशोक चव्हाण ने कहा था कि मिलिंद देवड़ा दक्षिण मुंबई सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे।

पुंछः घुसपैठ के लिए पाक ने फिर लगाई आग

नियंत्रण रेखा पार कर बारूदी सुरंगों तक पहुंची आंच

जम्मू, 14 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के पुंछ जिले में सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान रविवार को भी जारी है। पुलिस, सीआरपीएफ, सेना की टीमें जिले की कृष्णा घाटी, साबजियां समेत आसपास के इलाकों में आतंकियों को तलाश कर रही है। उधर, पाकिस्तानी की तरफ से घुसपैठ के लिए पीओजेके में लगाई गई आग की लपटों ने नियंत्रण रेखा को पार कर लिया है। आग फैलते हुए दुश्मन की घुसपैठ रोकने के लिए बिछाई गई बारूदी सुरंगों तक पहुंच गई है। इसे देखते हुए सेना और वन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं।

साथ ही नियंत्रण रेखा पर सतर्कता बढ़ा दी है। आग से उत्पन्न हुए धुएं की आड़ में घुसपैठ न की जा सके, इसके लिए पूरी चौकसी बरती जा रही है। आतंकियों की लगातार कोशिशें नाकाम होने के चलते अब आग लगाकर ऐसे नापाक प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले सात जनवरी को भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर बालाकोट सेक्टर में पीओजेके की तरफ से लगी आग नियंत्रण रेखा के इस पार पहुंच गई थी। आग ने भारतीय क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के आस-पास के कई किलोमीटर क्षेत्र को चपेट में ले लिया था। बारूदी सुरंगों में आग से विस्फोट हुए थे। क्षेत्र में दर्जनों बारूदी सुरंगों में विस्फोट हुआ। इसकी गूंज पुंछ सहित आस-पास के क्षेत्र में दिन भर गूंजती रही।

'अपना गढ़ बचता नहीं, सितारों पर निशाना'

असम ट्राइबल इलेक्शन में बुरी तरह हारी कांग्रेस तो टीएमसी ने किया कटाक्ष

गुवाहाटी, 14 जनवरी (एजेंसियां)। असम आदिवासी चुनावों में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन को लेकर तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने कटाक्ष किया है। नॉर्थ कछार हिल्स ऑटोनॉमस काउंसिल में देश की सबसे पुरानी पार्टी को बुरी हार का सामना करना पड़ा। इसे लेकर ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने 'बंगाल में सीट शेयरिंग' के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा।

अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कह सकते हैं कि बंगाल में उनकी (कांग्रेस) सीट हिस्सेदारी की आकांक्षाएं सातवें आसमान पर हैं, जबकि वे अपने गढ़ को ही नहीं बचा पा रहे हैं!' उनका बयान तब आया जब भाजपा ने 30 में से 25 सीटें जीतकर असम के दिमा हसाओ जिले की नॉर्थ कछार हिल्स ऑटोनॉमस काउंसिल में सत्ता बरकरार रखी। इन चुनावों में टीएमसी ने भी पहली बार अपने उम्मीदवार उतारे थे और 7.63 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया। दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी 8.87 प्रतिशत वोट शेयर के साथ शून्य पर सिमट गई। इंडिया ब्लॉक के सदस्य, कांग्रेस पर अभिषेक बनर्जी का तीखा प्रहार, आम चुनावों से पहले सीट-शेयरिंग फार्मूले के बारे में चल रही चर्चाओं को लेकर है। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस को 2 पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस को यह फार्मूला स्वीकार्य नहीं है। सूत्रों ने बताया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की राय है कि राज्य में प्रमुख पार्टी को ही सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला लेने की अनुमति दी जानी चाहिए।

अधीर रंजन चौधरी ने ममता पर बोला तीखा जुबानी हमला

बता दें कि 13 दिसंबर को इंडिया ब्लॉक की 5वीं बैठक वर्चुअली आयोजित की गई थी। इस बैठक में ममता बनर्जी शामिल नहीं हुईं। टीएमसी ने इसके पीछे की वजह बंगाल की मुख्यमंत्री के पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों को बताया था। बैठक से पहले अधीर रंजन चौधरी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ममता बनर्जी पर तीखे जुबानी हमले किए और उन्हें 'अहंकारी और बेईमान' बताया। अधीर रंजन ने कहा, ''ये महिला (ममता बनर्जी) राजीव गांधी और सोनिया गांधी के नेतृत्व में नेता बनी। वह (ममता) महिला कितनी बेईमान है, कितनी अहंकारी है कि जिन लोगों ने उसे राजनीति में खड़ा किया, वह उन लोगों को अहंकार दिखाती है'।

दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट पर अब कैसी रहेगी मुकाबले की तस्वीर, किसका पलड़ा भारी?

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी कहां तो आज भारत न्याय यात्रा के जरिये चर्चा में रहना चाहती थी पर 55 साल तक कांग्रेस पार्टी से पारिवारिक और राजनीतिक संबंध रखने वाले देवड़ा परिवार के एक फैसले से पार्टी के माथे पर शिकन है। मिलिंद देवड़ा जो मुंबई कांग्रेस के पूर्व में अध्यक्ष रह चुके हैं, उन्होंने आज कांग्रेस पार्टी का हाथ छोड़ दिया है। मुमकिन है शाम को हम उन्हें एकनाथ शिंदे के खेमें में खड़ा पाएं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना गुट ही अभी महाराष्ट्र में सरकार चला रही है।

भारतीय जनता पार्टी, अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी का शिवसेना शिंदे गुट को साथ है।संभव है कि दक्षिण मुंबई की सीट पर शिवसेना अब मिलिंद देवरा को मैदान में उतारे और मुकाबला उद्धव गुट के अरविंद सावंत से हो। उद्धव गुट की ताकत पार्टी में बगावत से आधी हो गई है। उनके पास इस साल के चुनाव में बीजेपी का वो साथ नहीं है जो 2014 और 2019 में उनके पास था। इसी तरह बिना मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस का भी जनाधार इलाके में कमजोर होगा। ऐसे में, कांग्रेस भी उद्धव गुट को कोई खास मदद नहीं ही कर पाएगी। इन तीन मुद्दों को ध्यान में रखते हुए दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट जिसे देश की सबसे अमीर संसदीय क्षेत्र माना जाता है, इस सीट पर शिंदे गुट का पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है। लोकसभा चुनाव में अब कुछ महीने शेष हैं, उससे पहले इस सीट और महाराष्ट्र की 48 सीटों पर क्या-क्या राजनीतिक ताना-बाना बुना जाता है, इस पर लोगों की निगाहें होंगी।

कौन हैं शताब्दी रॉय जिन्होंने कहा

बीजेपी भगवान राम को बीपीएल मान रही

कोलकाता, 14 जनवरी (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय ने भगवान राम पर विवादित बयान दिया है। हालांकि ये बयान उन्होंने बीजेपी पर हमला करने के मकसद से दिया मगर यह उनके ही खिलाफ फिलहाल जाता दिख रहा है। शताब्दी रॉय ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी राम को बीपीएल की तरह मान रही है। शताब्दी रॉय का कहना था कि भाजपा भगवान राम को बीपीएल की तरह पक्का मकान देने की बात कर रही है। शताब्दी रॉय ने कहा कि, 'सोशल मीडिया पर मैंने एक मीम देखा था, जो बहुत अच्छा था। राम अपना हाथ छुड़ा रहे हैं और मोदी उनको अपनी तरफ खींच रहे हैं'। शताब्दी ने आगे कहा कि, – 'राम मोदी से बोल रहे हैं कि मेरा हाथ छोड़ो और कम से कम एक बार तो अपने काम के दम पर चुनाव जीतकर दिखाओ। बार-बार मेरे नाम पर क्यों चुनाव लड़ रहे हो?' शताब्दी रॉय ने तल्ख लहजे में कहा कि, 'ये लोग बोल रहे हैं कि राम को घर दे रहे हैं। राम को घर दे रहे हैं ये सुनकर मैं हैरान हो गई। तुम इतने बड़े हो गए हो कि राम को घर दे रहे हो? ऐसा लग रहा है जैसे राम बीपीएल हैं'। रॉय यहीं नहीं रुकीं। शताब्दी रॉय ने और और लव-कुश का भी जिक्र कर दिया। उन्होने कहा कि, 'ऐसा लग रहा है जैसे बीपीएल कार्डधारकों को घर दे रहे हैं, वैसे ही राम को भी घर दे रहे हैं। राम के दोनों बेटों लव-कुश को भी घर मिल जाएगा तो काम पूरा हो जाएगा।' शताब्दी रॉय फिल्म अभिनेत्री, डायरेक्टर और राजनेता के तौर पर जानी जाती हैं। उन्होंने बंगाली सिनेमा खूब सारा काम किया है। वह तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर साल 2009 से लगातार सांसद चुनी जा रही हैं। वह आगरपारा संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। साल 1986 में आई बंगाली फिल्म अटांका से उन्होंने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत की थी। साल 1990 से लेकर 2001 के बीच का समय उनकी सफलता का समय है। वह आपन आमर आपन और अभिष्कार जैसी फिल्मों के जरिये बंगाली आवाम में खूब लोकप्रिय हुईं थी। शताब्दी के बयान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा बेहद नाराज दिखे। हिमंता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सेक्यूलरिज्म का मतलब केवल राम विरोध है और टीएमसी राम के अपमान में माहिर है।

'हाथ काट डालूंगा।' बयान देकर फंसे युवा मुस्लिम नेता, विवाद बढ़ने पर केरल पुलिस ने दर्ज किया मामला

कोच्चि, 14 जनवरी (एजेंसियां)। केरल पुलिस ने विवादित और भड़काऊ बयान देकर सामाजिक माहौल बिगाड़ने के आरोप में मुस्लिम नेता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। विवाद बढ़ने के बाद मुस्लिम युवा विंग के नेता के खिलाफ 'हाथ काटने' वाली टिप्पणी को लेकर मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी समस्त केरल जेम-इयाथुल उलमा की छात्र शाखा का नेता बताया जा रहा है। इस पार्टी की स्टूडेंट विंग का नाम एसकेएसएसएफ है। उन्होंने कहा था कि पार्टी कार्यकर्ता विद्वानों का अपमान नहीं सहेंगे। केरल सुन्नी स्टूडेंट्स फेडरेशन (एसकेएसएसएफ) के नेता सथार पंथालूर के खिलाफ केरल पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी- अब भारतीय न्याय संहिता या बीएनएस) की धारा 153 के तहत आरोप लगाए हैं।

'राम मंदिर का उद्घाटन इंसाफ और सेकुलरिज्म का कत्ल'

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने प्राण प्रतिष्ठा पर की टिप्पणी

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या भगवान राम का भव्य मंदिर अयोध्या में बनकर तैयार हो रहा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को की जाएगी। इस बीच ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा पर टिप्पणी की है। बोर्ड के अध्यक्ष खालिद सैफुल्ला रहमानी ने आगामी 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी के शामिल होने पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने इसके लिए कहा कि यह सेकुलरिज्म और इंसाफ का कत्ल है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि रामचंद्र जी का जन्म उस स्थान पर हुआ था, इसका कोई सबूत नहीं है।

पर्सनल लॉ बोर्ड ने की टिप्पणी

इस बाबत बयान जारी करते हुए मौलाना खालिद सैफुल्ला रहमानी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल खड़ा कर दिया। बोर्ड की तरफ से इस बाबत एक लेटर जारी किया गया है। इसमें लिखा है, अयोध्या में जो हो रहा है, वह सरासर क्रूरता है। क्योंकि उसके नीचे कोई मंदिर नहीं था, जिसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी। रामचंद्र जी का जन्म वहां हुआ था, इसका भी कोई सबूत नहीं है। कोर्ट ने आस्था के आधार पर कानून से हटकर बहुसंख्यक संप्रदाय के एक वर्ग के हक में फैसला दिया। इसका उल्लेख हिंदू भाईयों के पवित्र ग्रंथों में नहीं है।

बोर्ड ने जारी किया लेटर हेड

बोर्ड के लेटर में यह भी लिखा कि निश्चित रूप से देश के लोकतंत्र पर यह एक बड़ा हमला है। इस फैसले ने मुसलमानों के दिलों को ठेस पहुंचाई है। मौलाना ने कहा कि राम मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी के हाथों कराना राजनीतिक उद्देश्य है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आधार पर एक मस्जिद की जगह पर राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। यहां सैकड़ों वर्ष से मुसलमान नमाज पढ़ रहे थे। बता दें कि इस लेटर में अन्य पहलुओं पर भी बयान दिया गया है। प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन देशभर में दीप जलाने की पीएम मोदी ने अपील की है। इसपर मौलाना ने कहा कि हिंदू क्या करते हैं उससे हमें आपत्ति नहीं लेकिन मुस्लिमों के लिए इस तरह के कार्यक्रमों में भाग लेना गैर-इस्लामी है।

पश्चिम बंगाल में कोहरा बना काल, स्कूटी सवार परिवार को ट्रक ने मारी टक्कर, पिता-पुत्र की मौत

जलपाईगुड़ी, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में दर्दनाक सड़क हादसे ने पिता-पुत्र की जान ले ली। जबकि, मां की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना सिलीगुड़ी-जलपाईगुड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग पर दसदरगाह की है। जलपाईगुड़ी के मोहित नगर निवासी दीपक दास (36) अपनी पत्नी नीलिमा दास और बेटे धीमान दास (8) के साथ स्कूटी से दसदरगाह आ रहे थे। इस दौरान घना कोहरा छाया हुआ था। तभी नेशनल हाईवे पार करते समय दृश्यता कम होने के कारण विपरीत दिशा से आ रही एक ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी सवार तीनों लोग गिर गए। पिता-पुत्र सड़क के बीचों-बीच गिरे जिस कारण पीछे से आ रहे कई वाहनों ने उन्हें कुचल दिया। वहीं, महिला सड़क किनारे गिरी। जिस कारण तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पीएम मोदी को राजनीतिक चश्मे से देख रहे शंकराचार्य- नारायण राणे

पालघर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने कहा कि शंकराचार्यों को राम मंदिर के कुछ पहलुओं की आलोचना करने के बजाय अपना आशीर्वाद देना चाहिए। उन्होंने शंकराचार्यों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राजनीतिक चश्मे से देखने का आरोप भी लगाया। राणे ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि समाज और हिंदू धर्म को लेकर शंकराचार्यों को अपना योगदान बताना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा- 'अब तक ऐसा कोई नहीं कर पाया। मोदी और भाजपा ने इस मुद्दे को उठाया और मंदिर बनाया जा रहा है। क्या उन्हें मंदिर को आशीर्वाद देना चाहिए या इसकी आलोचना करनी चाहिए? इसका मतलब है कि शंकराचार्य प्रधानमंत्री मोदी को राजनीतिक चश्मे से देखते हैं। यह मंदिर राजनीति के आधार पर नहीं, बल्कि धर्म के आधार पर बना है। राम हमारे भगवान हैं।' शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के इस बयान पर कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन करना चाहिए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह किसी ऐसे व्यक्ति पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे जिसके पास कोई काम नहीं है और जो घर पर बैठा है।

दिल्ली में घने कोहरे और खराब विजिबिलिटी की वजह से 7 विमान डायवर्ट, कांप गया उत्तर भारत

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में घने कोहरे और खराब विजिबिलिटी की वजह से सात उड़ानों को दूसरे शहर डायवर्ट किया गया है। एक अधिकारी के मुताबिक, खराब मौसम के कारण रविवार सुबह दिल्ली हवाईअड्डे पर सात विमानों को डायवर्ट किया गया है। अधिकारी ने बताया कि सुबह 4.30 बजे से 7.30 बजे के बीच छह उड़ानों को जयपुर और एक को मुंबई डायवर्ट किया गया। दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में रविवार को कोहरे की चादर छाई रही और कई स्थानों पर दृश्यता शून्य मीटर तक गिर गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने और वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की सलाह दी है। दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पालम में सुबह 5 बजे दृश्यता शून्य मीटर तक गिर गया था। बता दें कि जनवरी महीने में पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, राजस्थान, बिहार को आने वाले कुछ दिनों तक भीषण सर्दी और घने कोहरे से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। आईएमडी के मुताबिक, अगले 4-5 दिनों तक पूरे उत्तर भारत में घने से बहुत घना कोहरा छाने की संभावना है। वहीं, अगले 4 दिनों तक देश के उत्तर पश्चिम इलाकों में कोल्ड से लेकर सीवियर कोल्ड डे की स्थिति बन सकती है। घने कोहरे की वजह से ना सिर्फ विमानों के उड़ान पर असर पड़ा है बल्कि ट्रेनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई है। कोहरे के कारण दो दर्जन से अधिक ट्रेनें भी अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। एक तरफ जहां तापमान में गिरावट आ रही है

मुंबई एयरपोर्ट पर मची अफरा-तफरी

एयरोब्रिज पर घंटों फंसे रहे इंडिगो के यात्री, एक्ट्रेस राधिका आप्टे भी हुईं शिकार

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई से भुवनेश्वर जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट घंटों तक छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के एयरोब्रिज पर फंसे रहे। जिससे मुंबई एयरपोर्ट पर अफरा तफरी का माहौल बना रहा। यात्रियों का आरोप था कि एयरोब्रिज पर एयर सर्कुलेशन नहीं था। इस दौरान यात्रियों और एयरपोर्ट स्टाफ के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली। रिपोर्ट के मुताबिक, कई यात्रियों ने ये भी आरोप लगाया कि ग्राउंड स्टाफ को बोर्डिंग शुरू करने के लिए कहा गया लेकिन उन्हें फ्लाइट में चढ़ने की इजाजत नहीं दी गई क्योंकि इंडिगो क्रू मौजूद नहीं था। काफी देर बाद एयरोब्रिज का दरवाजा खोला गया तब कहीं जाकर यात्री बोर्डिंग स्टेशन पर उतरे। फिल्म अभिनेत्री राधिका आप्टे ने भी कथित तौर पर इसी फ्लाइट में अपनी टिकट बुक की थी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी आपबीती एक लंबा सा पोस्ट करके शेयर की। हालांकि शहर, एयरपोर्ट और एयरलाइन का नाम नहीं लिया। राधिक आप्टे ने एक वीडियो भी शेयर किया जिसमें कई यात्री एक बंद कांच के दरवाजे के पीछे दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा, “मुझे ये पोस्ट करना था! आज सुबह 8 बजकर 30 मिनट पर मेरी फ्लाइट थी और अब 10 बजकर 50 मिनट हो चुके हैं लेकिन फ्लाइट अभी तक बोर्ड नहीं हुई। लेकिन फ्लाइट ने कहा कि हम बोर्ड कर रहे हैं और सभी यात्रियों को एयरोब्रिज पर ले गए और लॉक कर दिया।” इस पोस्ट के बाद इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि एयरलाइन की मुंबई से भुवनेश्वर जाने वाली फ्लाइट ऑपरेशनल रीजन्स की वजह से लेट हुई। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, “मुंबई से भुवनेश्वर की उड़ान संख्या 6ई 2301 परिचालन कारणों से डिले हो गई। यात्रियों को देरी के बारे में सूचित किया गया। हमें अपने सभी यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद है।”

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 15 जनवरी, 2024

मेरा हैदराबाद

सुविचार
नीली पीली रंग गिरंगी
पतंग उड़ी आकाश में,
सतरंगी नील गगन
हुआ चेहरे खिले
प्रकाश में

इंटरनेशनल काईट फेस्ट में भाग लेने वालों की संख्या पंद्रह लाख से अधिक होने की आशंका : मंत्री जुपल्ली

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णाराव ने कहा कि तेलंगाना राज्य में पावन संक्रांति त्यौहार के चलते सिकंदराबाद परेड ग्राउंड पर 3 दिनों तक जारी अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव या इंटरनेशनल काइट फेस्ट में 15 लाख से अधिक जन शामिल होने की आशंका है। इस संदर्भ में राज्य पर्यटन मंत्री जे.कृष्णाराव ने बताया कि, तेलंगाना सरकार के तत्वावधान में सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह फेस्ट 3 दिनों के लिए आयोजित किया जा रहा है। जिसमें मंत्री आगे ने बताया कि,उक्त पतंग महोत्सव में 16 देशों से 40 पर्यटक और देश के दूसरे राज्यों से अनेकानेक पतंगों को उडाने के उत्सुक पहुंचे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जब मेहनत की फसल घर आएगी तो यह संक्रांति का त्योहार खुशी से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी की सहभागित सुनिश्चित करने के लिए इस पतंग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है और आगामी वर्ष से मंडलों में भी पतंग महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि गत में कोरोना महामारी के कारण पतंग महोत्सव में तीन वर्ष का अंतराल हो गया था। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम बच्चों की रुचि वाले कार्यक्रम आयोजित कर आगे बढ़ेंगे एवं किसी भी त्यौहार में सभी को भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की महत्ता को विश्व भर में फैलाने के लिए कई कार्यक्रम किये जायेंगे।

त्यौहार हमारी संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करते हैं: तलसानी

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने आज कहा कि त्योहार राज्य के लोगों की संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने यहां पीपुल्स प्लाजा में आयोजित पतंग महोत्सव में हिस्सा लिया। इस अवसर पर तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि वह बचपन से ही पतंग उड़ाते थे। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में पतंगों का त्योहार मनाने का रिवाज देश में कहीं और नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों के रीति-रिवाजों और परंपराओं को बढ़ावा देने वाले त्योहारों को भव्य तरीके से मनाया जाना चाहिए। यादव ने कहा कि वह हर साल एपी जाते थे और त्योहार मनाते थे, लेकिन इस बार वह इसे अपने परिवार के सदस्यों के साथ मना रहे थे। रविवार को दो तेलुगु राज्यों में भोगी उत्सव मनाया गया। सुबह-सुबह अलाव जलाया गया। उन्होंने कहा, चाहे वे बड़े हों या छोटे, सभी ने एक साथ भोगी उत्सव में भाग लिया।

विधायक राजा सिंह को मिला धमकी भरा फोन कॉल

रामनवमी शोभायात्रा निकालने पर जान से मारने की धमकी, दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल के भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उन्हें एक गुमनाम फोन कॉल आया, जिसमें फोन करने वाले ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। राजा सिंह ने मंगलहाट पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा गया कि गुमनाम फोन करने वाले ने उन्हें श्री राम नवमी के दौरान शोभा यात्रा निकालने पर जान से मारने की धमकी दी। कॉल दो नंबरों से थीं। राजा सिंह ने कहा किमैं ऐसी धमकियों से नहीं डरता। मैं शोभा यात्रा में जरूर हिस्सा लूंगा। देखते हैं कौन मुझे रोकता है। श्री सिंह ने यह भी कहा कि उन्हें पाकिस्तान से धमकी भरे फोन आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने धमकी भरे कॉल आने की कई शिकायतें की हैं, लेकिन अब तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पिछले साल अक्टूबर में भी सिंह ने स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें, उनके परिवार और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को नुकसान पहुंचाने की धमकी भरे फोन आए हैं। पिछले साल मार्च में भी उनके द्वारा व्हाट्सएप पर इसी तरह की कॉल और मैसेज की शिकायत की गई थी।

उधर, गोशामहल कई कई समाजसेवी एवं स्थानीय नेता विधायक के समर्थन में आगे आये। इसी के तहत बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि विधायक राजा सिंह को रामनवमी शोभायात्रा निकालने पर कुछ बदमाशों ने जान से मारने की धमकी दी है, जो बिलकुल गलत है। उन्होंने कहा कि रामनवमी शोभायात्रा में कुछ लाख हिंदू हिस्सा लेंगे। इस तरह की धमकियों से लोगों में दहशत फैल जाएगी। वे इस तरह की घटना दोबारा न हो, इसके लिए कदम उठाकर विधायक राजसिंह की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर उनके क्षेत्र के नेता को धमकियां मिलती हैं, तो वे उनके साथ खड़े रहेंगे। हम पार्टियों की परवाह किए बिना हिंदू धर्म के पक्ष में रहेंगे।

पतंग उड़ाने वालों के लिए तेलंगाना बिजली विभाग की सलाह

कहा, धातु के धागे जैसी चीजों का उपयोग न करें

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने राज्य में संक्रांति के चलते रंगबिरंगी पतंग उड़ाने वालों के लिए महत्वपूर्ण सलाह जारी की। इस संदर्भ में, टीएसएसपीडीसीएल कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुशर्रफ अली फारूकी ने बताया कि, पवित्र संक्रांति का त्योहार मनाने के लिए बहुत से लोग रंगबिरंगी पतंग उड़ाते हैं तथा पतंगबाजी का आनंद लेते हैं। इसमें कुछ लोग धातु लेपित मांझा धागे से पतंग उड़ाते हैं। पर इस मामले में उन्होने सलाह जारी कर कहा कि मांजा धागे से पतंग उडाने से बिजली के झटके और ट्रिपिंग का खतरा है।

साथ ही सभी को बिजली के खंबों के पास पतंग न उड़ाने की सलाह दी गई हॉ। इसमें उन्होने कहा कि रंगबिरंगी पतंगों को उडाते समय केवल सूती या लिनन या नायलॉन की डोरी का ही प्रयोग करना चाहिए। सभी से अपील है कि धातु के धागे जैसी चीजों का उपयोग न करें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उन्होंने बिजली लाइन को छुआ तो उन्हें करंट लग जाएगा। बिजली लाइनों या उपकेंद्रों के पास पतंग न उड़ाएं। जब बच्चे पतंग उड़ाएं तो माता-पिता को सावधान रहना चाहिए। यदि पतंग या वस्तुएँ बिजली लाइनों या टूटे हुए कंडक्टरों में फंस जाती हैं, तो पतंग उडानेवालों को तुरंत फोन नंबर 1912 पर कॉल करना चाहिए या समीपीय बिजली कार्यालय को सूचित करना चाहिए।

अयोध्या अक्षत जुलूस का आयोजन

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र)। वनपर्ती जिले के कोताकोटा मंडल के पमापुरम गांव में रविवार को अयोध्या अक्षिनतला जुलूस का आयोजन किया गया था। स्थानीय अंजनेय स्वामी मंदिर में विशेष पूजा की गई। इसके बाद भक्तों ने मंगला आरती, भजन व भक्ति संकीर्तन के साथ गांव में जुलूस निकाला। इसके बाद उन्होंने घर-घर जाकर अक्षत, पंपलेट और ध्वज भेंट किया। साथ ही गांव के युवाओं ने जय श्रीराम का पोस्टर भेंट कर अक्षिनतला का महत्व समझाया। इस महीने की 22 तारीख को अमोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण पूरा होने से 500 वर्षों का प्रतीक्षा सपना पूरा हो गया है।

श्रीराम भक्त हम भी हैं, पर बीजेपी द्वारा इसका राजनीतिकरण करना अनुचित : उत्तम कुमार

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि, श्रीराम भक्त हम भी हैं.पर बीजेपी द्वारा इसका राजनीतिकरण करना अनुचित है। इस संदर्भ में, तेलंगाना सरकारी सूत्रों ने बताया कि, राज्य मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने सूर्यापेट में नेम्मिकल दांडू मैसम्मा मंदिर में पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने मंत्री ने कहा कि, चूंकि श्रीराम भक्त हम भी हैं.पर बीजेपी द्वारा इसका राजनीतिकरण करना गलत है तथा बीजेपी ने इसे एक इश्यू बनाया है। साथ ही मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बीजेपी की कडी आलोचना कर आगे बताया कि, अयोध्या राम मंदिर के मुद्दे को बीजेपी-आरएसएस के कार्यक्रम में बदल दिया गया है।. उन्होंने राम मंदिर के मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की सलाह दी. राज्य मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने विश्वास जताया कि आगामी लोकसभा चुनाव में वह राज्य में 13 से 14 सीटों पर जीत हासिल करेंगे तथा. उन्होंने कहा कि राज्य की आमजनता ने गत बीआरएस पार्टी के अहंकार व अटपटी शासन नीति को भांप लिया है और इसीलिए जनता ने गत विधानसभा चुनाव में बीआरएस पार्टी को बुरी तरह पराजित किया।

बिजली की मांग से निपटने के लिए ग्रेटर हैदराबाद में 2 घंटे तक बिजली कटौती: चेयरमैन

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसएसपीडीसीएल चेयरमैन व एमडी मुशर्रफ अली फारूकी ने कहा कि, बिजली के वार्षिक रखरखाव अभियान के तहत हर वर्ष ग्रेटर हैदराबाद में 2 घंटे तक की बिजली कटौती होती है। इस संदर्भ में तेलंगाना राज्य दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीएसएसपीडीसीएल) चेयरमैन, प्रबंध निदेशक, मुशर्रफ अली फारुकी ने ट्विटर को बताया कि, चूंकि तेलंगाना के बिजली से जुडी वार्षिक रखरखाव की गतिविधियाँ पारंपरिक रूप से हर वर्ष नवंबर और जनवरी के बीच आयोजित की जाती हैं। जिसमें ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) क्षेत्रों में 2 घंटे तक बिजली कटौती की जाती है। साथ ही उन्होने इसके चलते जीएचएमसी के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली व्यवधान के कारण हुई असुविधा को स्वीकार कर कहा कि बिजली कटौती वार्षिक रखरखाव का अंग है, जिसका एकमात्र लक्ष्य आगामी गर्मीध्रबी सीजन में उच्च बिजली की मांग से निपटना है।

कांग्रेस विधायकों को खरीदने का प्रयास करेंगे केसीआर : बंडी संजय

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र)। भाजपा सांसद बंडी संजय ने सनसनीखेज टिप्पणी करते हुए दावा किया है कि पूर्व सीएम केसीआर सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों को खरीदने की योजना बना रहे थे। रविवार को करीमनगर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, बंडी संजय कुमार ने कहा, केसीआर की साजिशों के कारण कुछ भी हो सकता है। उन्होंने कहा, बीआरएस पार्टी के नेता राज्य सरकार को शर्मिंदा करेंगे और दोष भाजपा पर डालेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बीजेपी को निशाना बनाने से पहले बीआरएस पार्टी का अंत देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग यह नहीं मानते कि बीजेपी और बीआरएस पार्टियां एक ही हैं। कांग्रेस पार्टी इस तरह का झूठा प्रचार करके गलती कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को गिराने की उनकी कोई योजना नहीं है।

जीएचएमसी ने व्यापार लाइसेंस नवीनीकृत करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने शहर के व्यापार मालिकों से वर्ष 2024 के लिए अपने व्यापार लाइसेंस को 31 जनवरी तक बिना किसी अतिरिक्त लागत के नवीनीकृत करने का आग्रह किया है।

1 फरवरी से 31 मार्च के बीच अपने लाइसेंस को नवीनीकृत करने वालों को 25 प्रतिशत जुर्माना देना होगा और 1 अप्रैल के बाद नवीनीकरण कराने वालों को 50 प्रतिशत जुर्माना देना होगा। बिना व्यापार लाइसेंस के चलने वाले किसी भी व्यवसाय पर 100 प्रतिशत जुर्माना लगेगा। जुर्माना, जिसके बाद लाइसेंस प्राप्त होने तक हर महीने 10 प्रतिशत जुर्माना लगेगा। ऑनलाइन भुगतान करके, व्यापारी प्रोविजनल ट्रेड लाइसेंस प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं और महीने के अंत से पहले किसी भी मीसेवा केंद्र, जीएचएमसी प्रधान कार्यालय या सर्कल कार्यालयों में सीएससी पर अपना लाइसेंस नवीनीकृत कर सकते हैं। यह नवीनीकृत लाइसेंस दिसंबर 2024 तक ही वैध रहेगा। नवीनीकरण या नए लाइसेंस के लिए आवेदन करने के संबंध में अधिक जानकारी www.ghmc.gov.in पर 'ऑनलाइन सेवा' डैशबोर्ड के अंतर्गत पाई जा सकती है।

साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति, हैदराबाद की बैठक ऑनलाइन संपन्न हुई। समिति की संस्थापक अध्यक्ष डॉ अहिल्या मिश्र एवं महासचिव डॉ. रमा द्विवेदी के द्वारा जारी संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि ड. अहिल्या मिश्र ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत किया एवं पुरस्कार का परिचय दिया। डॉ. रमा द्विवेदी ने पूर्व बैठक का विवरण प्रस्तुत किया एवं कोषाध्यक्ष डॉ आशा मिश्रा मुक्ता ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में बारहवें और तेरहवें साहित्य गरिमा पुरस्कार प्रदान करने हेतु क्रमशः (कहानी विधा-2022 एवं उपन्यास विधा-2023) के संदर्भ में विचार विमर्श किया गया। राष्ट्रीय निर्णायक मंडल (कहानी विधा - 2022) प्रो. एस निर्मला मौर्य (बनारस), डॉ अमिता दुबे (लखनऊ) एवं अतुल कनक (कोटा) द्वारा प्राप्त परिणामों को स्थानीय निर्णायक मंडल प्रो. ऋषभदेव शर्मा, प्रो. शुभदा वांजपे, प्रो. गंगाधर वानोडे, डॉ. जी. नीरजा एवं डॉ. राशि सिन्हा के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्राप्त प्रविष्टियों में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाली कहानी की पुस्तक शहीद की पत्नी एवं अन्य कहानियाँ की लेखिका वीणा मेदनी (बंगलोर) को सर्वसम्मति से बारहवाँ साहित्य गरिमा पुरस्कार-2022 देने का निर्णय लिया गया। राष्ट्रीय निर्णायक मंडल (उपन्यास विधा-2023) डॉ. अश्विनी कुमार शुक्ल (बाँदा), प्रभा ललित सिंह (नागपुर) एवं डॉ. उषा रानी राव (बंगलोर द्वारा प्राप्त परिणामों को स्थानीय निर्णायकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया एवं प्राप्त प्रविष्टियों में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले उपन्यास की पुस्तक प्रेम न हाट बिकाय की लेखिका डॉ. प्रणव भारती (अहमदाबाद) को सर्वसम्मति से तेरहवाँ साहित्य गरिमा पुरस्कार-2023 देने के निर्णय की घोषणा हुई।

केटीआर ने शेयर की 20 साल पहले की अपनी तस्वीर

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले दो-तीन सालों में इंसानों में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे। 10 या 20 साल में इसकी पहचान करना मुश्किल है। कुछ मोटे हो जायेंगे। दूसरे लोग स्लिम और स्मार्ट हो जाते हैं। पूर्व मंत्री केटीआर ने अपने एक्स अकाउंट पर अपनी 20 साल पुरानी तस्वीर शेयर की है. एक समय मैं भी ऐसा ही था। समय बीत जाएगा,'' उन्होंने अपनी टाइमलाइन पर लिखा। केटीआर उस समय तेलंगाना आये थे जब अलग तेलंगाना आंदोलन अपने चरम पर था। तब तक वह अमेरिका की एक शीर्ष कंपनी में कार्यरत थे। वह अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका गए। अपनी पुरानी फोटो में केटीआर 2% साल के थे। फोटो में बैंगनी रंग की शर्ट और टाई है। उसने इसके ऊपर एक ब्लेज़र पहना था और अच्छा लग रहा था। वह एक युवा व्यक्ति जैसा लग रहा था। अगर आप उस समय की फोटो और केटीआर की अभी की फोटो देखें तो अंतर साफ नजर आ रहा है. उस समय उनकी चिकनी मूंछें थीं। वह अब एक परिपक्व राजनेता की तरह दिखते हैं।' उन्होंने पृथक तेलंगाना आंदोलन में भाग लिया और अपनी एक विशेष पहचान बनाई। वह लगातार पांचवीं बार सिरसिला विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए। पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान, उनके पास आईटी, उद्योग और नगरपालिका प्रशासन और शहरी नियोजन विभाग जैसे प्रमुख विभाग थे। वह अब बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। केटीआर सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहते हैं. वह अपने बारे में और अन्य चीजों के बारे में पोस्ट करते हैं। सत्ता में रहते हुए, अगर किसी ने किसी समस्या के बारे में ट्वीट किया, तो केटीआर ने इसे कुछ ही सेकंड में हल कर दिया।

पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकर कर उन्हें पोंगल की बधाई देती हुई अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, रितु गोयल, रूपा गुप्ता, संगीता जाजोदिया एवं पवन भुवानिया।

कोहरे का कहर
यमुना एक्सप्रेस-वे पर पांच बड़े वाहन टकराए, एक की मौत; 5 घायल

ग्रेटर नोएडा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। दनकौर थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे पर जीरो प्वाइंट से 12 किलोमीटर पर कोहरे के कहर के चलते पांच बड़े वाहन टकरा गए। इस हादमें एक चालक की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस हादसे में क्षतिग्रस्त हुए वाहनों को एक्सप्रेस-वे से हटाकर यातायात सुचारु करने में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार देर रात थाना दनकौर क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे पर पलवल से नोएडा जाने वाले रास्ते इंडियन पेट्रोल पम्प के पास घना कोहरा होने के कारण चलता हुआ ट्रक डिवाइडर तोड कर उपर चढ गया जिससे पीछे से आने वाले 5 ट्रक आगे पीछे टकरा गए। इसमें एक ट्रक चालक की मौत हो गई है, मृतक का नाम स्पष्ट नहीं हो पाया है।

तोगड़िया की संघ परिवार और पीएम मोदी से दूरियां होंगी खत्म

अयोध्या, 14 जनवरी (एजेंसियां)। देश के शीर्ष हिंदू नेता व विहिप के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ। प्रवीण भाई तोगड़िया की संघ परिवार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बनी दूरियां अब खत्म होंगी। इसका माध्यम रामलला बनेंगे। पिछले छह वर्षों से अलग राह पर चल रहे तोगड़िया रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बुलावे पर 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। इसके पहले वह रामलला धन्यवाद यात्रा निकालेंगे।

साथ ही राम मंदिर में जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े कारसेवकों का तिलक लगाकर सम्मान भी करेंगे। मौजूदा समय में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ। तोगड़िया ने अमर उजाला से खास बातचीत में पहली बार यह खुलासा किया। उन्होंने बताया कि नए और भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर वह 15 जनवरी को गोरखपुर से रामलला धन्यवाद यात्रा निकालेंगे। गोरखपुर से शुरू होकर यह यात्रा कुशीनगर, वाराणसी, जौनपुर और

प्रयागराज समेत कई शहरों से होते हुए 21 जनवरी की शाम अयोध्या पहुंचेगी। इस दौरान यात्रा जिन शहरों से गुजरेगी, वहां धन्यवाद सभाओं का आयोजन होगा। साथ ही वहां रहने वाले राम मंदिर आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ताओं और कारसेवकों से भी मिलेंगे। इन्हें 24 जनवरी को अयोध्या आकर रामलला के धन्यवाद दर्शन करने का निमंत्रण दिया जाएगा। विहिप के पूर्व सुप्रीमो ने बताया कि 22 जनवरी को सुरक्षा कारणों से मर्यादित संख्या में रामभक्तों व कारसेवकों को आमंत्रित किया गया है। जबकि जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के संघर्ष और राम मंदिर निर्माण यात्रा में देशभर के अनगिनत कारसेवकों व रामभक्तों ने योगदान दिया है। व्यवस्थागत मजबूरियों के चलते ट्रस्ट इन सभी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं बुला सकता था।

इसीलिए श्रीराम के लिए लाठी-गोली खाने वाले कारसेवकों को वह 24 जनवरी को अयोध्या बुला रहे हैं। इन सभी के शौर्य का राम मंदिर के द्वार पर तिलक लगाकर सम्मान करेंगे। फिर इनके साथ दोबारा रामलला के धन्यवाद दर्शन करेंगे। प्रभु श्रीराम ने इस जीवन में मंदिर निर्माण के संघर्ष के माध्यम से धर्म का काम करने का मौका दिया, इसीलिए उनको धन्यवाद अर्पित करना जरूरी हो जाता है।

एक नजर तोगड़िया के जीवन के सफर पर

मौजूदा समय में कैंसर सर्जन डॉ। प्रवीण भाई तोगड़िया देश के शीर्ष हिंदू नेता हैं। वह सिर्फ 10 वर्ष की आयु में ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ गए। वर्ष 1979 में संघ के स्वयंसेवकों के मुख्य मार्गदर्शक बने।

आरएसएस में वह मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोगी भी रहे। एक समय ऐसा था जब दोनों गहरे दोस्त हुआ करते थे। 1983 में तोगड़िया विश्व हिंदू परिषद से जुड़े। 2003 में जब अशोक सिंहल ने रिटायरमेंट की घोषणा की तो विहिप का नेतृत्व संभाला। अधिकृत तौर पर 2011 में विहिप के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने। 2018 तक इस दायित्व को संभाला। इनका त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम विवादों से घिरने के बाद बहुत चर्चा में आया था। जून वर्ष 2018 में विहिप से अलग हो गए और अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद नामक अपना नया संगठन बनाया। इसी के साथ संघ परिवार और मोदी के आलोचक भी हो गए।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने दी मकर संक्रांति की शुभकामनाएं

की सुख, शांति-समृद्धि की कामना

पटना, 14 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मकर संक्रांति और लोहड़ी पर्व पर सभी प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि मकर संक्रांति और लोहड़ी का पर्व लोगों के लिए सुख, शांति और समृद्धि लाएगा।

डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भी दी बधाई

वहीं उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी मकर संक्रांति की बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि सभी देशवासियों को हर्ष, दान, प्रेम व समरसता के पर्व मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि आपके जीवन में सुख,शांति व समृद्धि का संचार हो।

मकर संक्रांति प्रेम और सद्भाव का पर्व

मकर संक्रांति का सांस्कृतिक महत्व भी है। लोग हर्षोल्लास, पारस्परिक स्नेह एवं सौहार्द्र के साथ इस पर्व को मनाते हैं। मकर संक्रांति के पावन स्नान के बाद लोग चूड़ा, दही, तिलकुट खाते और खिलाते हैं। इससे परस्पर प्रेम और सद्भाव बढ़ता है।

निलंबित भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष व सांसद बृजभूषण को जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

वाराणसी, 14 जनवरी (एजेंसियां)। निलंबित भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह बबलू को फोन कर जान से मारने की धमकी दी गई है। फोन करने वाले ने भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह की भी हत्या की धमकी संजय सिंह बबलू को दी है। प्रकरण को लेकर वाराणसी के कबीर नगर, दुर्गाकुंड निवासी संजय सिंह बबलू की तहरीर के आधार पर भेलूपुर थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। संजय सिंह बबलू ने पुलिस को बताया कि बीते 12 जनवरी की रात एक अनजान नंबर से उनके मोबाइल पर दो बार कॉल आई। अनजान नंबर होने के कारण उन्होंने कॉल नहीं रिसीव की। 13 जनवरी को उसी नंबर से फिर फोन आने लगा। तीसरी बार में उन्होंने कॉल रिसीव कर पूछा कि क्या बात है। इस पर कॉल करने वाले ने कैसरगंज के भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और उन्हें गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस पर उन्होंने डर के मारे फोन काट दिया।

मगर, उस नंबर से लगातार फोन आ रहा है, इससे वह और उनका पूरा परिवार सहमा हुआ है। संजय सिंह बबलू की तहरीर के आधार पर भेलूपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। प्रकरण की जांच सब इंस्पेक्टर अनुराग कुमार मिश्र को सौंपी गई है।

बिजनौर में फर्जी लूट का मामला दर्ज कराने वाले दो गिरफ्तार

बिजनौर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में दो शिकायतकर्ताओं को खुद की लूट का मामला रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वे मालिक द्वारा दिए गए पैसों को बेइमानी से हड़पना चाहते थे। देवेन्द्र और मोन्टी ने पुलिस को सूचित किया था कि 12 जनवरी को धनौरा निवासी सुहेल खान मालिक ने उन्हें माल लाने के लिए छोटा हाथी लेकर धनौरा से शेरकोट भेजा था। शेरकोट जाते समय रास्ते में खो नदी के पुल के पास उनसे 1 लाख 91 हजार 490 रुपये और दो मोबाइल फोन लूट लिए गए थे। देवेन्द्र और मोन्टी ने दावा किया कि बाइक सवार चार से पांच हमलावरों ने उनका छोटा हाथी रोककर पैसे लूट लिए।

हेमा मालिनी अयोध्या में रामायण पर प्रस्तुत करेंगी नृत्य नाटिका

अयोध्या, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल से नेता बनीं हेमा मालिनी एक शानदार एक्टिंग ही नहीं बल्कि बहुत ही अच्छा नृत्य भी करती हैं। बीजेपी नेता हेमा मालिनी अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर रामायण आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगी बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी कई क्लासिक फिल्मों में अपने दमदार किरदार के लिए फिल्म इंडस्ट्री में जानी जाती हैं। यहां तक की उनकी फिल्में ब्लॉकबस्टर भी साबित हुई हैं और लोग आज भी दिग्गज एक्ट्रेस की मूवी देखते हैं। अभिनेत्री से नेता बनीं हेमा मालिनी, जो अब भाजपा नेता उन्होंने अपने कार्यालय से एक नई क्लिप शेयर की है, जिसमें वह राम मंदिर की प्राण

प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या जाने और वहां नृत्य नाटिका प्रस्तुत की बात करते नजर आ रही हैं।

हेमा मालिनी नृत्य नाटिका की अयोध्या में प्रस्तुत

जगत गुरु पद्म विभूषण रामभद्राचार्य के 75 वें जन्मोत्सव पर अयोध्या में अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव में एक्ट्रेस हेमा मालिनी स्पेशल प्रस्तुति देंगी। 17 जनवरी को होने वाली यह प्रस्तुति रामायण के विशेष प्रसंग व मां दुर्गा पर आधारित होने वाली है। कार्यक्रम का आयोजन 14 जनवरी से शुरू होकर 22 जनवरी तक चलेगा। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम है, जिसमें कई दिग्गज हस्तियां शामिल होंगी। हेमा मालिनी ने खुद इसकी जानकारी एक वीडियो जारी करते हुए दी है।

हेमा मालिनी का मैसेज

बीजेपी नेता हेमा मालिनी के वीडियो में कैप्शन लिखा है, 'मैं राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के समय पहली बार अयोध्या आ रही हूं, जिसका लोग वर्षों से इंतजार कर रहे थे। 17 जनवरी को मैं अयोध्या धाम में रामायण पर आधारित एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत करूंगी।' अयोध्या में यह कार्यक्रम आज रविवार, 14 जनवरी से शुरू होगा और 22 जनवरी तक चलेगा। आज समारोह के पहले दिन मालिनी अवस्थी कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगी। पिछले साल नवंबर में हेमा मालिनी ने अपने लोकसभा क्षेत्र में संत मीराबाई की 525वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की थी।

समस्तीपुर में परीक्षा देने पहुंची महिला के साथ दुष्कर्म

मामला उजागर होने के डर से आरोपी ने पीड़िता को पिलाया जहर

समस्तीपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। जिला के सिंघिया थाना क्षेत्र के एक गांव में इंटर की परीक्षा देने पहुंची महिला से दुष्कर्म की घटना हुई है। घटना बीते साल 29 दिसंबर रात की बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की है। फिलहाल महिला का इलाज दरभंगा के एक निजी क्लिनिक में जारी है। जहां वह पिछले 15 दिनों से आईसीयू में जिंदगी की जंग लड़ रही है। घटना को लेकर पीड़िता की दादी ने थाना में आवेदन देते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें सिंघिया थाना क्षेत्र के निमी गांव निवासी कृष्णा पंडित को आरोपित किया है। घटना के संबंध में पीड़िता की दादी ने पुलिस को बताया कि उसकी पोती के जन्म के साथ ही उसके सिर पर से मां का साया उठ गया था। इसके बाद उसने ही उसका पालन पोषण किया। एक माह पूर्व ही दादी ने उसकी शादी भी कर्ज लेकर करवाई थी। दादी के अनुसार वह इंटर की परीक्षा देने के लिए मायके आई थी। घर पर बूढ़ी दादी और उसकी पोती ही रहती है। 29 दिसंबर की रात उसकी पोती घर में पढ़ाई कर रही थी। वह मंदिर गई हुई थी। जब लौट कर घर आई तो उसकी पोती बेहोशी की स्थिति में निर्वस्त्र पड़ी हुई थी। पूछने पर उसने बताया कृष्णा ने मेरे साथ मारपीट कर जबरन दुष्कर्म किया है और मामला उजागर होने के डर से जहर पिला दिया है।

अयोध्या मस्जिद ट्रस्ट के सचिव बोले
मंदिर को लेकर मुसलमानों में नकारात्मक सोच नहीं, भगवान राम हमारी साझी विरासत

अयोध्या, 14 जनवरी (एजेंसियां)। मस्जिद ट्रस्ट के सचिव अतहर हुसैन ने कहा कि अयोध्या में राम जन्मभूमि पर बन रहे रामलला के मंदिर को लेकर मुस्लिम समुदाय में कोई नकारात्मक सोच नहीं है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमीन विवाद पर दिए गए फैसले को मुस्लिम समुदाय ने स्वीकार कर लिया है। इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट के सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि अयोध्या से ही विश्व में देश की एकता का प्रदर्शन किया जाएगा। हम अपनी एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को दुनिया के साथ साझा करेंगे और इसकी शुरुआत अयोध्या से ही होगी। उन्होंने कहा कि हमें

संविधान पर पूरा विश्वास है, जो हमारे देश का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है।

'हमने स्वीकारा कोर्ट का फैसला'

अतहर हुसैन ने कहा, 'हमने पहले भी कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला आएगा हम उसे स्वीकार करें। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सफलता को लेकर कोई भी भारतीय सवाल नहीं खड़े कर सकता है।' उन्होंने अवध क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति का जिक्र करते हुए हिंदू मुस्लिम एकता की बात कही। खास तौर पर स्वतंत्रता के वक्त अवध और लखनऊ के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'स्वतंत्रता के वक्त हिंदू और मुस्लिमों ने कंधे से कंधा मिलाकर अयोध्या से लेकर लखनऊ तक ब्रिटिश के खिलाफ लड़ा था। भगवान राम भी हमारी साझी विरासत का हिस्सा हैं।'

मस्जिद ट्रस्ट के सचिव ने उम्मीद जताई की आने वाले दिनों में भारत और बेहतर होगा। बता दें कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। इसकी उद्घाटन 22 जनवरी को होने वाला है। इसका निर्माण सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हो रहा है। इस समारोह की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। हालांकि प्राण प्रतिष्ठा से पहले नगर भ्रमण समेत कार्यक्रम की शुरूआत 16 जनवरी से हो जाएगी।

यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती की आयु सीमा में छूट को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

लखनऊ, 14 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती की आयु सीमा में पांच साल की छूट को लेकर दाखिल याचिका पर प्रदेश सरकार व पुलिस भर्ती बोर्ड से जवाब मांगा है। मामले को लेकर यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने दिया है। दाखिल याचिका के मुताबिक़ यूपी पुलिस कांस्टेबल के 60244 रिक्त पदों पर भर्ती की आयु सीमा में भर्ती बोर्ड की तरफ से तीन साल की छूट दी गई है। जबकि ये भर्ती पांच साल के बाद आई है। याचिका के अनुसार, प्रदेश सरकार ने पहले भी सर्वोच्च न्ययालय में मनीष कुमार बनाम यूनियन ऑफ इंडिया में दाखिल हलफनामे में हर साल प्रदेश में आरक्षी भर्ती आयोजित करने की बात कही थी। लेकिन, ऐसा कुछ नहीं हुआ। ये भर्ती पांच साल के लंबे अंतराल निकाली गई है, जिसकी वजह से कई अभ्यर्थी ओवरएज हो गए हैं। वकील अनिरुद्ध पांडेय ने कहा कि इससे संविधान के मौलिक अधिकार अवसर की समानता का उल्लंघन होता है। बता दें, सरकार की ओर से नई पुलिस भर्ती में खेल कोटे से आरक्षी भर्ती व दरोगा भर्ती की आयु सीमा में पांच साल छूट दी गई है। ऐसे में समानता के साथ कांस्टेबल भर्ती की आयु सीमा में भी पांच वर्ष की छूट दी जानी चाहिए।

16 जनवरी तक आवेदन की अंतिम तारीख

यूपी पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड की ओर से 60 हजार से अधिक कांस्टेबल के पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट यूपीपीबीपीबी .जी ओवीइन पर किया जा सकता है। इस भर्ती के लिए अंतिम आवेदन 16 जनवरी 2024 तक कर सकते हैं।

कड़कड़ाती ठंड के बीच बारिश मचाएगी तबाही, मौसम विभाग का रेड अलर्ट

प्रयागराज, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने से उत्तर प्रदेश में चक्रवातीय घेरा बनेगा। इससे हवा रूक जाएगी। हवा में नमी बढ़ने से बादल छाएंगे, जिसकी वजह से रात में सर्दी बढ़ेगी। आईएमडी के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ काफी मजबूत है, जिसकी वजह से मौसम बहुत खराब होने की संभावना है। इसकी वजह से आने वाले दिनों में अलग-अलग में तेज बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार आज,

यानी 14 जनवरी को उत्तर प्रदेश में शीतलहर चलेगी। इस बीच प्रदेश वासियों को लगातार सर्द मौसम के लिए तैयार रहने और कोहरे की स्थिति के कारण यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

और सताएगी ठंड

उत्तरी राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में घना से घना कोहरा है। क्षेत्र में घने कोहरे के कारण आईएमडी ने हफ्ते तक जारी रहने वाले ऑरेंज अलर्ट के साथ, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा और उत्तर प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

इन राज्यों में होगी बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक, 13 और 14 जनवरी को मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान में बारिश या बर्फबारी होगी। 16 और 17 जनवरी को उत्तराखंड और यूपी में भी बारिश संभावना है। मध्य और पूर्वी भारत में अगले दो दिनों में तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस गिरने की संभावना है। उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में कंपकंपाती ठंड का सामना करना पड़ सकता है। 16 जनवरी से सक्रिय हुआ पश्चिमी विक्षोभ, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में अगले हफ्ते तक बारिश करा सकता है।

कैसा रहेगा मौसम का हाल?

मौसम की बात करें तो उत्तर प्रदेश में शीत लहर का सामना करने का अनुमान है। वहीं, दक्षिण भारत में उत्तर-पूर्वी मॉनसून धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। 15 जनवरी, 2024 के आसपास तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में बारिश के बंद होने के आसार हैं। वहीं, तमिलनाडु, लक्षद्वीप और केरल में बारिश की उम्मीद है।

महिला से अवैध संबंध के चलते हुई थी ट्रक ड्राइवर राकेश की हत्या

साजिशकर्ता गिरफ्तार किए कई खुलासे

आरा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के नयका टोला मोड़ के समीप दिनदहाड़े घटित ट्रक चालक राकेश साह की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामलेका भी पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। साथ ही साजिश में शामिल एक आरोपित कोगिरफ्तार करने में सफलता हासिल की गई है। इसकी जानकार भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार शेखर कुमार यादव उदवंतनगर थाना के गड़हां गांव का निवासी है। कांड में संलिप्त एक हिस्ट्रीशीटर चंदन कुमार समेत दिलीप उर्फ गड़ासी नामक दो अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। उदवंतनगर थाना क्षेत्र के दक्षिण एकौना गांव निवासी राकेश साह महाराष्ट्र में रहकर ट्रक चलाता था। इस दौरान उदवंतनगर के गड़हां गांव की निवासी एक महिला से संपर्क में रहता था।

जिसका विरोध उसके मायके वाले करते थे। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि षड्यंत्र के तहत राकेश को महाराष्ट्र से यहां बुलाकर लाया गया था। इसके बाद 10 जनवरी को जगदीशपुर थाना क्षेत्र के नयका टोला मोड़ के समीप गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई थी।

ज्वेलरी शो रुम को बंद करने के दौरान आ धमके लुटेरे, गोली मारी, गहने लूट ले गए

मुजफ्फरपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में इन दिनों अपराधियों के मंसूबे सातवें आसमान पर हैं, यही कारण है कि रोजना कहीं न कहीं वो बड़ी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं. बड़ी खबर मुजफ्फरपुर से आ है, जहां बेखौफ बदमाशों ने एक ज्वेलरी दुकान में लूटपाट करते हुए कई राउंड फायरिंग भी की. बदमाशों ने इस दौरान दुकान के एक कर्मी को भी गोली मार दी है, जिसे फिलहाल इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के बाद मौके पर पहुंची

पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. पुलिस ने मौका-ए-वारदात से दो खोखा भी बरामद किया है. गोलीबारी की ये घटना सदर थाना क्षेत्र के भगवानपुर रेवा रोड की है, जहां हीरालाल सर्राफ एन्ड ज्वेलर्स दुकान को बंद करने के दौरान तीन बाइक पर सवार आधा दर्जन बदमाश पहुंच गए और दुकान में घुसकर लूटपाट करनी शुरू कर दी.

'नीतीश बाबू की मानसिक और शारीरिक स्थिति ठीक नहीं'
इंडिया का संयोजक न बनने पर आरसीपी सिंह का वार

पटना, 14 जनवरी (एजेंसियां)। जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन का संयोजक बनने से इनकार कर दिया है। जिसको लेकर अब विभिन्न राजनीतिक पार्टियों की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार की आज जो स्थिति है शारीरिक और मानसिक रूप से वो किसी भी उत्तरदायित्व का कैसे निर्वहन कर सकते है। ये तो बिहार है जो सब झेल रहा है। आरसीपी सिंह ने कहा नीतीश कुमार की अब ऐसी कोई स्थिति नहीं है वो किसी भी महत्वपूर्ण दायित्व को निभा सके। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने इंडिया गठबंधन को लेकर कहा कि ना यहां ताल है और ना यहां मेल है, इनका ताल और मेल कभी नहीं होगा। तालमेल के लिए जरूरी है आपकी सोच में, आपकी विचारधारा और आपके कार्यक्रम में एकरूपता हो, समझदारी हो, लेकिन वो होगा कैसे, अलग-अलग एजेंडा, अलग-अलग सोच। किसी को अपना वंश चलना है तो किसी को अपना परिवार आगे बढ़ना है। भ्रष्टाचार में लिप्त है उसको बचाना है। तो कैसे लोग एक जगह आ सकते है। आरसीपी सिंह ने नीतीश कुमार के संयोजक बनने से इनकार करने पर आगे कहा कि संयोजक का काम जितनी भी दल है उनके बीच में सामंजस्य स्थापित करना काम है इस हिसाब से नीतीश कुमार की ऐसी स्थिति नहीं है कि लोगों के बीच सामंजस्य स्थापित कर सके।

श्री अकाल तख्त के जत्थेदार ने अस्वीकार किया राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का न्योता

अयोध्या नहीं जाएंगे ज्ञानी रघबीर सिंह

अमृतसर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। आने वाली 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह है। उत्सव को लेकर देश की सियासत में भी उठा पटक जारी है। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार रघबीर सिंह ने अयोध्या में 22 जनवरी को प्रस्तावित श्री रामलला के प्राण प्रतिष्टा समारोह में शामिल होने के न्योते को अस्वीकार कर दिया है। जत्थेदार रघबीर सिंह ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण अस्वीकारा शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की धर्म प्रचार कमेटी के वरिष्ठ प्रचारक अंग्रेज सिंह ने इंटरनेट मीडिया फेसबुक पर पोस्ट डालते हुए इसकी पुष्टि की है।

रघबीर सिंह के मीडिया प्रमुख ने नहीं की पुष्टि

उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा है कि उन्हें यह जानकारी श्री अकालतख्त सचिवालय से हासिल हुई है। हालांकि जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह के मीडिया प्रमुख तलविंदर सिंह बुटर ने इसकी पुष्टि ना करते हुए इतना ही कहा है कि फिलहाल अधिकारिक तौर पर वह कोई भी टिप्पणी करने से असमर्थ है,क्योंकि जत्थेदार ने न्योता स्वीकार किया है या नहीं इस बारे उन्होंने (जत्थेदार ने) अपने फैसले से उन्हें अवगत नहीं करवाया है। एसजीपीसी प्रचारक अंग्रेज सिंह ने कहा है कि जत्थेदार रघबीर सिंह ने उनसे हुई बातचीत के दौरान यह साफ किया है कि उन्हें देश के किसी भी व्यक्ति विशेष द्वारा निजी तौर से समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है। अग्रेंज सिंह ने कहा कि जत्थेदार को आमंत्रित नहीं किए जाने के चलते उन्होंने अयोध्या जाने का अपना कार्यक्रम रद कर दिया है। अग्रेंज सिंह ने फिर दोहराया कि उन्हें जत्थेदार के ना जाने की सूचना श्री अकालतख्त सचिवालय द्वारा भी दी गई है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले

भाजपा और एनडीए की सोच व राजनीति सकारात्मक इंडिया गठबंधन की खींचतान पर कही बडी बात

कानपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर में केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शाम कहा कि भाजपा और एनडीए गठबंधन की सोच सकारात्मक है और वे इसी सकारात्मक सोच के आधार पर राजनीति करते हैं। एक सवाल के जवाब में बोले कि इंडिया गठबंधन के दलों का यह अपना फैसला है कि वे मिलकर चुनाव लड़ते हैं या अलग-अलग लड़ना चाहते हैं। इस पर टिप्पणी की कोई आवश्यकता नहीं है। रक्षामंत्री चकेरी श्यामनगर स्थित अपने गुरु संतोष कुमार द्विवेदी के घर आए थे। इस मौके पर जुटी लोगों की भीड़ का उन्होंने हाथ हिलाकर अभिवादन किया और मीडियाकर्मियों से भी बात की। यहां करीब एक घंटे तक रुके। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना भी की। नीतीश कुमार के इंडिया गठबंधन का संयोजक न बनने संबंधी सवाल पर रक्षामंत्री ने कहा कि यह उनका आंतरिक मामला है। वहीं राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शंकराचार्य के मामले को लेकर उन्होंने कहा कि सभी लोगों से विचार-विमर्श करने के बाद मुहूर्त के आधार पर ही निर्णय लिया गया है।

जो आवश्यक कदम हैं, वे उठाए जा रहे हैं

पश्चिम बंगाल में साधु संतों पर हुए हमले के संबंध में बोले कि मामले में जो आवश्यक कदम हैं, वे उठाए जा रहे हैं। इस दौरान पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया, बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर, पूनम द्विवेदी, पार्षद निर्देश सिंह चौहान, पार्षद वेद प्रकाश तथा अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

लंबे समय बाद एक ही दिन महानगर आए पिता-पुत्र

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और उनके पुत्र व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष, महानगर प्रभारी पंकज सिंह लंबे समय बाद शनिवार को शहर में रहे। पंकज सुबह लखनऊ से यहां आए, तो राजनाथ शाम को दिल्ली से। पहली बार ऐसा हुआ जब रक्षामंत्री के रूप में राजनाथ सिंह ने शहर में रात्रि विश्राम किया। एक तरफ पंकज सिंह एक फरवरी को भाजयुमो के राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियों और मोदी सरकार की योजनाओं की समीक्षा करने में व्यस्त रहे, तो रक्षामंत्री सबसे पहले श्यामनगर में अपने गुरु संतोष कुमार द्विवेदी से मिलने उनके घर गए।

राजनाथ सिंह व पंकज सिंह अलग-अलग कार्यक्रमों में हुए शामिल

वहां से विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के घर में शहर के प्रमुख लोगों से मुलाकात की। पिता और पुत्र के एक ही दिन शहर में रहने को लेकर काफी चर्चा रही। कुछ लोग इसे लोकसभा चुनाव से जोड़कर देख रहे हैं तो कुछ इसे संयोग बता रहे हैं। मजे की बात यह है कि पिता-पुत्र के शहर में होने के बावजूद दोनों की मुलाकात का कोई शेड्यूल नहीं था। पंकज सिंह वापस लखनऊ चले गए, जबकि राजनाथ सिंह रविवार को एयरफोर्स और ओंकारेश्वर स्कूल के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद जाएंगे। इस बीच चकेरी एयरपोर्ट और सर्किट हाउस में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और लोगों ने रक्षामंत्री का स्वागत किया।

मंदिर पहुंचे और लगाने लगे पोंछा

इस अंदाज में नजर आए मोहन कैबिनेट के ऊर्जा मंत्री

ग्वालियर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर में एक बार फिर मुख्यमंत्री मोहन यादव के मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का अनोखा अंदाज देखने मिला है। इस बार उन्होंने स्वच्छता अभियान में भागीदारी करते हुए न सिर्फ मंदिर में अपने हाथों से पोछा लगाया बल्कि मंदिर के रास्ते में पड़े एक पुराने पेड़ को लोगों के साथ मिलकर उसे किनारे कराया। ऊर्जा मंत्री का यह अनूठा अंदाज लोगों को बेहद पसंद आ रहा है।

उन्होंने शहर वासियों से स्वच्छता अभियान में भागीदारी करने की अपील भी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आव्हान पर 14 जनवरी से 22 जनवरी तक तीर्थ स्थल और मंदिर में स्वछता अभियान चलाया जाएगा। मध्यप्रदेश के ऊर्जामंत्री ने तो इस पर अमल भी शुरू कर दिया। इसी के तहत ऊर्जा मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर किला स्थित हरसिद्धि माँ और हनुमान मंदिर में भाजपा के लक्ष्मीवाई मंडल और कोटेश्वर मंडल के साथियो के साथ स्वच्छता अभियान चलाया। और अपने हाथों से मंदिर में साफ सफाई कर पोछा लगाया। पीएम मोदी के आह्वान पर तोमर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ग्वालियर के ऐतिहासिक हरसिद्धि माता के मंदिर पर पहुंचे। इस मौके पर माँ के दर्शन और पूजा अर्चना के बाद ऊर्जा मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर ने मंदिर में चारो तरफ सफाई की फिर फर्श पर पोंछा लगाया इससे पहले उन्होने मंदिर में रखी झाड़ झंखाड़ और लकड़ियां और कबाड़ को सबको साथ लेकर साफ करवाया और सभी समर्थकों के साथ कारसेवा की।

यूक्रेन युद्ध से वायुसेना ने लिया सबक

पिछले दो से तीन वर्षों में 60 हजार से अधिक कल-पुर्जे देश में बनाए, सुखोई विमानों में भी लगाए जा रहे हैं स्वदेशी हथियार

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी।आर। चौधरी ने बताया है कि भारतीय वायुसेना ने पिछले दो से तीन वर्षों में 60 हजार से अधिक कल-पुर्जों को देश में तैयार किया। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि वायुसेना मरम्मत और रखरखाव गतिविधियों के लिए विदेशी ओईएम (मूल उपकरण निर्माताओं) पर भरोसा नहीं कर सकती है और इसे देश में ही करना होगा। वायुसेना प्रमुख नागपुर के भोंसला सैन्य स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान चेन्नई तट के समीप बंगाल की खाड़ी में भारतीय वायु सेना के एक परिवहन विमान के मलबे का पता लगने के बारे में भी एयर चीफ मार्शल वी।आर। चौधरी ने बात की। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से इसमें इतना समय लग गया लेकिन आखिरकार हमें कम से कम गहरे समुद्र में अन्वेषण करने और समुद्र तल में इस तरह की चीजों का पता लगाने की तकनीक तो मिल गई। उन्होंने कहा कि हम इसे सुविधाजनक बनाने और मलबा खोजने में सक्षम होने के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के बहुत आभारी हैं। यह लंबे अरसे से लंबित दुर्घटना की जांच को समाप्त करेगा। बता दें कि कल-पुर्जों के देश में निर्माण से लेकर लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करके उनमें स्वदेशी हथियार प्रणाली लगाने का काम भी तेजी से किया जा रहा है। इस क्रम में सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों को अपग्रेड किया जा रहा है और इसके ज्यादातर उपकरणों को भारतीय प्रणालियों से बदला जा रहा है। सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान अपग्रेडेशन के बाद भारतीय विमानों में बदल जाएंगे। इसका मतलब यह है कि इसमें लगे ज्यादातर रूसी उपररणों की जगह भारतीय उपकरण ले लेंगे। यह कदम रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को महत्वपूर्ण बढ़ावा भी होगा। अपग्रेड होने के बाद सुखोई के 78% उपकरण स्वदेशी हो जाएंगे। मौजूदा रूसी रडार को स्वदेशी रूप से विकसित एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे (एईएसए) रडार से बदला जाएगा। एवियोनिक्स सूट को उन्नत भारतीय प्रणालियों के साथ अपग्रेड किया जाएगा। एक उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट भी होगा। खोई-30 एमकेआई में नई भारतीय हथियार प्रणालियों को भी लगाया जाएगा।

इस बदलाव से इसकी आक्रामक क्षमताओं में और वृद्धि होगी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के 84 सुखोई-30एमकेआई लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने का काम जल्द ही शुरू करने जा रहा है। इन 84 विमानों को अपग्रेड करने का काम वायु सेना के विशेष अनुरोध पर किया जा रहा है और इसके लिए रक्षा मंत्रालय से मंजूरी भी मिल गई है और बजट भी पास हो गया है।

दिल्ली-एनसीआर में एयर क्वालिटी बिगड़ने पर कई वाहनों के संचालन पर लगा बैन, केंद्र सरकार ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में एयर क्वालिटी बिगड़ने पर केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र ने हवा की बिगड़ती गुणवत्ता के बीच दिल्ली-एनसीआर में गैर-जरूरी निर्माण कार्य, बीएस आईआईआई पेट्रोल और बीएस वीआई डीजल 4 पहिया वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया है। पीटीआई के हवाले से ये जानकारी मिली है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आज सुबह दिल्लीभर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कई क्षेत्रों में 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया था। आनंद विहार में एक्यूआई 478, जेएलएन में 465, आईजीआई एयरपोर्ट (टी3) में 465, आईटीओ दिल्ली में 455 रहा था। देश की राजधानी दिल्ली में कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

सपा के बड़बोले नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को लेकर पार्टी में घमासान

लखनऊ, 14 जनवरी (एजेंसियां)। हिंदू धर्म पर लगातार विवादित बयान देने वाले समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को लेकर पार्टी में घमासान मचा हुआ है। रामचरितमानस से छंदों को हटाने की मांग से लेकर अयोध्या में 'कार सेवकों' पर गोलीबारी को उचित ठहराने तक, उनके बयान समाजवादी पार्टी (सपा) में हिंदू विधायकों, खासकर ऊंची जातियों से संबंधित विधायकों को परेशान कर रहे हैं। पिछले हफ्ते, पार्टी की एक बैठक में विधायकों ने पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के सामने यह मुद्दा उठाया था और बाद में उन्हें आश्वासन दिया गया कि स्वामी प्रसाद मौर्य को धार्मिक मुद्दों पर टिप्पणी करने से परहेज करने के लिए कहा गया है। हालांकि, इसके एक दिन बाद, मौर्य ने 'कार सेवकों' पर टिप्पणी करते हुए उन्हें असामाजिक तत्व करार दिया। सपा के वरिष्ठ विधायक राकेश प्रताप सिंह और समरपाल सिंह ने अब पार्टी नेतृत्व से मौर्य के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। दरअसल, राकेश प्रताप सिंह पिछले हफ्ते पूजा-अर्चना के लिए अयोध्या गए थे और ट्रस्ट के पदाधिकारी चंपत राय से मुलाकात की थी।

ब्राह्मण समुदाय के एक अन्य सपा विधायक ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि मौर्य कुछ निहित स्वार्थों के इशारे पर काम कर रहे हैं, जो आगामी लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। जब वह योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री थे, तो उन्होंने इन मुद्दों पर कभी एक शब्द भी नहीं बोला।" विधायक ने कहा कि मौर्य के व्यवहार पर अखिलेश की चुप्पी एक बड़ी परेशानी है और स्वाभिमानी हिंदू चाहते हैं कि पार्टी नेतृत्व इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण दे। दिलचस्प बात यह है कि स्वामी प्रसाद मौर्य को अभी तक अपने बयानों के लिए सपा के भीतर ओबीसी नेताओं से कोई समर्थन नहीं मिला है और यहां तक कि बहुजन समाज पार्टी के उनके पूर्व सहयोगियों ने भी उनसे दूरी बना ली है।

दुवाओं के खिलाफ मौर्य के रुख का इस्तेमाल बीजेपी समाजवादी पार्टी पर निशाना साधने के लिए कर रही है। उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने कहा,स्वामी प्रसाद मौर्य वही बोल रहे हैं, जो अखिलेश यादव उनसे कहते हैं। अगर मौर्य खुद ही ये बयान दे रहे हैं, तो अखिलेश यादव को उन्हें पार्टी महासचिव के पद से हटाने से कौन रोक रहा है?' स्वामी प्रसाद मौर्य की टिप्पणी से कांग्रेस भी नाराज है।

हरियाणा, पंजाब में शीत लहर का प्रकोप

चंडीगढ़, 14 जनवरी (एजेंसियां)। रविवार को हरियाणा और पंजाब शीत लहर की चपेट में रहे, दोनों राज्यों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चला गया। मौसम विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब के शहीद भगत सिंह नगर जिले के बल्लोवाल सौंखरी में तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पंजाब और हरियाणा में कई स्थानों पर घना कोहरा छाया रहा। दोनों राज्यों में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से दो से चार डिग्री नीचे दर्ज किया गया। दोनों राज्यों की साझा राजधानी चंडीगढ़ भी भीषण ठंड की चपेट में रही, जहां न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री कम था। पंजाब में अमृतसर में न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि पटियाला और लुधियाना में न्यूनतम तापमान क्रमशः 3.4 और 2.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पठानकोट, बठिंडा, फरीदकोट और गुरदासपुर में न्यूनतम तापमान क्रमशः 6.2, 4.2, चार और 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा में नारनौल सबसे ठंडा स्थान रहा जहां तापमान दो डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अंबाला, हिसार और करनाल में न्यूनतम तापमान 4.4, 3.9 और चार डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रोहतक, भिवानी और सिरसा में न्यूनतम तापमान पांच, 3.4 और छह डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रात को सो रहे तीन लोगों पर गुलदार ने किया हमला, दो गंभीर घायल

खटीमा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। खटीमा ग्राम सभा भुडाई में सो रहे तीन लोगों पर गुलदार ने हमला कर दिया। इनमें से गुलदार के हमले से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक को पैर में खरोच और हल्की चोट के निशान हैं। सूचना पाकर परिवार वालों ने ग्रामीणों की मदद से घरेलू उपचार कर उन्हें नागरिक अस्पताल खटीमा में भर्ती कराया। ग्राम सभा भुडाई निवासी नीरज सिंह पुत्र दशरथ सिंह के घर में शादी समारोह था, जिनमें उनके रिश्तेदार भी आए हुए थे। ग्राम बिसौता नौगवानाथ निवासी रजनीश सिंह राणा, पुत्र गणेश सिंह राणा, ग्राम भड़ा भुडिया निवासी अनुराग पुत्र स्व कारण सिंह, भुडाई निवासी दिनेश सिंह पुत्र रामरूप भी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। ये सभी नीरज सिंह के घर पर सो रहे थे। मध्य रात्रि करीब डेढ़ बजे के आसपास गुलदार ने इन सभी पर हमला कर दिया। गुलदार ने दिनेश के मुंह पर हमला कर जबड़ा फाड़ दिया।

पंजाब में अपराधी बेखौफ : बाल कटवा रहे सरपंच की गोली मारकर हत्या, वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद

तरनतारन, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के तरनतारन जिले में अड्डा झबाल के मौजूदा सरपंच अमन कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रविवार की सुबह अड्डा झबाल में दो अज्ञात बाइक सवारों ने गोली मारी। घायल सरपंच अमन कुमार को तुरंत अमृतसर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस संबंध में डीएसपी तरसेम मसीह ने बताया कि अमन कुमार सोनू चीमा की इलाज के दौरान मौत हो गई है। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज कब्जे में लेकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। बता दें कि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब नौ बजे अमन कुमार सोनू चीमा भीखीविंड रोड पर एक हेयर कटिंग की दुकान पर अपने बाल कटवा रहे थे। तभी दो अज्ञात बाइक सवार पहुंचे। इनमें से एक बाइक में ही बैठा रहा। वहीं दूसरे ने दुकान में जाकर सरपंच अमन कुमार को गोली मारी। घटना के बाद दोनों हत्यारे फरार होने में कामयाब हो गए। तुरंत लोगों ने घायल सरपंच को अमृतसर के एक निजी अस्पताल में दाखिल करवाया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी हरिंदर सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरी घटना की जांच की।

पिता-पुत्र मिलकर चुराते थे महंगी कारें

दूसरे राज्यों में इस तरह बेच देता था गिरोह, पुलिस ने किया अरेस्ट

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में पुलिस ने चार पहिया वाहन चुराने वाले बाप बेटों के गिरोह को पकड़ा है। ये लोग महंगे फोर व्हीलर चोरी कर बेच देते थे। गिरोह के सरगना पिता के खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में 33 मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि छत्रपति संभाजीनगर के क्राइम ब्रांच ने शहर में महंगी कार चुराकर दूसरे राज्यों में नंबर प्लेट बदलकर बेचने वाले शेख दाऊद और उसके तीन बेटों को पकड़ा गया है।

इस गिरोह को घर के ही सदस्य चला रहे थे। जानकारी के अनुसार, कार चुराने वाला ये गिरोह बुलढाणा जिले के धड़ शहर का है। ये गिरोह शेख दाऊद और उसके तीन बेटे चल रहे थे। पुलिस का कहना है कि पिता कम पढ़ा लिखा है, लेकिन उसके बच्चे ग्रेजुएशन कर रहे हैं। यह गिरोह रात में अक्सर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। छत्रपति संभाजीनगर क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर संदीप गुरमे ने बताया कि पिछले 1 साल से शहर में अक्सर फोर व्हीलर वाहन चोरी हो रहे थे। कार चुराने वालों को पकड़ने के लिए काफी समय से पुलिस कोशिश में जुटी थी। पुलिस ने शक के आधार पर पिता और उसके तीन बेटों पर नजर रखना शुरू कर दिया। इसके बाद इन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। इस गिरोह के अन्य सदस्य फरार हैं। इस गिरोह ने जलगांव, अहमदनगर व जालना में कई वारदातों को अंजाम दिया है।

पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने 14 चोरी की वारदातों को कबूल किया है। इस गिरोह के सदस्य किराए पर रहते थे। ये लोग गाड़ी खड़ी देखकर डुप्लीकेट चाबी लगाकर उसे लेकर फरार हो जाते थे। ये लोग ऐसे रास्तों से वाहन को ले जाते थे, जहां टोल नाका नहीं रहता था। बाप-बेटों का यह गिरोह पिछले 1 साल से छत्रपति संभाजीनगर में किराए पर रह रहा था। साल 2023 में इस गिरोह के लोगों ने 9 चार पहिया वाहन चोरी किए हैं, जिसमें 6 इनोवा, 2 क्रेटा और एक स्विफ्ट कार शामिल है।

भाजपा सांसद की सीट पर भगवा विधायक ने ही ठोक दिया दावा

नीतीश कुमार की जातीय जनगणना को बताया आधार

मुजफ्फरपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सभी पार्टी चुनाव की तैयारी में जुटी हुई है। सीट पर दावेदारी को लेकर सियासत भी शुरू हो चुकी है। मुजफ्फरपुर लोकसभा क्षेत्र सीट पर भाजपा सांसद अजय निषाद के खिलाफ में उनकी ही पार्टी के विधायक केदार प्रसाद गुप्ता ने ठोकी है। उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ने का आधार जातीय गणना को बनाया है। इस मामले में सांसद अजय निषाद ने कहा कि चुनाव लड़ने की इच्छा हर किसी की होती है। अब शीर्ष नेतृत्व करेगा तय कौन लड़ेगा चुनाव यहां से।

भाजपा सबका साथ और सबका विकास करने वाली पार्टी

उत्तर बिहार की महत्वपूर्ण सीट में शुमार मुजफ्फरपुर के लोकसभा सीट पर भी अब यहां से कई नए नए प्रत्याशी और उम्मीदवार भी अपनी दावेदारी ठोक रहे है। लेकिन, अभी सबसे ज्यादा चर्चा का विषय कुढ़नी से भाजपा के वर्तमान विधायक केदार गुप्ता की हो रही है। अपनी ही पार्टी के सांसद के खिलाफ जाते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी में कानू हलुवाई समाज का संख्या ज्यादा है। ऐसी में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने इस मामले पर शीर्ष नेतृत्व के निर्णय पर विचार करने की बात कही। साथ ही कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास वाली पार्टी है।

वैश्य में सबसे अधिक मेरी जाति के लोग, इसलिए मिले टिकट

विधायक केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि मैंने मुखिया से लेकर विधायक बनने तक का राजनीति की है। तीन विधानसभा चुनाव लड़ चुका हूं। लगातार छोटे ओहदे से पार्टी के लिए समर्पित रहा हूं। अब मैं मुजफ्फरपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहता हूं। केदार गुप्ता ने जातीय समीकरण का हवाला देते हुए कहा कि वह वैश्य समाज के कानू-हलवाई जाति से आते है। इनकी संख्या नये जातीय जनगणना के अनुसार 2।82 प्रतिशत से ज्यादा है। इस जाति की इतनी आबादी होने के बावजूद भी लोकसभा में एक भी टिकट इन्हें नहीं मिला। अभी यहां पर विधानसभा में भी सिर्फ दो सीट मोतिहारी से प्रमोद गुप्ता और कुढ़नी से केदार गुप्ता को मिली है। ऐसे में वैश्य में सबसे अधिक संख्या वाली जाति होने के नाते भी समाज में अच्छी पकड़ होने और लोगों का साथ होने से उनकी दावेदारी बनती है। सभी जात जमात के लोगों का समर्थन मिल रहा है।

हर सीट का निर्णय शीर्ष नेतृत्व तय करता है यह जगजाहिर है

वहीं भाजपा सांसद अजय निषाद ने कहा कि सबकी इच्छा होती है कि चुनाव लड़े। और अगर अब केदार प्रसाद गुप्ता जी भी दावेदारी पेश कर रहे हैं। हमें इससे कोई दिक्कत नहीं है यह सब शीर्ष नेतृत्व तय करेगा कि आगामी लोकसभा चुनाव कौन लड़ेगा। लोकसभा हो या विधानसभा, हर सीट का निर्णय शीर्ष नेतृत्व तय करता है यह जगजाहिर है।

भारतीय मूल की अमेरिकी महिला से फाइव स्टार होटल में रेप

प्राइवेट कंपनी के सीईओ पर लगा आरोप

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में फाइव स्टार होटल में भारतीय मूल की अमेरिकन लेडी के साथ रेप की घटना सामने आई है। मामाला चाणक्यपुरी इलाके का है। महिसा ने थाने में एक प्राइवेट कंपनी के सीईओ पर रेप का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला की उम्र 42 साल है। महिला का आरोप है कि साल भर पहले एक प्राइवेट कंपनी के सीईओ ने उसके साथ फाइव स्टार होटल में रेप किया। पुलिस ने महिला का मेडिकल करवाया है। फिलहाल, मामले में जांच जारी है। हाल ही में उत्तरी दिल्ली के सदर बाजार में भी 12 साल की एक नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया था। घटना 1 जनवरी की है, लेकिन पुलिस को इसकी सूचना गुरुवार (4 जनवरी) को दी गई। डीसीपी नॉर्थ ने 6 जनवरी को बताया कि शिकायत मिलते ही धारा 376डी (सामूहिक बलात्कार) और अन्य संबंधित धाराओं में तुरंत केस दर्ज किया गया। सभी पांचों आरोपियों को पकड़ लिया गया है। पुलिस ने संदिग्धों में से एक की पहचान 38 वर्षीय सुरेश कुमार के रूप में की है, जो सदर बाजार झुग्गी-बस्ती में चाय बेचता है। इस मामले में एक महिला भी आरोपी है। आरोप है कि बच्ची को वही बहला-फुसलाकर ले गई थी। वह इसी इलाके में रहती है। पुलिस ने इन दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि, गैंगरेप के तीन अन्य आरोपी 12, 14 और 15 साल की उम्र के हैं। इन तीनों नाबालिगों को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, उन्हें इस घटना की सूचना बवाना निवासी और कूड़ा बीनने वाली पीड़िता ने दी थी। उसने बताया कि वह ग्रुप में जाकर बवाना में कचरा उठाती है। 1 जनवरी को जब वह सदर बाजार में अकेली थी, तो ब्यूटी नाम की महिला उससे मिलने आई। ब्यूटी पहले बवाना में ही रहती थी और दोनों एक-दूसरे को जानते थे।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 15 जनवरी - 2024

आतंकियों पर नकेल की जरूरत

यह बात तो पूरी दुनिया जानती है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों को पाकिस्तान की सरपरस्ती हासिल है। समय-समय पर यह बात प्रमाणित भी हो चुका है। यही नहीं इसके कई प्रमाण तक न केवल पाकिस्तान को सौंपे जा चुके हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उन्हें रखा गया है। इसके बावजूद पाकिस्तान के रवैए में कोई बदलाव नहीं आता है तो यह उसकी बेशर्मी के अलावा कुछ नहीं है। बहरहाल, भारतीय सेना की तारीफ करनी होगी कि उसने सघन तलाशी अभियान चलाकर आतंकी घुसपैठ पर लगाम लगाने में सफलता हासिल की है। यहां तक कि सीमा पार से आने वाले हथियारों और वित्तीय मदद पर भी काफी हद तक काबू पाया जा चुका है। फिर भी कहना गलत नहीं होगा कि कुछ इलाकों में वह आज भी अपनी पैठ बनाने में कामयाब रहा है। कश्मीर के पुंछ और राजौरी इलाके इसके उदाहरण हैं, जहां पिछले दिनों ताबडतोड आतंकवादी हमले हुए हैं। सेना दिवस पर भारतीय सेना प्रमुख ने भी यह बात स्वीकार करने में संकोच नहीं की। मगर चिंता की बात यह है कि कुछ वर्षों में आतंकवादियों ने अपनी रणनीति बदलते हुए घात लगा कर सुरक्षाबलों पर हमला कर रहे हैं। उनके हमलों की प्रकृति और उनमें इस्तेमाल हुए हथियारों आदि को देखते हुए स्पष्ट है कि दहशतगर्द सुरक्षाबलों को न केवल चकमा देने में सफल हो रहे हैं, बल्कि अधिक मारक हथियारों का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। अगर इतनी चौकसी के बाद भी आतंकियों को पाकिस्तान से मदद मिल पा रही है, तो उस पर लगाम लगाने के लिए भारतीय सेना को नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत है। घाटी में दहशतगर्दों को मदद पहुंचाने वालों की मुश्कें तो कब से बांधी जा रही है। हुर्रियत जैसे अलगाववादी संगठनों के नेताओं को सलाखों के पीछे डाला जा चुका है। उनके संगठन को भी प्रतिबंधित किया जा चुका है। यहां तक कि उनके बैंक खाते बंद कर दिए गए हैं। घाटी में जहां से भी आतंकी संगठनों को वित्तीय मदद पहुंच सकती है, उन सब पर अंकुश लगाने के काफी प्रयास किए जा चुके हैं। पाकिस्तान के साथ सड़क मार्ग से होने वाली तिजारत लंबे समय से बंद है। इस तरह उधर से आने वाली हथियारों आदि की खेप में कमी देखी गई है। इसके बावजूद अगर आतंकवादी न केवल घाटी में सक्रिय हैं, बल्कि थोड़े-थोड़े समय बाद सुरक्षाबलों के लिए खतरा बने हुए हैं, तो स्वाभाविक ही सवाल उठता है कि उनसे पार पाने की पुख्ता रणनीति बनाने की जरूरत है। हम इस हकीकत से मुंह नहीं मोड सकते कि अब स्थानीय लोगों में दहशतगर्दों को पनाह देने की प्रवृत्ति समाप्त हो गई है। अनेक शैक्षणिक संगठनों और प्रतिष्ठानों में छानबीन के बाद मिले तथ्यों से स्पष्ट है कि स्थानीय युवाओं का आतंकी संगठनों के प्रति आकर्षण कम होने की बजाय बढ़ता ही जा रहा है। आतंकवाद किसी भी देश और समाज की तरक्की के लिए बहुत बड़ी बाधा होता है। निस्संदेह उस पर काबू पाने के लिए सेना की चौकसी अनिवार्य है। लेकिन यह भी सही है कि केवल सेना के सहारे इस समस्या पर काबू नहीं पाया जा सकता। इसके लिए राजनीतिक प्रयास भी किए जाने की जररूत है। सब जानते हैं कि पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी आइएसआइ, भारत में आतंकी हमलों को बढ़ावा देने में आगे रहती है। वहां का राजनीतिक नेतृत्व भी इसी तरह के कामों को कराना पसंद करता है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक स्तर पर शांति प्रयास लंबे समय से रुके हैं। ऐसे में भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसके खिलाफ दहशतगर्दी के सबूत पेश करता रहा है। मगर चीन जैसे उसके समर्थक देश ऐसे सबूतों को बहुत हलके ढंग से लेते रहे हैं। जरूरत है कि घाटी में स्थानीय लोगों का भरोसा जीता और पाकिस्तान पर दहशतगर्दों को पनाह देने से रोकने का कोई कठोर कदम उठाया जाए, ताकि ऐसी नस्लों को सुधारा जा सके।

दान,मान,स्नान,धर्म व विज्ञान का संगम

डॉ० घनश्याम बादल

हिंदू धर्म में दान और पुण्य का बड़ा महत्व है और मकर संक्रांति का पर्व संपन्न लोगों को दान देने का, तो गरीबों के लिए दान व मान पाने का अवसर है । विज्ञान व धर्म को जोड़नए वाला यह अकेला हिंदू पर्व है जो सौर गति के आधार पर मनाया जाता है इसीलिए इसे सूर्य उपासना का पर्व भी कहा जाता है। ध्यान रहे कि हिन्दू धर्म के दूसरे त्यौहार चंद्र कलाओं के आधार पर तय होते हैं । कुल मिलाकर दान, मान, धर्म, विज्ञान, स्नान, पुण्य कमाने व मोक्ष पाने का अनूठा मिश्रण है मकर संक्रांति व का पर्व जिससे वैज्ञानिक व भौगोलिक कारणों के साथ- साथ पौराणिक कथाएं व मिथ भी जुड़े हैं ।पुराणों के अनुसार महाभारत के युद्ध में अर्जुन के बाणों से घायल भीष्म शरशैया पर थे और उनके प्राण निकलने ही वाले थे पर, सूर्य उस समय दक्षिणायण था और हिंदू धर्म के मुताबिक इस स्थिति में मृत्यु होने पर मुक्ति नहीं मिलती सो , दृढ़व्रती भीष्म ने सूर्य के उत्तरायण होने तक प्राण नहीं त्यागे । सूर्य उत्तरायण होते ही मकर संक्रांति पर उन्होने प्राण त्याग मोक्ष प्राप्त किया इसीलिये मकर संक्रान्ति को मोक्षदायी पर्व भी कहते हैं । मान्यता यह भी है कि है कि आज के ही दिन भगवान विष्णु वामन के वेश में दैत्यराज राजा बलि सबसे बड़ा दानवीर एवं पराक्रमी होने का अभिमान तोड़ने कि लिए उनकी परीक्षा लेने गए थे उन्होने बलि से तीन कदम ज़मीन मांगी और उसके 'हां' कह देने पर तीन कदम में उन्होने धरती व आकाश नाप लिए तथा पृथ्वी को दैत्य मुक्त करने के लिए वामनावतार विष्णु ने बलि को पाताल का राज्य दे दिया । कहा यह भी जाता है कि आज के दिन ही माता यशोदा ने कृष्ण को पुत्र के रूप में पाने के लिए व्रत किया था । पुत्र प्राप्ति की कामना के लिए मकर संक्रांति का पर्व अति शुभ माना जाता है ।मकरसंक्रांति पर ही दक्षिण भारत में पोंगल पर्व मनाता है , इस दिन वहां दीप जला कर रोशनी की जाती है व नावों की दौड़ भी आयोजित की जाती है ।उत्तरी भारत में मकर संक्रांति के दिन लोग अपने पशुओं को सजाते हैं । यदि ओणम्‍ केरलवासियों का महत्त्वपूर्ण त्योहार है तो पोंगल तमिलनाडु के लोगों का मुख्य पर्व है । तमिलनाडुवासी पोंगल के अवसर पर लोग विशेष रूप से गाय, बैलों की पूजा करते हैं ।तीन दिन तक चलने वाला मुख्य पर्व पौषमास की प्रतिपदा को मनाया जाता है । इस दिन स्त्रियां भगवान से अच्छी फसल होने की प्रार्थना करती है । घरों की लिपाई-पुताई प्रारम्भ हो जाती है और अमावस्या के दिन सब लोग एक स्थान पर एकत्र होकर अपनी समस्याओं का समाधान खोजते हैं अपनी रीति-नीतियों पर विचार करते हैं और जो अनुपयोगी रीति-नीतियाँ हैं उनका परित्याग करने की प्रतिज्ञा की जाती है । मकर संक्रांति के आसपास ही असम में बिहू का पर्व भी मनाया जाता हमकर संक्रांति का पर्व सूर्य के धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है । इस दिन से सूर्य दक्षिणायण से उत्तरायण हो जाता है जिससे उत्तरी गोलार्द्ध में शीत ऋतु का प्रकोप धीरे धीरे कम होना शुरू हो जाता है और स्वास्थ्य की दृष्टिसे भी मौसम अनुकूल होने लगता है । मौसम के नज़रिए से देखें तो भारत में शीत ऋतु की विदाई की तैयारी आज से ही शुरु होती है ।मकर संक्रांति के दिन खास तौर पर राजस्थान व गुजरात में पतंगें जोर शोर से उड़ाई जाती हैं । '' चील चील पुआ ले '' के शोर से तो आसमान गूंजता ही है 'वो मारा वो काटा' का शोर भी चारों तरफ सुनाई देता है ।

देश की आर्थिक तरक्की का दूसरा पक्ष ?

रघु ठाकुर

देश की अर्थव्यवस्था को लेकर विश्व बैंक और दुनिया की अन्य आर्थिक और वित्तीय संस्थाओं के द्वारा कुछ माह पूर्व यह सूचना दी गई थी कि भारत दुनिया की पाँचवी अर्थव्यवस्था बन गया है और स्टेनली ने तो यहाँ तक कहा था कि इस वर्ष भारत की विकास दर 6.2 प्रतिशत है जो कि चीन की विकास दर 5.6 प्रतिशत से अधिक है और भारत का आर्थिक परिदृश्य रेटिंग के अनुसार ओवर वेट तथा चीन की इक्वल वेट बताया था। हालांकि यह भी सुविदित तथ्य है कि इन संस्थाओं की रपट बहुत हद तक तथ्यपरक नही होती और एक अर्थ में प्रायोजित होती है। कारपोरेट दुनिया में अर्न्तयुद्ध और संपन्न वैश्विक दुनिया की कूटनीति की आवश्यकतायें इन रपटों को प्रभावित करती है। जहाँ एक तरफ उपरोक्त रपटें आई हैं, वहीं दूसरी तरफ यह भी बताया जा रहा है कि चीन भी एक महाशक्ति और बड़ी अर्थव्यवस्था बन रहा है जो 2028 तक दुनिया की बड़ी आर्थिक शक्ति बन सकता है। हालांकि अमेरिकी आर्थिक गुप्तचर संस्थायें इनका खण्डन कर रही हैं और कह रही हैं कि वर्ष 2040 तक ऐसी कोई संभावनायें नहीं है। यह भी कहा जा रहा है कि 2032 तक भारत 6.7 प्रतिशत कुछेक के अनुसार तो 7 प्रतिशत की दर से वृद्धि करेगा और दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। भारत की जी.डी.पी. 6.7 करोड़ की हो जायेगी याने आज से लगभग दो गुना हो जायेगी और प्रति व्यक्ति औसत जी.डी.पी. बढ़कर 4500 डॉलर हो जायेगी। याने आज के मूल्य के हिसाब से लगभग 5 लाख रूपये हो जायेगी। हालांकि अर्थव्यवस्था का एक दूसरा भी पहलू है जो दुखद पक्ष चित्रित करता है। अभी भारत दुनिया में प्रति व्यक्ति आय के मामले में 125वें स्थान पर है याने लगभग निम्नतम स्तर पर है। हालांकि कुछ रूपये के अवमूल्यन के कारण और कुछ वृद्धि के कारण देश की प्रति व्यक्ति आय लगभग एक लाख सत्तर हज़ार रूपया वार्षिक आंकी गई है इसका मतलब हुआ कि औसतन 15000 रू. प्रति माह और 500 प्रति दिन। परन्तु इस औसत आय के आंकलन में कई प्रकार के लोचे रहते हैं, एक तो यह कि दुनिया की संस्थायें जो डॉलर के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था की गणना करती है उनके डॉलर की तुलना में भारतीय रूपये के अवमूल्यन का फर्क शामिल रहता है। मसलन 10 वर्ष पहले अगर भारत में औसतन प्रति व्यक्ति मासिक आय 102 डॉलर रही होगी तो अब वह बढ़कर 160 डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति माह होगी, याने यह वृद्धि लगभग 50 प्रतिशत है परन्तु अब 1 डॉलर लगभग 80 रू. से अधिक का है रूपये में यह वृद्धि 15000/- रू. प्रति माह, याने दो गुना हो जाती है, दूसरा लोचा यह है जो देश में अमीर लोग है जिनकी आमदनी 300400 करोड़ रूपया प्रतिमाह याने साल का 50 हज़ार करोड़ रूपये से अधिक है और वह आम आदमी की आय के इस औसत आंकड़े को बढ़ा देती है। अगर केवल 5 लाख रूपये प्रति वर्ष की आय वाले लोगों का औसत निकाला जाये तो देश के प्रति व्यक्ति की आय शायद 1 लाख रूपये से वार्षिक भी कम होगी। वस्तु स्थिति जानने के लिये हमें स्वतः सरकार के आंकड़ों और सूचनाओं को देखना होगा। आखिर इसकी क्या वजह है कि, देश के 80 करोड़ लोग सरकार से मुफ्त खाद्यान्न लेने को लाचार हैं? स्वतः सरकार के मुताबिक 2021 तक भारत की ग्रामीण आबादी का यद्यपि 13.21 प्रतिशत हिस्सा गरीबी से ऊपर आया है, परन्तु 19 प्रतिशत हिस्सा अभी भी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहा है और सरकार के मुताबिक लगभग 4 प्रतिशत आबादी गरीबी की सीमा रेखा के नीचे है। इसका मतलब हुआ की लगभग 23 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे है, जिसके पास खाद्यान्न, शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार आदि की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और माताओं तथा बच्चों की 1/5 आबादी कुपोषण में जिंदा है। अब अगर हम भारत की प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक आय की तुलना कुछ दुनिया की औसतन वार्षिक आमदनियों से करें तो अमेरिका में प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. की आय 83 हज़ार डॉलर, रूस की 35 हज़ार डॉलर, चीन की 23.38 हज़ार डॉलर, सऊदी अरब की 65 हज़ार डॉलर, मैक्सिको की 25 हजार डॉलर, दक्षिण कोरिया की 16 हजार डॉलर, तुर्की की 41 हजार डॉलर, ब्रिटेन की 56 हजार डॉलर प्रति वर्ष है और भारत की प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. आय मात्र 2000 डॉलर के आसपास है। याने अमेरिका की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय भारत से 40 गुना, रूस की 20 गुना, चीन की 10 गुना, सऊदी अरब की 60 गुना, मैक्सिको की 6 गुना, तुर्की की 10 गुना और ब्रिटेन की लगभग 25 गुना है। इसीलिये प्रति व्यक्ति आय का आंकड़ा अर्धव्यवस्था में वृद्धि के आंकड़े से बिल्कुल भिन्न हैं। देश की अर्थव्यवस्था बढ़ जाये, जी.डी.पी. बढ़ जाये, हम दुनिया की तीसरी अर्थ व्यवस्था बन जायें, पर देश की अर्धव्यवस्था का वास्तविक संबंध तो व्यक्ति की आय, उसकी जीवन जीने की सुविधायें, आदि से ही आंकी जाना चाहिये। देश के मात्र 8 प्रतिशत लोगों की आय 5 लाख से 10 लाख रूपये के बीच में है बमुश्किल 4 प्रतिशत लोगों की आय 10 से 20 लाख रूपये है। याने देश के मात्र 12 प्रतिशत लोग संख्या में देखें तो लगभग 17 करोड़ लोग 5 लाख रूपये से लेकर 20 लाख रूपये आय वाले हैं और 120 करोड़ लोग गरीबी की सीमा रेखा वाले या उससे भी नीचे वाले हैं। क्या यह विषम विकास और असमानता देश का वास्तविक विकास माना जाना चाहिये? हालात यह है कि देश का सबसे अमीर तबका देश की एक चौथाई संपत्ति को केवल नामधारी ट्रस्ट बनाकर उनमें रखता है।

देश के 38 अमीरों ने अपनी कुल संपत्ति का 25 प्रतिशत याने 1/4 जो कि लगभग 33 हजार करोड़ रूपया होता है उसे अपने पारिवारिक ट्रस्टों में रखा है। इसी प्रकार 157 अरबपतियों ने अपनी संपत्तियों को घरेलू ट्रस्ट बनाकर उनमें रखा है। यह एक भयावह स्थिति है। याने देश की जी.डी.पी. से कई गुना रूपया इन खरबपति घरानों ने अपने पारिवारिक ट्रस्टों में जमा किया है और इस पैसों का इस्तेमाल अब विदेशों में निजी संपत्तियां खरीदने में कर रहे हैं। अकेले दुबई में जो काले धन का नया स्विट्जरलेंड है भारत के अमीरों ने 5 लाख संपत्तियां खरीदी है जिनकी कीमत लाखों करोड़ रूपयों में होती है। जबकि अमेरिका, यूरोप अफ्रीकी आदि देशों में खरीदी गई संपत्तियां अलग है। एक तरफ खरबपति देश की पूँजी को देश के निजी ट्रस्टों में छुपा रहे हैं . और दूसरी तरफ देश की पूँजी को विदिशों में स्थिर (अचल) संपत्ति खरीदने में निवेश कर रहे हैं, तीसरे देश के भीतर विलासिता पर खर्च कर रहे हैं, और चौथे इसके साथ-साथ सरकारों से भी अनेकों प्रकार के अनैतिक अवैधानिक लाभ उठा रहे हैं। सूचना के अधिकार में मांगी गई एक सूचना के अनुसार रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बताया है कि केन्द्र की सरकार ने पिछले 5 वर्षों में 25 लाख करोड़ रूपये के कर्ज इन अमीरों के माफ कर दिये हैं। इसमें से साढ़े दस लाख करोड़ रूपया सरकारी बैंकों के द्वारा और साढ़े चौदह लाख करोड़ रूपया अधिसूचित व्यापारिक बैंकों के द्वारा माफ किये गये हैं। क्या प्रधानमंत्री जी या देश की वित्त मंत्री जी इन तथ्यों पर कुछ बोलेगी? यह दुर्भाग्य है कि भारतीय राजनीति केवल जाति, धर्म, विज्ञापन और गैर जरूरी रेवड़ियों में फंस कर रह गई हैं। हालांकि इसके लिये भी देश का मतदाता ही जवाबदार है जो अपने वोट को नगद या अन्य सुविधाओं के बदले में एक प्रकार से बेच रहा है और बदले में विषमता ले रहा है। देश के धनाढय लोग और विशेषतः ढाई सौ करोड़ रूपया से ज्यादा की संपत्ति वाले अति धनाढय लोग, जिन्हें तकनीकी नाम अल्ट्राहाईनेट वर्थ इंडिविजुअल कहा जाता है ने विदेशों में औसतन 5 प्रापर्टी प्रति व्यक्ति खरीदी है, और 1000 करोड़ रूपया प्रति व्यक्ति पूंजी लगाई है। ये वे लोग हैं जिनकी संपत्ति में पिछले वर्ष 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई थी। अकेले दुबई में वर्ष 2022 में भारतीयों ने 36 हज़ार करोड़ रूपये की संपत्ति खरीदी है।

हिन्दुओं की आस्था पर बढ़ते हमले, जिम्मेदार कौन ?

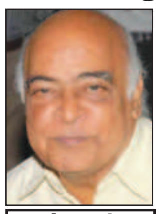

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल में साधुओं के एक समूह पर भीड़ द्वारा हमला किये जाने के मुद्दे पर भाजपा और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस आमने-सामने हैं. घटना का वीडियो वायरल होने के बाद साधुओं पर हमले के सिलसिले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. सूत्रों का कहना है कि गंगासागर जा रहे साधु रास्ता भटक गए थे, इसलिए उन्होंने महिलाओं के एक समूह रास्ता पूछा था. साधुओं को केवल राख में लिपटे हुए देखकर महिलाएं चौंक गईं और उन्होंने शोर मचा दिया जिसके बाद भीड़ ने साधुओं पर हमला कर दिया । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि वह ''राजनीतिक रूप से हिंसा प्रभावित पश्चिम बंगाल'' में साधुओं पर हमले से हैरान नहीं हैं । पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में तीन साधुओं पर एक भीड़ द्वारा इस संदेह में हमला किए जाने का एक कथित वीडियो सामने आया है कि वे साधु के ''भेष में अपहरणकर्ता'' हैं. शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शासित राज्य में ''सनातन हिंदू धर्म'' के सदस्यों को निशाना बनाया जा रहा है और उन्होंने सत्तारूढ़ सरकार से त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया हैं । गौरतलब है कि हाल ही में अयोध्या में रामजन्मस्थान मंदिर के उद्घाटन और रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर कांग्रेस व ज्यादातर विरोधी दलों ने बहिष्कार कर दिया है जिसके बहाने वे हिन्दुओं की आस्था पर ही हमला कर रहे है । यही नहीं, कांग्रेस को भगवद गीता में जिहाद दिखता है तो लालू यादव की पार्टी आरजेडी का मानना है कि रामचरितमानस में 'नफरत' की बातें लिखी हैं। मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए भाजपा विरोधी पार्टियां 'हिंदू' के बाद 'ग्रंथ' पर हमला कर रही हैं। देश को हिंदुत्व से खतरा है। हिंदुत्व की तुलना बोको हराम और आईएसआईएस से भी की जा चुकी। शिवलिंग को लेकर भी कई आपत्तिजनक बयान आ चुके हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर मुसलमानों को खुश करने के लिए राजनीतिक दल कब तक हिंदुओं के साथ उनके भगवान और ग्रंथ का अपमान करते रहेंगे। नीतीश मंत्रिमंडल में शामिल आरजेडी कोटे से शिक्षा मंत्री बने चंद्रशेखर यादव का रामचरितमानस को लेकर कमेंट कोई अचानक दिया हुआ बयान नहीं था ।

बयान के दो दिन पहले ही संघ प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान आया था जिसमें उन्होंने कहा कि देश में मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। इसके बाद बिहार के शिक्षा मंत्री का दीक्षांत समारोह के दौरान यह कहना कि रामचरितमानस पढ़ने से नफरत फैलता है, कोई अचानक दिया गया बयान नहीं लगता था । बिहार के शिक्षा मंत्री इतना कह कर ही नहीं रुके थे बल्कि उन्होंने रामचरितमानस को लेकर और भी कई आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने जीतन राम मांझी का नाम लेकर कहा कि अगर वह मंदिर जाते हैं तो मंदिर के पुजारी गंगाजल से मंदिर को धो देते हैं। इसके अलावा चंद्रशेखर ने अपने बयान में यह भी कहा था कि रामचरितमानस में लिखा है कि नीची जाति के लोग अगर पढ़ लिख गए तो वह जहरीले हो जाते हैं। ऐसे में समझना मुश्किल नहीं है कि बिहार के मंत्री की ओर से इस तरह का बयान यूं नहीं बल्कि सोची समझी रणनीति का हिस्सा है।

वैसे चंद्रशेखर के बयान पर भाजपा व हिन्दुओं की सख्त टिप्पणियां आती रही है ।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बेतिया से लोकसभा सांसद डॉ संजय जायसवाल ने चंद्रशेखर यादव के बयान की निंदा की । उन्होंने कहा कि वह मानसिक रूप से बीमार हो चुके हैं। बिहार भाजपा चीफ ने कहा कि इसके पहले भी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने भी भगवान राम को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। बिहार भाजपा के नेता संजय जायसवाल ने कहा कि मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति पर उतर चुके सियासी दल मुसलमानों को खुश करने के लिए हिंदू धर्म, भगवान और ग्रंथों का अपमान कर रहे हैं। कांग्रेस तो शुरू से ही भगवान श्री राम के अस्तित्व पर सवाल उठाती रही है। राहुल गांधी विदेश में जाकर कह चुके हैं कि देश को हिंदू से खतरा है। कांग्रेसी नेता सलमान खुर्शीद तो हिंदुओं की तुलना बोको हरम और आईएसआईएस से कर ही चुके हैं। कांग्रेसी नेता और देश के पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटिल को गीता में जिहाद नजर आता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पूरे विश्व में हिंदू समाज ही है जो अपने धर्म और भगवान पर किए जा रहे इतने अपमान के बावजूद चुपचाप सब सह रहे हैं। मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले राजनीतिक दलों को यह भी सोचना चाहिए कि अगर हिंदू असहिष्णु हो गए तो क्या होगा? संजय जायसवाल ने आगे कहा कि देश की जनता सब जानती है और वक्त आने पर तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों को करारा जवाब देकर उनको सही ठिकानों पर पहुंचाने का काम करेगी। भाजपा प्रवक्ता निखिल आनंद का कहना है कि बिहार के शिक्षा मंत्री प्रो चंद्रशेखर ने रामचरितमानस का अपमान नहीं किया, उन्होंने समस्त हिंदू समाज का अपमान किया है। भगवान राम और कृष्ण की परंपरा वाले देश में जहां लोहिया ने राम और कृष्ण की परंपरा का सम्मान किया। लोहिया रामकृष्ण मेले के आयोजन की बात किया करते थे। वहीं आरजेडी के लोग हैं जो आज रामकृष्ण की परंपरा को अपमानित करने का काम कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अनर्गल प्रलाप कर हिंदू विरोधी मानसिकता का परिचय दिया । तेजस्वी यादव को निश्चित तौर पर अपने शिक्षा मंत्री के बयान पर सफाई देनी चाहिए थी । देश के समस्त हिंदू समाज से माफी मांगनी चाहिए थी । आरजेडी के लोग मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए किस हद तक गिर सकते हैं यह देखने को मिल चुका है।

सबको शिक्षा ही समानता का आधार

अशोक प्रवृद्ध

दैनन्दिन जीवन में मनुष्य का पाला जड़ और चेतन दोनों ही वस्तुओं से पड़ता है। जड़ वस्तुओं से व्यवहार करते समय मनुष्य उसे जैसा चाहता है, वैसा व्यवहार कर सकता है। वह उसे तोड़ना, जोड़ना, फेंकना, पास रखना चाहता है, तो उसे क्रमशः तोड़, जोड़, फेंक, पास रख सकता है। जड़ वस्तुओं को इसमें कोई आपति नहीं होती, क्योंकि वह अपने स्वभाव में किसी भी तरह का बदलाव स्वयं नही कर सकती हैं। इसलिए जड़ वस्तुओं के साथ मनुष्य का व्यवहार उसकी इच्छानुसार होता है, मनुष्य की अपनी मर्जी से होता है। जड़ वस्तु की इसमें कोई मर्जी कार्य नहीं करती, लेकिन चेतन वस्तुओं के साथ ऐसी बात नहीं होती। चेतन पदार्थों से मनुष्य सर्वथा अपनी इच्छानुकूल व्यवहार नहीं कर सकता। चेतन में पशु- पक्षी आदि प्राणियों के साथ मनुष्य अपना व्यवहार बलपूर्वक करता है। अपनी इच्छानुसार करता है। यद्यपि प्राणियों में चेतन पदार्थों में इच्छा होती है, उन्हें अच्छा -बुरा लगता है, तथापि मनुष्य अपनी इच्छा उन पर थोपता है। उन्हें अपनाता, दूर करता, प्रेम करता, हिंसा करता है। इन कार्यों में अपनी इच्छा को ही ऊपर रखता है।

दूसरे प्राणी प्रतिकार करते हैं, प्रतिक्रिया करते हैं, परन्तु अपने सामर्थ्य के अनुकूल ही इसमें वे सफल हो सकते हैं। अधिकांशतया मनुष्य ही अपने बल से उनको अपने वश में करने का प्रयास करता है, और इसमें वह सफल भी रहता है लेकिन मनुष्य का दूसरे मनुष्य के साथ इस प्रकार व्यवहार करना संभव नहीं होता। वह इसमें सफल भी हो सकता है, और सफल नहीं भी हो सकता है। मनुष्य अज्ञानी, दुर्बल, निर्धन भी हो सकता है, इसके विपरीत ज्ञानवान, सबल और साधन सम्पन्न भी हो सकता है। इस कारण मनुष्यों का एक दूसरे के साथ परस्पर व्यवहार किसी एक प्रकार अथवा एक नियम से संचालित होने वाला नहीं होता। दुर्बल अथवा निर्धन व्यक्ति को सबल और साधन सम्पन्न व्यक्ति अपने साधनों से अपने अनुकूल करने का प्रयास करता है, परन्तु जो समझदार, ज्ञानवान व्यक्तियों को वश में करने के लिए ऐसे उपाय निरर्थक हो जाते हैं। ज्ञान से युक्त ज्ञानवान व्यक्ति को अपने अनुकूल बनाने के लिए मनुष्य को अन्य उपाय काम में लाना पड़ता है। मनुष्य किसी को अपने हित के लिए उपयोग करना चाहता है, अपने स्वार्थ साधन हेतु उन्हें काम में लेना चाहता है, तो वह उनको बहकाता है, भडक़ाता है और अपना स्वार्थ सिद्ध करता है लेकिन बुद्धिशील मनुष्य अपनी बुद्धि और अपने ज्ञान से दूसरे को जन कल्याणार्थ अपने साथ चलने के लिए सहमत कर लेने की नीति अपनाता है। वह दूसरे मनुष्यों को समझाकर, प्रेरित कर अपने अनुकूल बनाता है। यह परिस्थिति मनुष्य की सबसे ऊँची स्थिति होती है, जब वह अपनी बुद्धि और अपने ज्ञान से दूसरे को अपने साथ चलने के लिए सहमत कर लेता है। इसमें किसी का स्वार्थ नहीं होता। इसमें सबका हित सबका लाभ मुख्य उद्देश्य होता है। यह उपाय सर्वोत्तम माना जाता है, लेकिन इसका मार्ग सर्वाधिक कठिन भी है। जड़ वस्तु मनुष्य की इच्छा के विरुद्ध नहीं चल सकती। पशु-पक्षी मनुष्य के बल से उसके बन्धन में पड़े रह सकते हैं, परन्तु मनुष्य ज्ञानवान अथवा साधन - सम्पन्न होकर दूसरे मनुष्य के विरुद्ध चला जाता है। इसलिए वह एक कम बुद्धि और कम सामर्थ्यवान व्यक्ति को अपने अधीन रखने का प्रयास करता है और अपने अधीन कर वह हमेशा इस पर ध्यान रखता है कि उसके अधीन कार्यरत व्यक्ति उससे आगे न बढ़ जाय। इसके लिए वह यह प्रयास भी करता रहता है कि उसके अपने अधीन कार्यरत व्यक्ति उससे कमतर ही बना रहे। मनुष्य की इसी भावना ने समाज में कुछ वर्गों को कमजोर बनाकर रखा है। वर्तमान काल में कुछ समाज में स्त्री और निम्न समझे जाने वाले कुछ वर्गों की वर्तमान स्थिति भी इसी भावना का परिणाम है। जो लोग सबको ज्ञान का अधिकारी नहीं मानते, वे दूसरे पक्ष के ज्ञानवान होने से डरते हैं। क्योंकि शिक्षित, समर्थ और स्वावालम्बी मनुष्य को अधीन बनाकर रखना संभव नहीं है। इसलिए वर्तमान में समाज के समर्थ लोगों ने वैदिक मत के विरुद्ध स्त्री और शूद्र कहकर कमजोर लोगों को कमजोर बनाये रखने की व्यवस्था की। और अपनी इच्छा को धर्म, समाज और शासन का नाम देकर कमजोर वर्ग को मानने, स्वीकार करने के लिए बाध्य किया। पर्दा प्रथा, अशिक्षा, स्वतन्त्रता का अभाव आदि आज जितने भी एक तरफा बन्धन है, अथवा उन पर लादे गये हैं, यह सब दूसरे पक्ष की अज्ञानता और दुर्बलता के कारण ही संभव है। यह नृशंसता धर्म, सिद्धान्त और समाजिक व्यवस्था के नाम पर की गई और आज भी जारी है। आज भी विश्व के कई देशों में रहने वाले कुछ मजहबी लोग महिलाओं को शिक्षा से वंचित कर बुर्के में रहने के लिए बाध्य कर रहे हैं। कोई अंग वस्त्र से बाहर दिखने पर उसे काट देने की सजा खुलेआम जारी है।

अक्षरों की तरह हम

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

किसी को भी पूछ लो कि अंग्रेजी में कितने अक्षर होते हैं तो वे फट से बता देते हैं – छब्बीस। हिंदी में ऐसा नहीं है। कोई कहता है यह अक्षर संयुक्ताक्षर है इसे वर्णमाला में नहीं गिनना चाहिए। कोई कहता है अं, अः अयोगवाह है इसलिए इन्हें स्वर के रूप में स्थान नहीं देना चाहिए। बारहखड़ी लिखते समय ऋ की मात्रा का उपयोग करते हैं। ऋ की मात्रा का उपयोग करने से वह तेरहखड़ी हो जाती है। फिर भी कहने को बारहखड़ी ही कहते हैं। हो सकता है कि इसके पीछे भाषाई कारण हो, फिर भी सामान्य लोगों के पल्ले यह बात कैसे पड़ेगी?" हिंदी अक्षरों को लेकर शुरु हुई बातचीत बेनतीजा रही। सभी मित्र रात होते ही अपने-अपने घर लौट गए। मैं भी लौट आया। उस रात मैं भी सोचने लगा कि मित्रों की बात में दम तो है। अंग्रेजी की तरह हिंदी अक्षरों की संख्या एकदम सुलझी हुई क्यों नहीं है? हो सकता है यह मेरा हिंदी भाषाई ज्ञान के प्रति अज्ञान का परिणाम है, फिर भी मैं संशय में था। यही सब सोचते-सोचते मैं सो गया। सपने में अक्षरों की महासभा शुरु हुई। मानो ऐसा लगा जैसे सारे स्वर हाथ बाँधे व्यंजनों के सामने याचनार्थी के रूप में खड़े थे। अनुस्वार और विसर्ग को तो मानो कोई पूछने वाला ही न था। वे तो कोने में पड़े-पड़े रो रहे थे। साथ ही अपने भाग्य पर खुशी मना रहे थे कि लुप्त होते अक्षरों की सूची से बाल-बाल बचते रह गए। किंतु लुप्त होते अक्षरों की याद रह-रह कर आती और बदले में जब-तब आँसू बहा देते। कुछ अक्षर तो अपने बदलते आकारों और उच्चारणों को लेकर भीतर ही भीतर कूढ़ते जा रहे थे। मानव उच्चारण के आगे अपनी निस्साहयता को लेकर अपनी दुस्थिति पर रो रहे थे। अंतस्थ अक्षर अपने अंतर में झाँककर अपने खोखलेपन को ढूँढ़ने की लाख कोशिश कर रहे थे। दुर्भाग्य से उनका अंतस्थ अब अंत की कगार पर आ चुका था। अघोष सघोष के दबाव में बिखरते जा रहे थे, जबकि सघोष अपने में रह-रहकर पागलों की तरह बतिया रहे थे। सरल अक्षर अपनी सरलता का खामियाजा तो संयुक्ताक्षर अपनी संयुक्तता की खिचड़ी संस्कृति से कराह रहे थे। अनुनासिक अपने स्वामी की नाक की इज्जत बनाये रखने के लिए नथुनी फुला-फुलाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे थे। महाप्राण तो निराला के जाने के बाद से ही मात्र दिखावे के महाप्राण रह गए थे। अब वे हथेली में अपने प्राण धरे अपनी खैर मना रहे थे। समाज में हो रही अराजकता को देखकर भी जिनके खून की ऊष्मा ठंडी पड़ चुकी हो, उन्हें देख ऊष्माच्चारण वाले अक्षर अपने जन्म को कलंक मानने लगे थे। संयुक्ताक्षर अपने जन्मदाता अक्षरों पर अपनी धौंस दिखाने से बाज़ नहीं आ रहे थे। रह-रहकर शेष अक्षरों की क्लास लगाने की फिराक में रहते थे। दीर्घ स्वर अब पहले जैसे दीर्घ नहीं रहे। प्रदूषण के चलते गले की रूँधता दीर्घ उच्चारणों से कतराते नजर आ रहे थे। दीर्घता की कमी के चलते अब आवाज उठाने वाले स्वर लुप्त होते जा रहे थे। यहाँ सारे के सारे व्यंजन अपनी-अपनी कौम को बचाने में पीसते जा रहे थे। कोई देशज उच्चारण में देशभक्ति तो कोई विदेशज उच्चारण में वैश्वीकरण की गंध देखता था। कोई तत्सम के पीछे अपना समस्तम खोने को तैयार था तो कोई तद्भव के बल पर अपना उद्भव करना चाहता था। कोई कंठाक्षरी होकर गले तक तो कोई तालु भर की ताल बजाकर सामने वाले की मूर्धन्यता से दो-दो हाथ करने की फिराक़ में था। कोई दंताक्षरी बनकर अपने दाँत बजाता था तो कोई ओष्ठाक्षरी की गरिमा के विरुद्ध समाज की बुराई से बचने के लिए अपने ओष्ठ सीकर बैठा था।अब अक्षरों में क्रांति की लहर दौड़ रही थी।

क्यों मनाई जाती है मकर संक्रांति?

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मकर संक्रांति पर भगवान सूर्य अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाया करते हैं। शनिदेव चूंकि मकर राशि के स्वामी हैं, अतः इस दिन को मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। मकर संक्रांति के दिन ही गंगाजी भागीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा उनसे मिली थीं।

यह भी कहा जाता है कि गंगा को धरती पर लाने वाले महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए इस दिन तर्पण किया था। उनका तर्पण स्वीकार करने के बाद इस दिन गंगा समुद्र में जाकर मिल गई थी। इसलिए मकर संक्रांति पर गंगा सागर में मेला लगता है।

महाभारत काल के महान योद्धा भीष्म पितामह ने भी अपनी देह त्यागने के लिए मकर संक्रांति का ही चयन किया था। उत्तर भारत में इसे खिचड़ी आदि खाकर मनाया जाता है, जबकि गुजरात में यह पर्व पतंगोत्सव के रूप में मनाया जाता है। अलग-अलग मान्यताओं के अनुसार इस पर्व के पकवान भी अलग-अलग होते हैं, लेकिन दाल और चावल की खिचड़ी इस पर्व की प्रमुख पहचान बन चुकी है। विशेष रूप से गुड़ और घी के साथ खिचड़ी खाने का महत्व है, इसलिए उत्तर भारत में इस पर्व को 'खिचड़ी 'के नाम से भी जाना जाता है। इसके अलावा तिल और गुड़ का भी मकर संक्रांति पर बेहद महत्व है।

राशि के अनुसार दान

मेष - जल में पीले पुष्प, हल्दी, तिल मिलाकर अर्घ्य दें। तिल-गुड़ का दान करें।
वृष - जल में सफेद चंदन, दूध, श्वेत पुष्प, तिल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। खिचड़ी का दान करें।
मिथुन - जल में तिल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। मूंग की दाल की खिचड़ी दान करें।
कर्क- जल में दूध, चावल, तिल मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें। संकटों से मुक्ति मिलेगी। गुड़, तिल दान करें।
सिंह- जल में कुमकुम तथा रक्त पुष्प, तिल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। गुड़, तिल दान करें।
कन्या- जल में तिल, दूर्वा, पुष्प डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। मूंग की दाल की खिचड़ी बनाकर दान करें। गाय को चारा दें।
तुला- सफेद चंदन, दूध, चावल का दान दें। सफेद चंदन मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें ।
वृश्चिक- जल में कुमकुम, रक्तपुष्प तथा
धनु- जल में हल्दी, केसर, पीले पुष्प मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें। गुड़ दान करें।
मकर- जल में नीले पुष्प, तिल मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें। काले तिल, उड़द की दाल की खिचड़ी दान करें।
कुंभ- जल में नीले पुष्प, तिल मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें। उड़द, तिल का दान करें।
मीन- हल्दी, केसर, पीले फूल के साथ तिल मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें। तिल, गुड़ का दान करें।

कब से शुरू होगा पुण्य काल

इस बार पुण्यकाल 15 जनवरी को सुबह 7 बजे से शुरू हो जाएगा,जो सूर्यास्त शाम को 5 बजकर 36 मिनट तक रहेगा। इसमें स्नान, दान,जाप कर सकते हैं। मकर संक्रांति का महापुण्य काल प्रातः काल 7 बजे से प्रातः काल 8 बजकर 46 तक रहेगा।

मकर संक्रांति पर दान का समय

मकर संक्रांति के दिन स्नान के उपरांत सूर्य सहित नवग्रहों की पूजा और भगवान विष्णु की पूजा के बाद दान आरंभ करना चाहिए। आपकी जो भी श्रद्धा हो उसके अनुसार आप वस्त्र,अन्न और धन का दान कर सकते हैं। मकर संक्रांति के दिन तिल और खिचड़ी का दान बहुत ही शुभ माना गया है। दान का समय सुबह 7 बजे से सूर्यास्त पूर्व तक रहेगा। यह मुहूर्त दान आदि करने के लिए बेहद शुभ है। इसमें आप ब्राह्मणों और ज़रुरतमंदों को खिचड़ी, गुड़, काले तिल,ऊनी कपड़े आदि दान करें। सूर्य भगवान का आशीर्वाद आपके साथ रहेगा। मान्यता है कि मकर संक्रान्ति से सूर्य के उत्तरायण होने पर देवताओं का सूर्योदय होता है और दैत्यों का सूर्यास्त होने पर उनकी रात्रि प्रारंभ हो जाती है। उत्तरायण में दिन बडे. और रातें छोटी होती हैं। दरअसल, सूर्य नारायण बारह राशियों में एक -एक माह विराजते हैं, जब भास्कर देव कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक,और धनु राशि में रहते हैं तो इस काल को दक्षिणायन कहते हैं। इसके बाद सूर्य नारायण मकर, कुंभ, मीन, मेष, वृष और मिथुन राशि में क्रमशः एक-एक माह रहते हैं। इसे ही उत्तरायण कहते हैं और जिस दिन भगवान सूर्य उत्तरायण होते हैं तो उस तिथि को मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है। इस दिन सूर्य नारायण मकर राशि में प्रवेश करते है।

मकर संक्रांति का वैज्ञानिक महत्व

ग्रहों के राजा सूर्य देव सभी 12 राशियों को प्रभावित करते हैं, लेकिन कर्क व मकर राशि में इनका प्रवेश अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन दोनों राशियों में सूर्य देव का प्रवेश छः माह के अंतराल पर होता है। वैज्ञानिक नजरिए की बात करें तो पृथ्वी की धुरी 23.5 अंश झुकी होने के कारण सूर्य छः माह तक पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध के निकट होता है और शेष छः माह दक्षिणी गोलार्द्ध के निकट होता है।

मकर संक्रांति से पहले सूर्य दक्षिणी गोलार्ध के निकट होती है यानी उत्तरी गोलार्ध से अपेक्षाकृत दूर होता है, जिसकी वजह से उत्तरी गोलार्ध में रातें बड़ी एवं दिन छोटे होते हैं और इस समय सर्दी का मौसम होता है। वहीं मकर संक्रांति से सूर्य का उत्तरी गोलार्ध की ओर आना शुरू हो जाता है, इसलिए इस दिन से उत्तरी गोलार्ध में रातें छोटी एवं दिन बड़े होने लगते हैं और ठंड कम होने लगती है।

मकर संक्रांति का धार्मिक महत्व

मकर संक्रांति के दिन गंगा स्नान, सूर्य की उपासना व तीर्थ स्थलों पर स्नान दान विशेष पुण्यकारी होता है। इस अवसर पर दिया गया दान सौ गुना बढ़कर पुनः प्राप्त होता है। मकर संक्रांति के दिन तिल का बहुत महत्व है। कहते हैं कि तिल मिश्रित जल से स्नान, शरीर में तिल का तेल मालिश करने से पुण्य फल प्राप्त होता है और पाप नष्ट हो जाते हैं।

मकर संक्रांति का आयुर्वेदिक महत्व

मकर संक्रांति का धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व के अलावा आयुर्वेदिक महत्व भी है। इस दिन चावल, तिल और गुड़ से बनी चीजें खाई जाती हैं। तिल और गुड़ से बनी चीजों का सेवन करने से स्वास्थ्य अच्छा होता है और इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

जीवन का अंकुर है कोमल

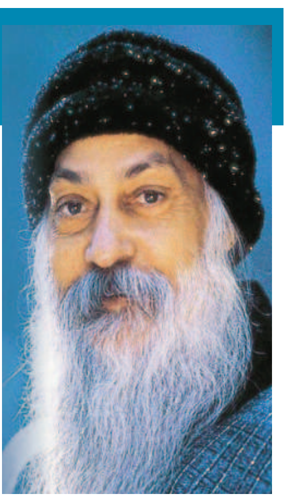

यह जो जीवन का अनुभव है फ्राम विदाउट, बाहर से, यह जीवन का अनुभव ही मृत्यु का अनुभव बनता है। यह जीवन का अनुभव जिस दिन हाथ से खिसक जाता है.

क्योंकि जिस दिन इस घर को छोड़ कर भीतर के प्राण सिकुड़ते हैं और बाहर की दीवाल से चेतना भीतर चली जाती है, उसी दिन बाहर के लोगों को पता चलता है कि मर गया यह आदमी। और उस आदमी को भी लगता है कि मरा, मरा, मरा। क्योंकि जिसे वह जीवन समझता था, वहां से चेतना भीतर सरकने लगती है। जिस तल पर उसे शात था कि यह जीवन है, उस तल से चेतना भीतर सरकने लगती है नई यात्रा की तैयारी में। और उसके प्राण चिल्लाने लगते हैं कि मरा! गया! सब डूबता है! क्योंकि जिसे वह समझता था कि मैं जीवन हूं वह डूब रहा है, वह छूट रहा है। बाहर के लोग समझते हैं कि यह आदमी मर गया और वह आदमी भी मरते क्षण में, इस मरने के क्षण में, इस बदलाहट के क्षण में समझता है कि मैं मरा, मैं मरा, मैं मरा, मैं गया।

यह जो देह है हमारी, यह जो शरीर है, यह शरीर हमारा वास्तविक होना नहीं है। यह हमारी आर्थेंटिक बीइंग नहीं है। गहराई में इससे बहुत भिन्न और बिलकुल दूसरे प्रकार का हमारा व्यक्तित्व है। इस शरीर से बिलकुल विपरीत और उलटा हमारा जीवन है।

एक बीज को हम देखते हैं। बीज— के ऊपर की खोल होती है बहुत सख्त ताकि भीतर जो छिपा हुआ जीवन का अंकुर है कोमल, डेलीकेट, वह उसकी रक्षा कर सके। भीतर का अंकुर तो होता है बहुत कोमल और उसकी रक्षा के लिए बहुत कठोर दीवाल, एक घेरा, एक खोल बीज के ऊपर चढ़ी होती है। वह जो खोल है, वह बीज नहीं है। और जो उस खोल को ही बीज समझ लेगा, वह कभी भी उस जीवन के अंकुर से परिचित नहीं हो पाएगा जो भीतर छिपा है। वह खोल को ही लिये रह जाएगा और अंकुर कभी पैदा नहीं होगा। नहीं, खोल बीज नहीं है। बल्कि सच तो यह है कि बीज जब पैदा होता है तो खोल को मिट जाना पड़ता है, टूट जाना पड़ता है, बिखर जाना पड़ता है, मिट्टी में गल जाना पड़ता है। जब खोल गल जाती है, तब बीज भीतर से प्रकट होता है।

यह शरीर एक बीज है। और जीवन, चेतना और आत्मा का एक अंकुर भीतर है। लेकिन हम इस खोल को ही बीज समझकर नष्ट हो जाते हैं और वह अंकुर पैदा भी नहीं हो पाता है, वह अंकुर फूट भी नहीं पाता है। जब वह अंकुर फूटता है, तो जीवन का अनुभव होता है। जब वह अंकुर फूटता है, तो मनुष्य का बीज होना समाप्त होता है और मनुष्य वृक्ष बनता है। जब तक मनुष्य बीज है, तब तक वह सिर्फ एक पोटेंशियलिटी है, एक संभावना है। और जब उसके भीतर वृक्ष पैदा होता है जीवन का, तब वह वास्तविक बनता है। उस वास्तविकता को कोई आत्मा कहता है, उस वास्तविकता को कोई परमात्मा कहता है। मनुष्य है बीज परमात्मा का। मनुष्य सिर्फ बीज है। जीवन का पूर्ण अनुभव तो वृक्ष को होगा, बीज को क्या हो सकता है? बीज क्या जान सकता है वृक्ष के आनंद को? (**क्रमशः**)

मकर संक्रान्ति और दान का महत्व

मकर संक्रांति के दिन दान का विशेष महत्व हैं। विद्वानो के मत से मकर संक्रांति के दिन धार्मिक साहित्य-पुस्तक इत्यादी धर्म स्थलों में दान किये जाते हैं।

मकर संक्रांति के दिन तिल का दान

संक्रांति के दिन दान करने से प्राप्त होने वाले पुण्य का फल अन्य दिनों की तुलना में बढ़ जाता हैं। इस लिये मकर संक्रांति के दिन यथासंभव किसी गरीब को अन्नदान, तिल एवं गुड का दान करना शुभदायक माना गया हैं। तिल या तिल से बने लड्डु या फिर तिल के अन्य खाद्ध पदार्थ भी दान में दिये जा सकते हैं।

मकर संक्रान्ति पर स्नान

मकर संक्रांन्ति का धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व माना जाता हैं। मान्यता हैं कि इस दिन सूर्य के उत्तरायाण में प्रवेश करने से देवलोक में रात्रि समाप्त होती हैं और दिन की शुरुआत होती है। देवलोक का द्वारा जो सूर्य के दक्षिणायण होने से 6 महीने तक बंद होता हैं मंकर संक्रान्ति के दिन खुल जाता हैं। इस दिन दान इत्यादी पुण्य कर्म किये जाते हैं उनका शुभ फल प्राप्त होता है।

मकर संक्रान्ति में स्नान एवं दान का भी विशेष महात्मय शास्त्रों में बताया गया है।

भारतीय धर्म ग्रंथों में स्नान का अर्थ शुद्धता एवं सात्विकता है। अतः स्नान को किसी भी शुभ कर्म करने से पहले किया जाता है। मकर राशि में सूर्य के प्रवेश से सूर्य का सत्व एवं रज गुण बढ़ जाता है जो सूर्य की तेज किरणों से हमारे शरीर में प्रवेश करता है। यह अलौकिक किरणें हमारे शरीर को ओज, बल और स्वास्थ्य प्रदान करे, अतः इन किरणों को ग्रहण करने हेतु तन-मन की शुद्धि के लिए पुण्यकाल में स्नान करने का विधान बताया गया है।

भारतीय धर्म शास्त्रो के अनुसार प्रातः सूर्योदय से कुछ घंटे पहले का समय पुण्य काल माना जाता है। पुण्य काल में स्नान करना अत्यंत पुण्य फलदायी माना गया है। धर्मशास्त्रों के मुताबिक शुभ संयोगो पर जल में देवताओं एवं तीर्थों का वास होता है। इस लिये इन अवसरों में नदी अथवा सरोवर में स्नान करना शुभफलदायक होता हैं। मकर संक्रांन्ति पर सूर्योदय से पूर्व स्नान दुग्ध स्नान के समान फल देता है अतः इन अवसरों पर पूर्ण शुद्धि हेतु पुण्य काल में स्नान करने की परम्परा युगो से चली आ रही है।

पं.महेशचन्द्र शर्मा

आज सूर्य का मकर राशि में प्रवेश

मकर संक्रांति पर सूर्य पूजा के साथ गुड़-तिल का दान करें जानिए इस दिन कौन-कौन से शुभ काम कर सकते हैं

सूर्य शनि की मकर राशि में प्रवेश करेगा। इसलिए संक्रांति पर शनि देव की भी विशेष पूजा जरूर करें। शनि देव को तेल चढ़ाएं। नीले और काले तिल अर्पित करें। शनि देव के सामने दीपक जलाकर ऊँ शं शनैश्चराय नम: मंत्र का जप करें।

सोमवार, 15 जनवरी को सूर्य धनु से मकर राशि में प्रवेश कर रहा है। ज्योतिष में सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रांति कहा जाता है। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश को मकर संक्रांति कहते हैं। इस दिन का महत्व काफी अधिक है। ये सूर्य पूजा का महापर्व है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण होता है।

मकर संक्रांति पर सूर्य पूजा के साथ ही कौन-कौन से शुभ काम करने से अक्षय पुण्य मिलता है। अक्षय पुण्य का असर जीवनभर बना रहता है। जानिए इस दिन कौ-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

मकर संक्रांति पर सुबह जल्दी उठें। पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान करें। स्नान करते समय सभी पवित्र तीर्थों और नदियों के नामों का ध्यान करें करें। ऐसा करने से घर पर तीर्थ स्नान का पुण्य मिलता है।

ये सूर्य पूजा का महापर्व है। सूर्य देव की विशेष पूजा करें। अगर विशेष पूजा नहीं कर पा रहे हैं तो सूर्य को अर्घ्य जरूर अर्पित करें। इसके लिए तांबे के लोटे में पानी भरें, लाल फूल, चावल डालें और फिर सूर्य को जल चढ़ाएं। सूर्य मंत्र ऊँ सूर्याय नमः का जप 108 बार करें।

संक्रांति सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और परिक्रमा करें। सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास दीपक जलाएं और परिक्रमा करें। ध्यान रखें शाम को तुलसी को स्पर्श नहीं करना चाहिए। किसी मंदिर में गुड़ और काले तिल का दान करें। भगवान को गुड़-तिल के लड्डू का भोग लगाएं और भक्तों को प्रसाद वितरित करें।

परिवार से दूर रहना सबसे बड़ी चुनौती : एली अवराम

साल 2013 में फिल्म 'मिकी वायरस' के साथ बॉलीवुड में कदम रखने वाली एली अवराम ने बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग तथा डांस की बदौलत एक अलग पहचान बना ली है। पहली फिल्म में लीड रोल निभाने वाली एली को इसके बाद अधिकतर मल्टीस्टारर फिल्मों में ही काम मिला, परंतु हर फिल्म में वह अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रही। वह कई फिल्मों में आईटम नम्बर भी कर चुकी है।

फिल्मों के अलावा वह वैब सीरीज में भी सक्रिय हो चुकी है और हॉरर वैब सीरीज 'टाइपराइटर' से लेकर वैब सीरीज 'द वर्डिक्ट स्टेट वर्सेज नानावती' में भी काम कर चुकी है।

अद्भुत रहा अब तक फिल्मी सफर

बॉलीवुड में करियर बनाने का सपना लिए स्वीडन से भारत आई

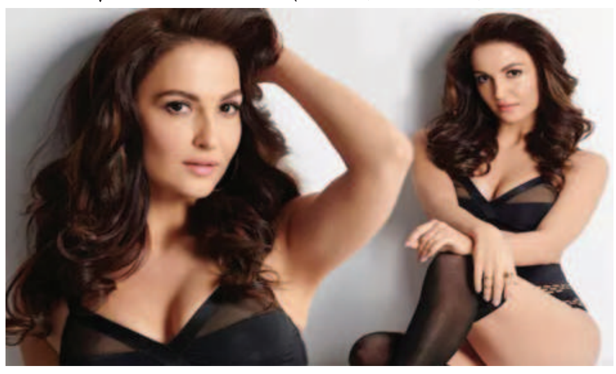

एली अवराम को एक दशक हो गया है। उसका कहना है कि यह उसके लिए उतार- चढ़ाव भरा सफर रहा है। वह मानती है कि स्वीडन में परिवार से दूर रहना उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती रही है, जिस पर विजय पाने के लिए वह अभी भी संघर्ष कर रही है।

एली बताती है, बॉलीवुड में मेरी यात्रा अद्भुत रही है। यह उतार-चढ़ाव से भरे रोलर कोस्टर जैसी रही है लेकिन मुझे यह सब खूबसूरत लगता है क्योंकि फिल्म निर्माताओं से मुझे स्वीकार्यता मिली है, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझे एक अभिनेत्री के रूप में अभिनय करने के अवसर दिए।

34 वर्षीय एली ने आगे कहा, मैं इस बात के लिए बहुत आभारी हूं कि मुझे कई अलग-अलग तरह की भूमिकाएं करने को मिल रही हैं। मैं एक अभिनेत्री के रूप में बहुमुखी बन रही हूं, जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था। मैं हमेशा अलग-अलग भूमिकाएं निभाना चाहती थी।

वह आगे कहती है, अब, मुझे वह अलग-अलग भाषाओं में करने को मिल रहा है। उदाहरण के लिए, अपनी अगली फिल्म में, मैं एक भूत की भूमिका निभा रही हूं... अपनी भूमिकाओं के लिए मुझे लोगों से जो प्रतिक्रिया मिली है, उससे मैं बहुत खुश हूं कि उन्हें मेरा अलग-अलग किरदार निभाना कितना पसंद है।

वह कहती है, मैं भारत में एक बहुत बड़ा घर खरीदना और अपने पूरे परिवार को यहां लाना चाहती हूं, ताकि मैं उनकी देखभाल कर सकूं। इन 10 वर्षों में, सबसे बड़ी चुनौती और संघर्ष अपने परिवार के बिना यहां रहना रहा है।

एली कहती है, मुझे इससे नफरत हो गई है। मुझे अच्छा लगता, अगर वे यहां मेरे साथ होते या मेरे साथ रहते, ताकि मैं उनकी देखभाल कर सकती, उन्हें भारत भर में घुमा सकती लेकिन स्वीडन में उनका जीवन और नौकरियां हैं, इसलिए मैं ऐसा नहीं कर पा रही। यह मेरा एक सपना है कि शायद एक दिन, वे सभी यहां आ सकेंगे और तब मैं बस उनकी केयर कर सकूगी... काम के बाद घर पर परिवार के पास लौटना, उन्हें अपने दिन के बारे में बताना, एक अलग एहसास है। वीडियो कॉल पर बात करना इसके सामने कुछ भी नहीं है। परिवार से दूरी सबसे बड़ा संघर्ष रहा है, बाकी सब जीवन का हिस्सा है।

मुझे इससे नफरत हो गई है। मुझे अच्छा लगता, अगर वे यहां मेरे साथ होते या मेरे साथ रहते, ताकि मैं उनकी देखभाल कर सकती, उन्हें भारत भर में घुमा सकती लेकिन स्वीडन में उनका जीवन और नौकरियां हैं, इसलिए मैं ऐसा नहीं कर पा रही। यह मेरा एक सपना है कि शायद एक दिन, वे सभी यहां आ सकेंगे और तब मैं बस उनकी केयर कर सकूंगी... काम के बाद घर पर परिवार के पास लौटना, उन्हें अपने दिन के बारे में बताना, एक अलग एहसास है। वीडियो कॉल पर बात करना इसके सामने कुछ भी नहीं है। परिवार से दूरी सबसे बड़ा संघर्ष रहा है, बाकी सब जीवन का हिस्सा है।

आसान नहीं था भारत आना

कला के माहौल में पैदा होने के बाद भी स्वीडन से भारत आना कितना मुश्किल था, पर उसने कहा, बहुत मुश्किल था, क्योंकि घर वालों ने पहले स्वीडन में ही करियर आगे बढ़ाने की बात कही थी पर मुझे बॉलीवुड ही पसंद था। उन्हें समझाने में 3 साल लगे। मेरे पिता बहुत सख्त हैं और मुझे यहां इतनी दूर आने से मना कर रहे थे। मुझे पता चल गया था कि पिता मुझे यहां आने के लिए पैसे देने वाले नहीं हैं। मैंने वहां थोड़े दिनों तक काम कर पैसा जमा किया और यहां के बारे में जानकारी इंटरनैट पर ली। स्वीडन में ही बॉलीवुड डांस सीखे और एक दिन मुंबई आ गई। यहां आकर पहले फैमिली फ्रैंड एक गुजराती परिवार - के साथ रही, जहां मुझे पारम्परिक रूप से रहने और खाने का मौका मिला, जिसे मैंने बहुत एन्जॉय किया। इसके बाद ऑडिशन देते हुए फिल्म मिली और सफर शुरू हुआ। अब मैं अलग घर लेकर रह रही हूं।

जानवरों से है गहरा लगाव

एली एक पशु प्रेमी है और जानवरों से बहुत प्यार करती है। इस बारे में वह कहती है, ₹मैंने एक बिल्ली को गोद लिया है। वह मेरे साथ रहती है। एक दिन वह वैनिटी वैन के अंदर आ गई और नहीं गई। उस दिन से वह मेरे परिवार की सदस्य बन चुकी है। जानवरों के लिए काम करना मुझे बहुत पसंद है।"

पसंद हैं भारतीय त्यौहार

भारत के त्यौहारों को भी अब एली खूब पसंद करती है। उसने कहा, ₹यहां आने के बाद मैंने सबसे पहले होली के त्यौहार को सैलिब्रेट किया था। मुझे बहुत मजा आया था, जब एक अंजान लड़की ने मुझे खुशी-खुशी रंग लगाया। इसके अलावा गणपति उत्सव और दीवाली भी मुझे बहुत पसंद हैं लेकिन मैं मानती हूं कि त्यौहारों को मनाते हुए अपने वातावरण का भी ख्याल रखने की जरुरत हम सभी को है।

मेरी इमेज 'बोल्ड' नहीं, 'फैंसी' और 'ट्रेंडी' है : निक्की तम्बोली

"मेरा विश्वास है कि सुंदरता देखने वाले की आंखों में होती है और साथ ही, जो चीज मुझे पसंद आ सकती है, जरूरी नहीं कि वह आपको अच्छी लगे। हम सभी अलग हैं और मुझे लगता है कि हमें उसे खुशी-खुशी अपनाना चाहिए।

मॉडलिंग और दक्षिण भारतीय फिल्मों से अपने करियर की शुरूआत करने वाली खूबसूरत ग्लैमरस निक्की तम्बोली अपनी साफगोई के लिए जानी जाती है। अभिनय करियर की शुरूआत मॉडलिंग से करने वाली निक्की ने 21 वर्ष की उम्र से ही ऑडिशन देने शुरू कर दिए थे। साऊथ की 4 फिल्मों के बाद उसे लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' का ऑफर मिला। इसके बाद उसने एक और रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लिया। इन

बोल्ड इमेज पर बोली

और शोज की वह विजेता तो नहीं रही लेकिन जीवन के कई अनुभवों से उसका सामना हुआ और बहुत कुछ सीखने तथा जानने का मौका भी मिला। 'बिग बॉस' और 'खतरों के खिलाड़ी' के बाद उसे पहचान मिली। गत वर्ष उसे फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' में एक आईटम नम्बर में डांस करने का मौका मिला और नए साल में अपने करियर को लेकर भी वह काफी उत्साहित नजर आती है।

नव वर्ष की बधाई

अपने फैन्स को नव वर्ष की बधाई देते हुए उसने सोशल मीडिया पर क्या उसे जो भी सफलता अब तक मिली है, उसकी वजह उसकी बोल्ड तथा ग्लैमरस इमेज है, पर वह कहती है, मेरी इमेज ब बोल्ड जरूर है लेकिन केवल ज बो बोल्ड इमेज होना किसी भी फिल्म या शो के लिए कितनी अहमियत रखता है, यह मैं नहीं जानती। मेरा परिवार एडवांस है। सभी खुले दिल और खुली सोच वाले हैं। मेरी इमेज बोल्ड नहीं, फैंसी और ट्रेंडी जरूर है। मेरी उम्र फैशन करने लायक है और मैं इस लुक को एन्जॉय करती हूं।

मेरा विश्वास है कि सुंदरता देखने वाले की आंखों में होती है और साथ ही, जो चीज मुझे पसंद आ सकती है, जरूरी नहीं कि वह आपको अच्छी लगे। हम सभी को भगवान ने अलग तरीके से बनाया है और मुझे लगता है कि हमें उसे खुशी-खुशी अपनाना चाहिए। बेशक, कॉस्मैटिक सर्जरी सहित ऐसे कई तरीके है, जिनसे आप उस सुंदरता को बढ़ा सकते हैं। यह एक व्यक्ति की अपनी पसंद की बात है। बेहतर दिखने की चाह रखने में बिल्कुल भी कोई बुराई नहीं है। यदि कोई इसके बाद अपने व्यक्तित्व के बारे में अधिक आश्वस्त महसूस करता है तो क्यों नहीं? आखिर में, एक व्यक्ति जो ऐसा करने को तैयार है, वह किसी और से बेहतर जानता है कि उसे क्या सूट करेगा और क्या नहीं।'

लिखा, जो साल बीत गया उसे भूल जाओ, इस नए साल को खुशी से गले लगाओ। यही हमारी ईश्वर से प्रार्थना है। अपने पुराने गिले-शिकवे भूल जाओ। नई सुबहनई रोशनी लेकर आई है। इस आशा के साथ सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं कि आने वाले वर्ष में आपको ढेर सारी खुशियां मिलेंगी।

गॉडफादर किसे मानती है

कई लोगों का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में सफलता के लिए एक गुरु या गॉडफादर का होना बहुत जरूरी है। वह किसे अपना गॉडफादर मानती है, पर उसका कहना था, मेरा परिवार ही मेरा गुरु और गॉडफादर है। मेरे परिवार द्वारा सपोर्ट किए जाने के बाद ही मैं अपनी किस्मत आजमा सकी और मनोरंजन की दुनिया में आ पाई।

परिवार को अहमियत

खुद को परिवार के बहुत करीब मानने वाली निक्की कहती है, मेरा ज्यादातर वक्त परिवार के साथ ही बीतता है। जब फैमिली साथ हो तो वक्त को उड़न-छू होने में देर नहीं लगती। मैं अपने परिवार की शुक्रगुजार हूं कि मेरे जीवन के हर कदम पर उन्होंने मेरा साथ दिया। रिश्तों की अहमियत मेरे लिए ज्यादा मायने रखती है।

'आगे बढ़ते' रहो, चाहे कुछ भी हो : शरवरी वाघ

'प्यार का पंचनामा', 'वाजीराव मस्तानी', 'सोनू के टीटू की स्विटी ' जैसी सफल फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम करने के चाद वैब सीरीज 'द फॉरगॉटन आर्मी' के साथ अपने अभिनय करियर की शुरूआत करने वालो शरवरी वाम फिल्म 'बंटी और बबली 2' से फिल्मों में भी कदम रख चुकी है। जल्द ही वह फिल्म 'महाराजा' और 'वेदा' में नजर आएगी।

शरवरी का कहना है कि बचपन से ही वह माधुरी दीक्षित की बड़ी प्रशंसक रही है। वह कहती है, ₹मैं उनकी बहुत ही बड़ी प्रशंसक थी। मुझे याद है फिल्म 'देवदास' का मुझ पर बहुत प्रभाव पड़ा था। उनका नृत्य, उनकी पर्दे पर उपस्थिति, जिस तरह से वह दिखती थीं... यह केवल शुद्ध कला थी। मुझे नहीं लगता कि लंबे समय से ऐसा दोबारा होते देखा है। 'दिल तो पागल हैं' और वह गाना 'हमको आजकल...' (सैलाब) मुझे उनके बाल और उनकी पहनी हुई कालो पोशाक बहुत पसंद थी। जितना अधिक मैंने उन्हें देखा, उतना ही अधिक मुझे उनसे प्यार हो गया।

गत दिनों शरवरी की मुलाकात माधुरी से हुई तो उसने माधुरी की दिल खोलकर तारीफ की और अपने अनुभव के बारे में भी खुल कर बात की। एक इवेंट के दौरान शरवरी को माधुरी के साथ बैठने का मौका मिला। उसने बताया कि वह बचपन से ही माधुरी की फैन रही है और उनकी फिल्में देखकर बड़ी हुई है। वह उन्हें अपना आदर्श मानती है। इतना हो नहीं, माधुरी के डांस से प्रभावित होकर ही उसने अपनी कथक क्लास शुरू की थी।

ऐसा लगा सपना सच हुआ शरवरी के अनुसार माधुरी परफैक्ट

शरवरी ने कहा कि जब उसे इवेंट में माधुरी के साथ बैठने का मौका मिला तो यह उसके लिए एक सपना सच होने जैसा था। सबसे मजेदार रहा उनके साथ मराठी में बात करना। सैल्फी लेते समय कांप रहे थे हाथ शरवरी का कहना है कि माधुरी से सीखने के लिए काफी कुछ है। उसने बताया, मैंने काफी हिम्मत जुटाकर उनसे सैल्फी के लिए कहा। मेरे हाथ कांप रहे थे, हालाकि मैं मुस्करा रही थी।

अब तक की सबसे बडी सीख

एक बात यह है कि मैंने कभी हार मानने के बारे में नहीं सोचा। पिछले सालों में अनेक उतार-चढ़ाव आए, लेकिन अपने सपनों को छोडना मेरे मन में कभी नहीं आया। मुझे हमेशा यह महसूस होता रहा कि सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है। मैंने इसे इतनी दृढ़ता से महसूस किया कि इसने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

चाहे मुझे कितनी भी अस्वीकृतियों का सामना करना पड़ा, मैंने आगे बढ़ने की अपनी इच्छा कम नहीं होने दी। मुझे पता है कि मैंने कबीर खान जैसे बड़ेनिर्देशक के साथ काम करना शुरू किया था, लेकिन अगर कोई मुझसे पूछे कि मेरो अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या है, तो मैं कहूंगी कि मैंने हार नहीं मानी।

चॉलीवुड हीरोइन का एक उदाहरण हैं। उसने कहा, मैंने उनकी सभी फिल्में देखी हैं। मैं फिल्में देखने के बाद जब घर लौटती तो उनके गानों पर किए गए डांस के हर स्टैप को करने की कोशिश करती थी।

अपना करियर बतौर असिस्टैंट डायरेक्टर शुरू करने से लेकर अब फिल्मों में बतौर हीरोइन काम करने तक वह सचसे बड़ी सीख किसे मानती है, पर उसने कहा, मुझे लगता है कि सबसे बड़ी सीख आगे बढ़ना है, चाहे कुछ भी हो। यह मैंने अपने अब तक के काम से सीखा है। जब आप कोई फिल्म या शो करते हैं तो आप उसमें इतने शामिल हो जाते हैं कि उसमें फंसने का खतरा रहता है इसलिए मैंने चीजों को चालू रखना और आगे बढ़ना सीख लिया है। अभी मेरी शुरूआत ही हुई है। आगे बढ़ने और मेरे साथ जो कुछ भी होने वाला है उसे देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं।

अभिनय में रुचि कैसे जगी ?

मुझमें कभी अपने माता-पिता को यह बतानेकी हिम्मत नहीं हुई कि में अभिनय करना चाहती हूं। मुझे नहीं पता था कि मैं उन्हें चताने के लिए किन शब्दों का इस्तेमाल करूंगी। मुझे यह भी नहीं पता था कि अभिनय कैसे करना है। मुझे पता था कि मैं एक अभिनेत्री बनना चाहती हूं, लेकिन मुझे नहीं पता था कि अपने सपने को पूरा करने के लिए कहां जाना है। अब मुझे पता है कि कोई कहां- कहां जाकर ऑडिशन दे सकता है... लेकिन तब मुझे इसका कोई अंदाजा नहीं था। बस में यह जानती थी कि मुझमें चीजों को समझने और सीखने की क्षमता है। मैंने कॉलेज में एक 'फ्रेश फेस' प्रतियोगिता जीती और मेरे माता-पिता ने देखा कि मुझे इसमें कितना आनंद आया। उन्होंने देखा कि मुझे अभिनय, गायन, मॉडलिंग और डांस में कितना आनंद आता है और फिर एक दिन, मेरे माता-पिता ने मुझे बैठाया और मुझसे पूछा, 'क्या तम अभिनेत्री बनना चाहती हो? तभी मुझमें उनसे यह कहने का हिम्मत जागी कि मैं अभिनय करना चाहती हूं।

पसंद हैं नए कौशल सीखना

एक अभिनेत्री के रूप में, आप कई अलग-अलग भूमिकाएं निभाते रहते हैं और इसलिए आप नहीं जानते कि आप जो कर सकते हैं वह सैट पर रहते हुए आपकी मदद कर सकता है या नहीं। एक नई नृत्य शैलो सीखना हमेशा मददगार होगा क्योंकि एक अभिनेत्री के रूप में यह आपके शरीर में लय लाता है।

मैं कहती रहती हूं कि मैं माधुरी दीक्षित से प्यार करती हूं और कथक सीखना उसी दिशा में एक कदम है। मैं कथक सीख रही हूं और किक बॉक्सिग भी... मुझे हर दिन नई चीजें सीखना पसंद है। मैं खाली नहीं बैठ सकती। भले ही वे मेरे करियर में मेरी मदद न करें, मुझे लगता है कि वे मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद करती।

पूर्व प्रेमी' के पास लौटी नर्गिस फाखरी !

सोशल मीडिया पर कर हर जगह सितारों के न्यू ईयर सैलिब्रेशन की तस्वीरें ही को मिल रही हैं। किसी ने शादी के बाद पहली बार अपने पार्टनर के साथ नए साल का स्वागत किया, तो किसी ने अपने बच्चों और अपनी फैमिली के साथ। सितारों के न्यू ईयर की पार्टी की तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं लेकिन एक खबर एक पूर्व प्रेमी जोड़े से जुड़ी है जिसने सबको हैरान किया है क्योंकि ब्रेकअप के लंबे समय बाद उन्होंने साथ में न्यू ईयर सैलिब्रेट किया।

दरअसल, बात अभिनेता और निर्माता उदय चोपड़ा और नर्गिस फाखरी की हो रही है, जिन्हें ब्रेकअप के लंबे समय बाद एक साथ देखा गया, वह भी नए साल के मौके पर। सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं, जिनमें उदय और नर्गिस साथ में नजर आ रहे हैं। उदय ने साल 2013 में नर्गिस फाखरी को डेट करना शुरू किया था। हालांकि, पांच साल बाद 2017 में किन्हीं वजहों से दोनों का ब्रेकअप हो गया। ऐसे में अब ब्रेकअप के 7 साल बाद इनकी एक साथ फोटोज सामने आई हैं, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है।

सामने आई तस्वीरों में नर्गिस और उदय के अलावा ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान और उसका ब्वॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी भी हैं। इन फोटोज को अर्सलान ने शेयर किया। इनकी यह तस्वीर दुबई की है, जहां सबने मिलकर न्यू ईयर पार्टी की। जहां फैन्स उदय और नर्गिस को एक साथ देखकर हैरान हैं, वहीं वे उदय का बदला हुआ लुक देखकर भी काफी दंग हैं। फिल्म 'मोहब्बतें' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाला उदय, जिसने 'धूम' जैसी फिल्मों में अपनी कमाल की फिटनैस से हर किसी को दीवाना बना लिया था, अब काफी बदल चुका है। पहले के मुकाबले उसका वजन काफी बढ़ गया है, वह भी इतना कि एक बार तो पहली नजर में उसे कोई पहचान ही नहीं पाएगा।

रणबीर और शाहिद के साथ लिंक-अप पर बोली नर्गिस

नर्गिस फाखरी ने फिल्म 'रॉकस्टार' से रणबीर कपूर के साथ अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। हाल ही में उसने रणबीर और शाहिद कपूर के साथ अपने रोमांस की अफवाहों पर कहा, ₹मैं फिल्म उद्योग में हर दूसरे व्यक्ति के साथ जुड़ी हुई थी और यह मुझे पागल कर देता था।

डेब्यू 'रोमांचक' होना चाहिए : भूमि

अभिनय करियर की शुरुआत के बाद से भूमि पेडनेकर ने विविध भूमिकाओं के माध्यम से हिन्दी सिनेमा में अपने लिए एक अनोखी जगह बनाई है। पिछले साल भूमि की 4 फिल्में 'भीड़', 'अफवाह', 'थैंक यू फार कमिग' और 'लेडी किलर' रिलीज हुईं। इस साल उसकी दो फिल्में 'भक्षक' और 'मेरी पत्नी का रीमेक' रिलीज होने वाली हैं लेकिन भूमि पेडनेकर की नजर अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर है। इस बारे में उसनेकहा, वैश्विक स्तर पर और साथ ही भारत में स्ट्रीमिंग कंटेंट की लोकप्रियता अविश्वसनीय है। मैं पिछले कुछ दिनों से डिजिटल जगत में प्रवेश करने के बारे में सोच रही हूं लेकिन मैं यह भी चाहती हूं कि मेरा स्ट्रीमिंग डेब्यू रोमांचक और ध्यान खींचने वाला हो। यह अब तक बनी फिल्मों से कुछ अलग और अनोखा होना चाहिए।

उसने आगे कहा, एक दर्शक के रूप में मैं वास्तव में मानती हूं कि डिजिटल प्लेटफॉर्म और उनके द्वारा प्रस्तुत कंटेंट अच्छा है। एक लम्बी सीरीज एक कलाकार को वास्तव में अपने चरित्र में जान डालने का मौका देती है।

नए जमाने का करियर 'डाटा इंजीनियर'

डाटा साइंस एक ऐसा फील्ड है जिसकी डिमांड दुनियाभर में तेजी से बढ़ रही है। डाटा साइंटिस्ट्स को शुरूआत में ही लाखों के पैकेज ऑफर हो रहे हैं। जानें इस करियर ऑप्शन के बारे में।

डिजिटल दुनिया में तकनीकी विकास की वजह से नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। तूफानी रफ्तार से दुनिया भर में इनोवेशन हो रहे हैं और डिजिटल फ्यूचर तेजी से रोमांचक होता जा रहा है। आजकल कई ऐसे फील्ड हैं, जिनका झुकाव एनालिटिक्स की ओर हो रहा है। डिजिटल वर्ल्ड में डाटा एकत्र करने वाले हमारा भविष्य तैयार कर रहे हैं। इकोनॉमी, समाज और राजनीति को बदल रहे हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां डाटा कलैक्शन पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं, जिसके विश्लेषण के लिए डाटा साइंटिस्ट की जरूरत होती है। इस फील्ड में योग्य प्रोफैशनल्स की भारी डिमांड है। सैलरी भी शानदार मिलती है।

किसे कहते हैं डाटा साइंटिस्ट

इलैक्ट्रॉनिक डिवाइस के माध्यम से भेजी जाने वाली किसी भी तरह की सूचना को डाटा कहते हैं। आजकल लगभग सभी कंपनियां किसी न किसी तरीके से डाटा स्टोर करती हैं। भविष्य में काम आने वाली इन्हीं सूचनाओं को डाटा साइंटिस्ट सुरक्षित रखते हैं, उसे व्यवस्थित करते हैं और उसका विश्लेषण करने के बाद समस्याओं समाधान करते हैं। का

डाटा साइंटिस्ट किसी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति को संभालने के लिए कम्प्यूटर साइंस, इनफार्मेशन टैक्नोलॉजी, गणित और सांख्यिकी से संबंधित ज्ञान का इस्तेमाल करते हैं। डाटा एक्सपर्ट बिजनैस और आई.टी. की दुनिया में काम करते हैं और जटिल डाटा सैट का विश्लेषण कर इंडस्ट्री को लाभ पहुंचाते हैं।

दूसरे शब्दों में, डाटा साइंटिस्ट सूचनाओं के ढेर से यह जानने की कोशिश करते हैं कि कोई खास डाटा सैट किस क्षेत्र में इस्तेमाल किया जा सकता है और किस प्रकार इसे अधिक उपयोगी बनाया जा सकता है।

डाटा साइंस में ग्रैजुएट डिप्लोमा करने के लिए उम्मीदवार का फिजिक्स, कैमिस्ट्री और मैथ्स के साथ 12वीं पास होना अनिवार्य है। इसके बाद इस फील्ड में पोस्ट ग्रैजुएट कोर्स में दाखिला मिल जाता है। डाटा साइंटिस्ट बनने के लिए कम्प्यूटर साइंस, मैथ्स, स्टैटिस्टिक्स, एप्लाईड साइंस, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पी.जी. कोर्स किया जा सकता है।

करियर में तरक्की के लिए डाटा साइंस में पीएच.डी. भी कर सकते हैं।

तकनीकी कौशल

इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए पाइथन कोडिंग, आर प्रोग्रामिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अलावा मशीन लर्निंग की विभिन्न तकनीकों, जैसे लॉजिस्टिक रिग्रैशन, डिसीजन ट्री, सुपरवाइज्ड मशीन लर्निंग, टाइम सीरीज, कम्प्यूटर विजन, आऊटलेयर डिटेक्शन, सर्वाइवल एनालिसिस, नैचुरल लैंग्वेज प्रोसैसिग आदि सीखना महत्वपूर्ण है। डाटा साइंटिस्ट को हड्प प्लेटफार्म और स्ट्रक्क्ड क्वेरी लैंग्वेज (एस.क्यू.एल.) में भी स्किल्ड होना जरूरी है।

प्रमुख कोर्स

पी.जी. डिप्लोमा इन बिजनैस एनालिटिक्स

पोस्ट ग्रेजुएशन इन डाटा साइंस

पोस्ट ग्रैजुएट डिग्री इन डाटा साइंस एंड

इंजीनियरिंग एम.एस.सी. इन बिजनैस एंड डाटा

एनालिटिक्स पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन बिजनैस

एनालिटिक्स एम.बी.ए. इन डाटा साइंस एंड डाटा एनालिटिक्स

सर्टिफिकेट कोर्स इन बिग डाटा एंड विजुअल एनालिटिक्स

पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमैंट (बिग डाटा एनालिटिक्स)

रोजगार के अवसर

डाटा साइंस कोर्स करने के बाद कई जॉब ऑप्शन मिलते हैं। योग्य उम्मीदवार डाटा एनालिस्ट, सॉफ्टवेयर टैस्टर, डाटा साइंटिस्ट, सीनियर इनफॉर्मेशन एनालिस्ट, सीनियर डाटा ऑफिसर, बिजनैस एनालिस्ट, इनफॉर्मेशन ऑफिसर और सहायक एनालिस्ट के पद पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा प्राइवेट सैक्टर में भी रोजगार के ढेर सारे मौके मिलते हैं। बैंक, बीमा, ई-कॉमर्स, टैलीकॉम, फाइनांस, यूटिलिटी और फार्मा सैक्टर की अनेक कंपनियां डाटा एक्सपर्ट को जॉब ऑफर करती हैं।

वेतन : आमतौर पर डाटा साइंटिस्ट को हाई सैलरी पैकेज ऑफर किया जाता है। करियर की शुरूआत में ही 6-10 लाख रुपए सालाना का पैकेज आसानी से मिल जाता है। एक्सपीरिएंस बढ़ने के साथ सैलरी भी बढ़ती है। विदेशों में उन्हें कई गुना अधिक सैलरी मिलती है। हैदराबाद में फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और अमेजॉन जैसी कंपनियां बड़ी संख्या में डाटा साइंटिस्ट को जॉब ऑफर करती हैं। मुंबई और बेंगलूर जैसे प्रमुख शहरों में अधिक वेतन मिलता है।

'बोर्ड परीक्षा' में सफलता के लिए टिप्स

जल्दी खत्म कर देते हैं, ताकि छात्रों को रिवीजन करने के लिए समय मिल सके। अगर आप जल्दी से विषयों का रिवीजन शुरू करते हैं, तो न केवल परीक्षाओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार होंगे, बल्कि तनाव भी कम महसूस करेंगे।

टाइम टेबल बनाएंः

टाइम टेबल पढ़ाई की उचित योजना बनाने में सहायता कर सकता है। यह एक साफ तस्वीर देता है कि आप हर विषय को कितना समय दे सकते हैं। यह आपको उन विषयों पर एक्स्ट्रा टाइम देने में सक्षम बनाता है, जो आपके लिए कठिन हैं। यह आपको आराम करने और अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करेगा।

ब्रेक लें : अपना टाइम टेबल इस तरह बनाएं कि उसमें नियमित रूप से ब्रेक शामिल हों। बिना रुके लगातार पढ़ते रहने से भी आपकी एकाग्रता में दिक्कत आती है। ऐसे में ब्रेक लेना बेहद जरूरी है।

दिलचस्प तरीके अपनाएं

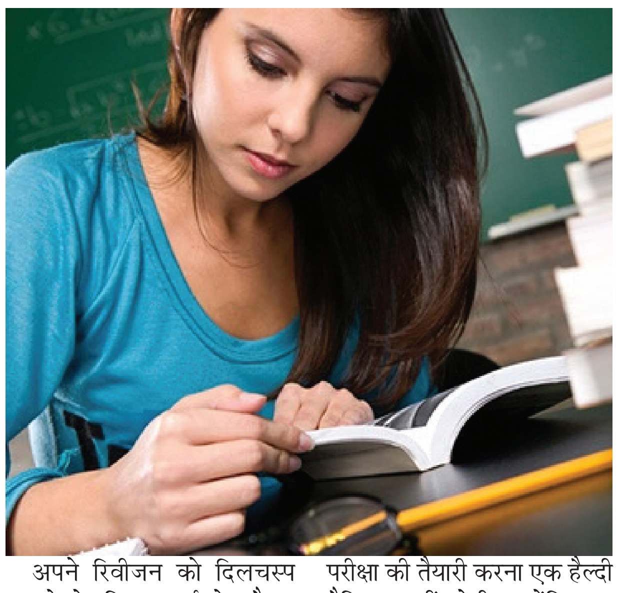

अपने रिवीजन को दिलचस्प बनाने के लिए पढ़ाई के दौरान नोट्स, फ्लैशकार्ड और डायग्राम तैयार करें। पढ़ाई को और मजेदार बनाने के लिए अपने दोस्तों के साथ क्विज आयोजित करें। यह पढ़ाई के दौरान होने वाले तनाव को कम करता है।

जरूरी है पूरी नींद

रात-रात भर जागकर बोर्ड परीक्षा की तैयारी करना एक हैल्दी प्रैक्टिस नहीं होती, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए हर रात 7 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। शारीरिक और मानसिक तौर पर एक्टिव रहना आपके लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा, डाइट भी अपनी अच्छी रखें।

बनें एक 'अच्छा लीडर'

सफलता के लिए व्यवसाय का कुशल नेतृत्व करना जरूरी है। नेतृत्व हेतु स्वयं को साधना होगा। अपने आचार-विचार, व्यवहार के साथ कार्य क्षमता और कार्य कुशलता का परिचय देना होगा। नेतृत्व करते समय आपको स्वयं को कार्य प्रणाली से मुक्त रखना होगा। अगर आप नेतृत्व करेंगे तो अन्य कोई कार्य नहीं देख सकते और न ही भावी स्थिति का आकलन कर सकते हैं। अक्सर सभी लोग निर्णय अपने हाथ में रखना चाहते हैं और अपने निर्णय को सही समझते हैं। इस प्रकार का रवैया एक ओर लोगों का आपके प्रति कोई नेतृत्व के लिए तैयार नहीं हो पाता। सहयोगियों पर पूर्ण विश्वास करना नेतृत्व का आधार है। उनके द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा भी कीजिए। ऐसा न हो कि प्रशंसा आप रख लें और विफलता दूसरों पर थोप दें। नेतृत्व अपने तक ही सीमित न रखें, बाहरी व्यक्तियों और संसाधनों को जुटाने में आप जितने सक्षम होंगे, उतना ही आपका नेतृत्व मजबूत होगा। बाहर आपके कार्यकलापों की प्रशंसा, आपके सहयोगियों को प्रोत्साहित ही करेगी। नेतृत्व की सही परीक्षा संघर्ष काल में होती है। ऐसी स्थिति में सबको साथ लेकर संघर्ष करना होगा। सही विश्वास कम करता है और दूसरी ओर तपस्या के समान है।

'मार्केटिंग मैनेजमैंट' में शानदार करियर

भविष्य की चिता और बढ़ते कम्पिटिशन के चलते आज के समय में 12वीं कक्षा के छात्र अधिक दुविधा में फंसे हुए हैं। 12वीं के बाद क्या कोर्स करें या क्या न करें? किसमें उनका भविष्य अच्छा होगा किसमें नहीं होगा। हालांकि बहुत से छात्र 12वीं से पहले ही तय कर लेते हैं कि उन्हें किस क्षेत्र में अपना करियर बनाना है और उसकी तैयारी में लग जाते हैं। ऐसे कई करियर ऑप्शन हैं जिनमें युवा अधिक संख्या में रुचि दिखा रहे हैं और अपने सपनों को साकार भी कर रहे हैं।

कॉर्पोरेट जगत के मार्केटिंग और मैनेजमैंट क्षेत्र में लगातार बढ़ती नौकरियों के चलते युवा अधिक संख्या में इन क्षेत्रों की पढ़ाई करने के लिए रुचि दिखा रहे हैं। इनमें छात्र सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री और पोस्ट ग्रैजुएशन डिग्री करके एक अच्छा करियर बना सकते हैं। मार्केटिंग और मैनेजमैंट कोर्स दोनों अलग-अलग कोर्स है और दोनों की अपनी विशेषता (स्पैशलाइजेशन) हैं।

मार्केटिंग

किसी भी कम्पनी को अपनी पहचान बनाने के लिए मार्केटिंग की खास आवश्यकता होती है। इसमें सबसे अहम रोल सेल्स मैनेजर का होता है। क्योंकि कम्पनी के सेल्स विभाग को बढ़ाने की जिम्मेदारी सेल्स मैनेजर पर ही होती है। सेल्स मैनेजर ही कम्पनी के प्रोडक्ट्स और सेवाओं के लिए सेल्स स्ट्रैटेजी से लेकर मार्केटिंग स्ट्रैटेजी तक तैयार करते हैं। सेल्स मैनेजर इलाकों में कम्पनी के लिए कार्य कर रहे सेल्स ऑफिसरों को लीड करता है, साथ ही अपनी सेल्स टीम के सदस्यों को मैंटर करना, उन्हें ट्रेनिंग देना और सेल योजना का पालन करवाने का कार्य करता है।

कोर्स

बी.बी.ए. इन सेल्स एंड मार्केटिंग, B.Com एकाऊंटेंसी, B. Com इकोनॉमिक्स, MBA इन सेल्स एंड मार्केटिंग, PG डिप्लोमा इन सेल्स एंड मार्केटिंग कोर्स कर सकते हैं।

योग्यता

* किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से B.Com/ BBA की डिग्री होनी चाहिए।

* सेल्स और मार्केटिंग कोर्स में MBA डिग्री या डिप्लोमा होना चाहिए।

कोर्स के बाद नौकरी

एक्सपोर्ट फर्म, मार्केट रिसर्च, रिटेलिंग, एडवरटाइजिंग, कंसल्टेंसी, फाइनांस और इंश्योरेंस सहित किसी भी कम्पनी के मार्केटिंग विभाग में करियर बना सकते हैं।

मैनेजमैंट

वहीं, अगर बात करें मैनेजमैंट में करियर बनाने की, तो इसके लिए भी 12वीं के बाद छात्रों के पास कई कोर्स करने के विकल्प उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में कोर्स करके छात्र अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

मैनेजमैंट के क्षेत्र में कार्य करने के लिए इंटरपर्सनल स्किल्स, कम्युनिकेशन स्किल्स, मोटिवेशन, योजना और रणनीतिक सोच, समस्याओं को हल करना और निर्णय लेना और व्यापारिक जागरूकता की आवश्यकता होती है।

कोर्स

बैचलर ऑफ बिजनैस एडमिनिस्ट्रेशन, बैचलर ऑफ मैनेजमैंट स्टडीज, बी.बी.ए.एम.बी.ए. इंटीग्रेटेड कोर्स और डिप्लोमा मैनेजमैंट कोर्स कर सकते हैं।

कोर्स के बाद नौकरी

आप्रेशन मैनेजमैंट, इंटरनैशनल बिजनैस, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमैंट, बिजनैस एनालिटिक्स, सप्लाई चैन मैनेजमैंट, रिटेल मैनेजमैंट, इवेंट मैनेजमेंट और हॉस्पिटैलिटी मैनेजमैंट में अपना करियर बना सकते हैं। अगर आप 12वीं कक्षा के छात्र या छात्रा हैं और आप अभी तक अपने करियर के लिए तय नहीं कर पा रहे हैं कि क्या करना चाहिए, तो आपको एक बार ऊपर दिए गए विकल्पों के बारे में सोचना चाहिए।

मार्केटिंग और मैनेजमैंट के क्षेत्र बहुत से छात्रों ने अपना करियर बनाया है। ये कोर्स न सिर्फ आपकी जिंदगी में बदलाव ला सकते हैं। बल्कि परिवार और समाज में आप अपनी एक अलग पहचान बना सकते हैं। लेकिन एक बात का ध्यान सभी छात्रों को रखना होगा कि इस क्षेत्र में पढ़ाई करने के साथ-साथ इस क्षेत्र में रुचि रखना भी बहुत ही आवश्यक है।

'फ्रीलांसिंग' से करें कमाई

हर व्यक्ति अपनी जिंदगी में नई ऊंचाइयों को छूना चाहता है और इसके लिए वह अथक प्रयास भी करता है। हालांकि, हर इंसान अपनी सहूलियत व रुचि के आधार पर अपने करियर को चुनता है।

मसलन, कई लोग खुद को नौ से पांच की जॉब में फिट नहीं कर पाते हैं या फिर उन पर घर-परिवार की इतनी जिम्मेदारियां होती हैं कि उनके लिए घर से बाहर निकलकर जॉब करना संभव नहीं होता है। वहीं दूसरी ओर उन्हें फाइनांशियल आजादी के साथ-साथ एक बेहतरीन करियर भी चाहिए होता है।

ऐसे में सबसे अच्छा ऑप्शन होता है फ्रीलांसिंग करना। राइटिंग से लेकर वैब डिजाइनिंग तक, मेकअप से लेकर वॉयस ओवर आर्टिस्ट तक ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिसमें आप बतौर फ्रीलांसर अपने पैर जमा सकते हैं।

किसी एक क्षेत्र को चुनें

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि आज के क्षेत्र में ऐसे कई करियर ऑप्शन हैं, जिनमें आप बतौर फ्रीलांसर वर्क कर सकते हैं लेकिन अगर आपने फ्रीलांसिंग करने की ठानी है तो ऐसे में आपको एक साथ मल्टीपल एरिया में काम ढूंढने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

बेहतर होगा कि आप अपनी पसंद व स्किल्स को ध्यान में रखकर किसी एक करियर ऑप्शन को ही चुनें। इससे आप एक प्रोफैशनल फ्रीलांसर के रूप में खुद को स्थापित कर पाएंगे। साथ ही, आपको बेहतर तरीके से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी, क्योंकि आप अधिक फोकस्ड होंगे।

यूं चुनें अपने लिए 'करियर'

इंटरनैट पर हमेशा नए-नए करियर विकल्प आते रहते हैं, बस जरूरत है आपको उस ओर ध्यान देने की क्योंकि कई बार होता है कि हमें सिर्फ सीमित करियर विकल्प के बारे में पता होता है जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, मैनेजर आदि और हम उसी आधार पर अपना फैसला

लेते हैं पर जब इंटरनैट पर सर्च करेंगे तो पाएंगे के एक ही क्षेत्र में कई सारे करियर विकल्प मौजूद हैं और हो सकता है उसमें से कुछ आपको पसंद भी आ जाए।

आप इंटरनैट से यह भी जान सकते हैं कि आप जो बनना चाहते हैं, वह बनने के बाद आप पर कौन सी जिम्मेदारियां आएंगी, आपको कौन-कौन सा काम करना होगा, वह बनने के लिए कौन-सा कोर्स करना होगा, उस काम में कौन- कौन-सी स्किल्स (सॉफ्ट स्किल और हार्ड स्किल) की जरूरत पड़ेगी, आदि।

करियर गाइडेंस की किताबें पढ़ें

इंटरनैट पर आपको बहुत सारा ज्ञान मिल जाएगा, इसमें कोई शक नहीं है पर इंटरनैट पर कुछ कंटेंट अधूरे भी होते हैं, और कई बार ऐसे कंटेंट को पहचान पाना भी मुश्किल होता है।

ऑनलाइन जितने भी कंटेंट लिखें जाते हैं, वह सिर्फ विभिन्न स्रोतों से जानकारी लेकर उसे अपने शब्दों में लिख देते हैं। यह भी बुरा नहीं होता है, आपको अगर सिर्फ संक्षिप्त जानकारी चाहिए तो ये एक अच्छा स्रोत है लेकिन आप अगर किसी चीज के प्रति गंभीर हैं, उसकी विस्तार से जानकारी चाहते हैं, लेखक का अनुभव और राय जानना चाहते हैं तो फिर आप उस क्षेत्र की किताब पढ़ें।

फिर मिलेगा विदेशी निवेशकों का प्यार

10 साल पुराना रिकॉर्ड कर रहा इंतजार !

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। ब्याज दर परिदृश्य को लेकर अनिश्चितता के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सतर्क रुख अपनाया है और जनवरी के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में करीब 3,900 करोड़ रुपए लगाए हैं। इससे पहले पूरे दिसंबर महीने में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 66,134 करोड़ रुपए डाले थे। वहीं नवंबर में एफपीआई ने शेयरों में 9,000 करोड़ रुपए का निवेश किया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने अबतक (12 जनवरी तक) भारतीय शेयरों में शुद्ध रूप से 3,864 करोड़ रुपए का निवेश किया है। सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या मौजूदा साल में विदेशी निवेशकों के निवेश का 10 साल पुराना रिकॉर्ड टूट पाएगा? इसका प्रमुख कारण ये है कि उस साल 2.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश आया था। तब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार केंद्र की सत्ता अपने हाथों में ली थी। इस बार वो लगातार तीसरी बार देश की सत्ता अपने हाथों में लेने के प्रयास में जुटे हैं। दुनिया की नजर इस चुनाव पर होगी। ऐसे में निवेशक नतीजों के बाद ही अपने रुख को तय करेंगे। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर जनवरी की शुरूआत कैसी हुई है। और आने वाले समय निवेशकों का रुख कैसा देखने को मिल सकता है।

सतर्क है विदेशी निवेशक

मॉर्निंगस्टार इनवेस्टमेंट एडवाइजर इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर-मैनेजर रिसर्च हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि निवेशकों के निवेश का मौजूदा रुख मुनाफावसूली की वजह से है, क्योंकि भारतीय शेयर बाजार इस समय अपने लाइफ टाइम हाई पर पर है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा ब्याज दर परिदृश्य को लेकर अनिश्चितता की वजह से भी एफपीआई किनारे पर हैं और वे निवेश का कोई निर्णय लेने से पहले इंडीकेटर का वेट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगातार जारी जियो पॉलिटिकज टेंशन की वजह से भी एफपीआई निवेश निर्णय लेते समय सतर्कता बरत रहे हैं।

बांड बाजार में कितना निवेश

इस बीच, आंकड़ों से पता चलता है कि लोन या बॉन्ड बाजार को लेकर एफपीआई का आकर्षण बना हुआ है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई बॉन्ड बाजार में 7,912 करोड़ रुपए का निवेश किया। इसका मतलब है कि मौजूदा महीने में इक्विटी और बांड को मिलाकर विदेशी निवेशकों ने 9034 करोड़ रुपए का निवेश कर दिया है। इससे पहले एफपीआई ने दिसंबर में बॉन्ड बाजार में 18,302 करोड़ रुपए, नवंबर में 14,860 करोड़ रुपए और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था।

पिछले साल कुल कितना निवेश

अगर बात बीते साल की करें तो विदेशी निवेशकों ने इक्विटी और बांड मार्केट में काफी निवेश किया था। इक्विटी निवेश की बात करें तो 1,71,107 करोड़ रुपए देखने को मिला। वहीं डेट मार्केट में निवेशकों ने पिछले साल कुल 68,663 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इसका मतलब है कि इक्विटी और डेट मार्केट में निवेशकों ने कुल 2,37,062 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इससे पहले आखिरी बार 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कुल निवेश साल 2017 में देखने को मिला था। उस साल डेट में सबसे ज्यादा 148808 करोड़ और इक्विटी में 51252 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था।

नहीं टूटा साल 2014 का रिकॉर्ड

वैसे बीते 10 साल में साल 2023 का डाटा दूसरा सबसे बेहतरीन निवेश था। बीते 22 साल में साल 2014 में सबसे ज्यादा विदेशी निवेश देखने को मिला था। तब 2.50 लाख करोड़ रुपए का निवेश देखने को मिला था। उस दौरान डेट मार्केट में 1,59,152 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था। वहीं इक्विटी मार्केट में 97,059 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। जानकारों की मानें तो इस साल चुनाव होने वाले हैं। चुनाव के नतीजों को देखने के बाद विदेशी निवेशक अपने निवेश का रुख तय करेंगे। अगर इस साल भी देश में मजबूत सरकार बनती है तो साल 2014 का रिकॉर्ड भी टूट सकता है।

करोड़ों की कमाई करते हैं एप्पल के सीईओ टिम कुक, 2023 में इतनी मिली सैलरी, कंपनी ने किया खुलासा

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक एप्पल के सीईओ टिक कुक की सैलरी कितनी है, इसका खुलासा कंपनी ने हाल ही में किया है। एप्पल हर साल सीईओ को दी गई सैलरी का आंकड़ा जारी करती है। साल 2023 में भी कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को मोटी सैलरी दी गई है, लेकिन यह फिर भी 2022 के मुकाबले बेहद कम है। जानते हैं कि साल 2023 में टिम कुक की कितनी कमाई हुई है।

2023 में टिम कुक की हुई कितनी कमाई?

एप्पल द्वारा अमेरिकन एक्सचेंज को दी गई जानकारी के मुताबिक टिम कुक को 2023 में कुल 3 मिलियन डॉलर यानी 25 करोड़ रुपये सैलरी के रूप में दिए गए हैं, जो कि साल 2022 और 2021 के समान ही है। इसके साथ ही टिम कुल को पिछले साल स्टॉक अवार्ड के रूप में 46,970,283 डॉलर यानी कुल 389.25 करोड़ रुपये के शेयर दिए गए थे।

इसके अलावा उन्हें नॉन-इक्विटी इंसेंटिव का 10,713,450 डॉलर यानी 88.78 करोड़ रुपये और अन्य कंपनसेशन के रूप में 2,526,112 डॉलर यानी 20.93 करोड़ रुपये मिले हैं। ऐसे में एप्पल के सीईओ की वर्ष 2023 में कुल कमाई 63,209,845 डॉलर यानी 523.83 करोड़ रुपये के आसपास है। वहीं साल 2022 में यह 99,420,097 डॉलर यानी 823.91 करोड़ रुपये के आसपास थी। ऐसे में टिम कुक की सैलरी में पिछले एक साल में 36 फीसदी की कमी दर्ज की गई है।एप्पल ने अपनी फाइलिंग में जानकारी दी है कि टिम कुक को साल 2023 में कुल 63,209,845 डॉलर सैलरी और कंपनसेशन के रूप में दिए हैं। इसके अलावा कंपनी ने अपने अन्य सीनियर अधिकारियों की सैलरी का खुलासा भी किया है। एप्पल की सीएफओ लुका मेस्त्री को साल 2023 में 26,935,883 डॉलर की कमाई हुई है। इसके अलावा एप्पल की जनरल काउंसल एवं सेक्रेटरी केट एडम को 26,941,705 डॉलर की कमाई 2023 में हुई है।

19 साल किया काम,केवल एक ईमेल के जरिए गूगल ने नौकरी से निकाला, कर्मचारी ने बताई पूरी कहानी

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। 2023 में शुरू हुआ छंटनी का सिलसिला 2024 में भी जारी है। विश्व की दिग्गज कंपनियों में से एक गूगल ने हाल ही में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया है और अब वह कई एंप्लाइज को बाहर का रास्ता दिखा रही है। हाल ही में गूगल की छंटनी का शिकार हुए एक एंप्लाई ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द बयान किया है।

कर्मचारी ने बताया कि 19 साल तक कंपनी में सेवा देना भी उसके काम नहीं आया है और कंपनी ने उसे केवल एक रात में ही नौकरी से निकाल दिया है।

एंप्लाई ने बताई आपबीती

केविन बौरिलियन पिछले 19 साल से गूगल में बतौर सॉफ्टवेयर इंजीनियर काम कर रहे थे। एक दिन अचानक सुबह यह जानकारी मिली कि कंपनी ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया है। इसकी जानकारी उन्होंने एक्स पर देते हुए बताया कि एक युग का अंत हो गया है! गूगल में 19 सालों तक लगातार काम करने के बाद, जिस टीम की स्थापना मैंने की थी, उसके 16 से अधिक लोगों को मेरे साथ ही एक रात में ही अचानक नौकरी से निकाल दिया है। वैसे तो छंटनी दर्दनाक होती है, लेकिन मेरे मामले में यह ठीक है, क्योंकि मुझे लंबे वक्त से बदलाव की जरूरत थी। ऐसे में छंटनी के बाद मेरे पास अब वक्त ही वक्त है। मैं जल्दी कोई नई नौकरी नहीं करूंगा और अपना सारा समय साइकलिंग, किताब पढ़ने, ड्रम सीखने और परिवार के साथ बिताऊंगा।

19 साल दी गूगल को अपनी सेवा

केविन बौरिलियन के लिनकएडइन प्रोफाइल के मुताबिक, उन्होंने गूगल में कुल 19 साल और 4 महीने तक अपनी सेवाएं दी है। उन्होंने आगे गूगल के स्टाफ को अपना धन्यवाद देते हुए कहा कि मुझे जो भी चीजें मुझे मिली है उसे मैं आशीर्वाद के रूप में देखता हूं। मुझे इस छंटनी पर किसी तरह की सहानुभूति की आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने आशा जताई और कहा कि आगे की जिंदगी कैसे जीना है, इसके बारे में मैं सोच रहा हूं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मकर	में
चंद्र-	कुंभ	में
मंगल	धनु	में
बुध-	धनु	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	वृश्चिक	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
मकर..	06-53	बजे
कुंभ...	08-43	बजे
मीन ..	10-21	बजे
मेष--	11-57	बजे
वृष--	13-42	बजे
मिथुन..	15-42	बजे
कर्क...	17-54	बजे
सिंह...	20-07	बजे
कन्या..	22-13	बजे
तुला....	00-18	बजे
वृश्चिक	02-29	बजे
धनु.....	04-46	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कति वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-53
सूर्यास्त. -17-57
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - कांच में मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- पंचमी - 02 -16 - तक उपरान्त षष्ठी
मास - पौष शुक्ल पक्ष, सोमवार 15 January
नक्षत्र - शतभिषा - 08 - 06 - तक उपरान्त पूर्वभाद्रपद
योग - वरीयान - 23 - 10 - तक उप परिघ
करण- बव - 08 -00 - तक उप- बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - मकर संक्रांति पुण्यकाल:

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:01 से 12:24 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:53 - 08:14	शुभ	रोग	17:57 - 19:35	अशुभ
लाभ	08:14 - 09:37	शुभ	काल	19:35 - 21:11	अशुभ
अमृत	09:37 - 11:01	शुभ	लाभ	21:11 - 22:48	शुभ
काल.	11:01 - 12:24	अशुभ	उत्पात	22:48 - 24:24	अशुभ
शुभ.	12:24 - 13:48	शुभ	शुभ	24:24 - 02:01	शुभ
रोग	13:48 - 15:11	अशुभ	अमृत.	02:01 - 03:37	शुभ
उत्पात	15:11 - 16:35	अशुभ	चंचल	03:37 - 05:14	शुभ
चंचल	16:35 - 17:57	शुभ	रोग	05:14 - 06:53	अशुभ

इस देश के टेलीकॉम सेक्टर पर कब्जा करेंगे अंबानी, इन कंपनियों से है टक्कर

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्री की टेलीकॉम कंपनी जियो का इंडियन टेलीकॉम मार्केट में जलवा कायम है। वह मोबाइल नेटवर्क सेगमेंट से फाइबर मार्केट में भी अपना कारोबार तेजी से फैला रही है। स्टेटिस्टा की रिपोर्ट के मुताबिक, 30 जून 2023 तक रिलायंस जियो के पास भारत में फिक्स्ड-लाइन टेलीकॉम ऑपरेटरों की 32.83% बाजार हिस्सेदारी थी। वित्तीय वर्ष 2023 में जियो की वायरलेस सब्सक्राइबर बाजार में सबसे अधिक हिस्सेदारी 36% से अधिक थी। भारत में अपना कारोबार विस्तार कर चुकी यह कंपनी अब इंडिया से बाहर भी टेलीकॉम सेक्टर में अपना लोहा मनवाने के लिए तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स ने सरकारी स्वामित्व वाली टेलीकॉम कंपनी श्रीलंका टेलीकॉम पीएलसी में हिस्सेदारी खरीदने की इच्छा जताई है।

3 कंपनियों ने दिखाई है दिलचस्पी

आर्थिक रूप से जूझ रही श्रीलंकाई सरकार फंड जुटाने के लिए अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों का प्राइवेटाइजेशन करना चाह रही है। कोलंबो ने 10 नवंबर से संभावित निवेशकों से प्रस्ताव आमंत्रित किए थे। 12 जनवरी की समय सीमा समाप्त होने के बाद श्रीलंकाई सरकार ने एक प्रेस रिलीज जारी की, जिसमें जियो प्लेटफ़ॉर्म, गोट्र्यून इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट होल्डिंग लिमिटेड और पेटीगो कॉमर्सियो इंटरनेशनल एलडीए को तीन संभावित बीडर्स का नाम बताया और कहा कि जल्द इस मामले में पूरी जानकारी सामने की जाएगी।

जियो प्लेटफॉर्म्स का वैल्यूएशन?

बता दें कि श्रीलंका में टेलीकॉम के साथ जियो पड़ोसी देश के बाजार में रणनीतिक पैर जमाने पर नजर गड़ाए हुए है। ब्रोकरेज कंपनी बीओएफए ने जियो प्लेटफॉर्म्स की वैल्यूएशन 107 अरब डॉलर आंकी है। बोफा ने एक नोट में कहा कि उसे उम्मीद है कि जियो प्लेटफॉर्म्स इस साल अपने एडवांस फीचर फोन जियोभारत और वायरलेस ब्रॉडबैंड डिवाइस जियोएयरफाइबर के साथ मार्केट में गहरी पैठ बनाते हुए नए ग्राहकों को जोड़ना जारी रखेगा।

महंगाई कंट्रोल करने के लिए सरकार कर रही काम

2022 में ही हो गई थी शुरुआत

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार देश में महंगाई कम करने और आम जनता के जेब से बोझ हटाने के लिए हर संभव कोशिश करने में लगी हुई है। इसके लिए दूसरे मुल्कों से बातचीत करनी हो या फिर भारत में फूड प्रोडक्ट के संकट से बढ़ती महंगाई को कम करना हो। भारत सरकार वह हर काम कर रही है, जिससे की देश में तरक्की की नई कहानी लिखी जा सके। मोदी सरकार देश के नागरिकों के अच्छे दिन के लिए दिन रात काम कर रही है। कुछ महीना पहले केंद्र सरकार ने गेहूं, चावल और चीनी के निर्यात पर पाबंदी लगा दी थी। इससे व्यापारियों को नुकसान हो रहा है, लेकिन इंडिया से बाहर माल नहीं जाने पर वह देश की जनता को उचित कीमत पर उपलब्ध हो जा रहा है। इससे अचानक से महंगाई आसमान नहीं छू रही है।

बैन हटाने का कोई इरादा नहीं

कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि सरकार के सामने फिलहाल गेहूं, चावल और चीनी के निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाने का कोई भी प्रस्ताव नहीं है।गोयल ने कहा कि भारत का गेहूं और चीनी के आयात का भी कोई इरादा नहीं है। गेहूं, चावल और चीनी पर निर्यात प्रतिबंध हटाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। इसके साथ ही भारत गेहूं और चीनी का आयात नहीं करेगा।

एक साल से लगा है बैन

भारत ने घरेलू स्तर पर बढ़ती कीमतों पर काबू पाने के लिए मई 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद जुलाई, 2023 से गैर-बासमती चावल के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा हुआ है। सरकार ने अक्टूबर 2023 में चीनी के निर्यात पर भी रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया था। उन्होंने यह भी कहा कि गेहूं और चीनी के आयात की न तो कोई योजना है और न ही इसकी कोई जरूरत है। भारत गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बावजूद अपने मित्र देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों के लिए चावल उपलब्ध करा रहा है।

भारत ने इंडोनेशिया, सेनेगल और गाम्बिया जैसे देशों को चावल उपलब्ध कराया है।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपने हाल ही में जो कड़ी मेहनत की है , उसकी हर दिशा से सराहना होगी । आपको एक बोनस या एक लंबे समय से वेतन वृद्धि की चाह थी वो पूरी हो सकती है । आपको एक अच्छे वित्तीय अवसर की पेशकश भी की जा सकती है , जिसकी अपेक्षा आपको नहीं थी । हालाँकि ये एक बहुत बड़ा नहीं है , परन्तु यह संतोष की एक अच्छी भावना के रूप में आप में भर जाएगा।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज का दिन नौकरी से संबंधित कार्यो के लिए काफी अनुकूल है। आपने हमेशा से ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य किया है और अतीत में, हालाँकि आपको उतना फल नहीं मिला , लेकिन अब भाग्य आपके लिए स्थितियां अनुकूल करेगा । आपकी काफी सारी परियोजनाए सफलता के साथ फलित होंगी ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपके प्रतियोगी आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे , लेकिन आपकी विस्फोटक आत्मविश्वास की भावना आपको अपराजेय रखेगी । इस समय आप अपना विनम्र स्वाभाव बंद करे ताकि कोई आपका अनुचित लाभ न ले । आपको कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है जिसका इंतजार आप लम्बे समय से कर रहे थे ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढ़ंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है । इस समय आपको अपने करियर को नियंत्रण में लेने की जरूरत है

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

कुछ बड़ी चीजे आपके कार्य क्षेत्र में आपका इंतजार कर रही है । आपको कुछ समय से अपने कार्य के प्रति प्रशंसा नहीं मिल रही थी ,ये पूरी तरह से आज गायब हो जाएगा और आपको उच्च वेतन और अधिक भत्तों के साथ एक दूसरी जगह नौकरी मिल सकती है जो आपकी सोच से परे थी , हालांकि इस नौकरी के लिए आपका स्थानांतरण हो सकता है।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये ! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप अपनी नौकरी से संबंधित अच्छी खबर प्राप्त कर सकते है । यह एक पदोन्नति , वेतन वृद्धि , एक नई जिम्मेदारी , एक नया इच्छित स्थान , एक अलग कंपनी से नौकरी या प्रस्ताव का परिवर्तन हो सकता है। आप कम समय में अपने आप को तैयार रखे। । यह टेलीफोन पर या सन्देश के माध्यम से भी किया जा सकता है ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपको नयी नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है जो की आपके क्षेत्र से अलग होगा । आपको दोनों क्षेत्रो को आपस में तोलना होगा ताकि आप सही करियर का निर्णय ले सके , हालाँकि ये आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होगा पर आप पूरी तरह से अपना कार्य क्षेत्र को न बदले । आप अपने परिवार या अपनी जीवन संगिनी का मत भी ले सकते है की कौन सा कार्य क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त रहेगा ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

जो लोग विलासिता के सामान के व्यवसायों में शामिल हैं , वे लोग आज बहुत लाभ में रहेंगे और साथ ही साथ जो लोग स्वरोजगार में हैं , वे भी अपनी दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं और साथ ही साथ मन वांछित राशि की प्राप्ति कर सकते हैं। उन लोगों पर ध्यान न दें जो लोग आपकी सराहना करने में विफल रहते हैं, बस अपनी विशेषज्ञ कौशल से लाभ प्राप्त करने की इच्छा रखने वालो के महत्व को आप स्वीकार करें ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपका धैर्य , कर्तव्य और जिम्मेदारी की अपनी भावना आपके रास्ते में आ रही सभी बाधाओं को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी । आपको अपने हास्य क्षमता को जागृत करना होगा ताकि आपका कार्य क्षेत्र में एक अच्छे माहौल का निर्माण हो सके जिससे की आप आराम से अपने कार्य को कर सके ।दिन के अंत में एक गंभीर वित्तीय लाभ का मौका आपको मिल सकता है।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर , रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है । अगर आप इस काम को सही ढंग से कर पायेंगे तो ये आपको उस मंजिल तक ले जा सकता है।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपके नए व्यापार विचार जो आपने सुझाये थे वे अब फल देने लगेंगे । आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच सकते है। यह अपने दम पर कुछ करने के लिए सबसे अच्छा समय है। संभावना है कि आप इस समय अपने नए व्यापार के लिए पर्याप्त वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होंगे । आपको इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए विदेश में से किसी के साथ साझेदारी में काम करना पड़ सकता है।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बजट में ऐसा क्या हो इस बार

जो हर कोई बोले 'आजा मेरी गाड़ी में बैठ जा'

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बजट 2024 आने मे बस कुछ ही दिन बचे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनकी टीम कुछ दिन के लिए नॉर्थ ब्लॉक में 'लॉक-इन' हों, उससे पहले कई इंडस्ट्रीज को इस साल के अंतरिम बजट से बहुत उम्मीद है। खासकर के ऑटो इंडस्ट्री को, जहां पेट्रोल से बैटरी ऑपरेटेड व्हीकल पर ट्रांजिशन का दौर चल रहा है, कंपनियां पार्ट्स की कमी से जूझ रही हैं, ग्राहकों को डिलीवरी में देरी हो रही है और ईवी की सेल बूस्ट नहीं हो पाई है। ऐसे में इस बार बजट में ऐसा क्या हो कि हर कोई बोले... 'आजा मेरी गाड़ी में बैठ जा देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल की सेल बढ़ाने के लिए सरकार पहले से कई काम कर रही है। इसमें सब्सिडी, इनकम टैक्स में छूट और मैन्यूफैक्चर कंपनियों को पीएलआई स्कीम का फायदा शामिल है। लेकिन इनकी सेल बढ़ तो रही है लेकिन देश में बिकने वाले टोटल वाहनों में इनकी हिस्सेदारी जस की तस है।इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर को अगर हम सेगमेंट के हिसाब से देखें तो 2-व्हीलर्स की ना सिर्फ सेल बढ़ी है। बल्कि इनका फैलाव देश के छोटे शहरों तक भी हो चुका है। लेकिन 4-व्हीलर सेगमेंट में अभी ऐसी सफलता नहीं मिली है। लोगों के पास लिमिटेड ऑप्शन हैं और ये बहुत हद तक बड़े शहरों तक ही सीमित है। देश के कुल कारों की सेल में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की हिस्सेदारी अब भी 1 प्रतिशत ही है। इसकी बड़ी वजह चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी, लोगों के अंदर रेंज को लेकर भरोसे की कमी और इलेक्ट्रिक कारों की कीमत बहुत ज्यादा होना है। इंडस्ट्री को क्या करना होगा? अगर ऑटो इंडस्ट्री पेट्रोल-डीजल से इलेक्ट्रिक पर शिफ्ट होना चाहती है। तो उसे नई टेक्नोलॉजी, बैटरी मैटेरियल और बेहतर बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम पर काम करना होगा। ताकि रेंज एंजाइटी और हाई-प्राइस जैसे मुद्दों से निपटा जा सके।

विप्रो की वजह से बनी इंफोसिस, नारायण मूर्ति को नहीं दी थी नौकरी

गलती स्वीकार चुके हैं अजीम प्रेमजी

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। इंफोसिस के सह संस्थापक नारायण मूर्ति ने बताया है कि उन्हें विप्रो ने नौकरी देने से मना कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अपने छह मित्रों के साथ मिलकर इंफोसिस की स्थापना की। विप्रो के पूर्व चेयरमैन अजीम प्रेमजी ने इस बात को स्वीकारा था। उन्होंने कहा था कि नारायण मूर्ति को नौकरी न देना विप्रो की सबसे बड़ी गलतियों में से एक थी।

अजीम प्रेमजी ने इसे विप्रो की सबसे बड़ी गलती बताया था

नारायण मूर्ति ने सीएनबीसी टीवी 18 को दिए इंटरव्यू में बताया कि अजीम प्रेमजी ने उन्हें नौकरी न देने की गलती को स्वीकारा था। उन्होंने कहा था कि यदि यह गलती न हुई होती तो आज उनके सामने इंफोसिस एक चुनौती बनकर नहीं खड़ी रहती। फिलहाल इंफोसिस का मार्केट कैप 6.65 लाख करोड़ और विप्रो का 2.43 लाख करोड़ रुपये है।

नारायण मूर्ति और उनके दोस्तों ने बनाई थी इंफोसिस

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनियों में शुमार विप्रो और इंफोसिस के मुख्यालय

बेंगलुरु में ही हैं। विप्रो की स्थापना अजीम प्रेमजी के पिता एमएच हाशम प्रेमजी ने 1945 में की थी। उधर, इंफोसिस का जन्म 1981 में हुआ। कंपनी की स्थापना नारायण मूर्ति के अलावा नंदन नीलेकणि , क्रिस गोपालकृष्णन , एसडी शिबुलाल , के दिनेश , एनएस राघवन और अशोक अरोड़ा ने मिलकर की थी।

सुधा मूर्ति ने दी पहली फंडिंग, फिर भी नहीं बन सकीं कंपनी का हिस्सा

नारायण मूर्ति ने इससे पहले स्वीकारा था कि इंफोसिस की स्थापना में उनकी पत्नी सुधा मूर्ति का बड़ा योगदान है। सुधा मूर्ति ने ही कंपनी की स्थापना के 10 हजार रुपये देकर पहली फंडिंग की थी। वह हम सभी से योग्य थीं। मगर, मैंने सोच रखा था कि परिवार को कंपनी में शामिल नहीं करूंगा। इसी वजह से सुधा मूर्ति कभी भी इंफोसिस का हिस्सा नहीं बन सकीं। नारायण मूर्ति ने कहा था कि वह परिवार को लेकर उनका आदर्शवाद गलत था। यही वजह है कि उनके बेटे रोहन मूर्ति ने भी इंफोसिस ज्वाइन नहीं की। उनकी बेटी अक्षता मूर्ति की शादी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से हुई है।

इंफोसिस से पहले बनाई सोफ्ट्रॉनिक्स हो गई थी फेल

नारायण मूर्ति ने इंटरव्यू में यह भी स्वीकारा कि इंफोसिस के पहले भी उन्होंने एक कंपनी बनाई थी, जो कि चल नहीं सकी। 77 वर्षीय अरबपति ने बताया कि उन्होंने सोफ्ट्रॉनिक्स की स्थापना की थी। मगर, इसमें हम फेल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने पुणे में पटनी कंप्यूटर को ज्वाइन किया था। उन्होंने पहली नौकरी आईआईएम अहमदाबाद में की थी। उन्होंने एक बार फिर से हफ्ते में 70 घंटे काम करने के अपने विचार को सही ठहराया।

कैसी होगी भविष्य की अयोध्या : जो आप जानना चाहते हैं

प्रोजेक्ट : नव्य अयोध्या

पुरानी अयोध्या से 7KM दूर बसेगी नव्य अयोध्या

अयोध्या डेवलपमेंट अथॉरिटी साल 2047 तक ग्रीन फील्ड टाउनशिप या वैदिक सिटी बसाएगी

1400 एकड़ में ग्रीन फील्ड सिटी को 2 फेज में बसाने का प्लान है

ये सिटी अयोध्या-लखनऊ नेशनल हाईवे के दोनों तरफ होगी

वैदिक सिटी डेवलप करने के लिए 1000 करोड़ का बजट रिलीज

पहला फेज के लिए 539 एकड़ जमीन सरयू किनारे बसे माझा, माझा तिहुरा, माझा बरहटा और शाहनवाजपुर गांव से ली गई

टाउनशिप में रामायण काल के वैदिक आर्किटेक्चर बनाए जाएंगे

यहां बिजली की 70% जरूरत सोलर एनर्जी से पूरी की जाएगी

अयोध्या, 14 जनवरी (एजेंसियां)। 'अयोध्या गाइड सीरीज' की पहली तीन स्टोरी में आपने आज की अयोध्या, वहां पहुंचने के रास्ते और पहुंचकर कहां रहें-कहां जाएं जैसी चीजों के बारे में जाना। इस स्टोरी में पढ़िए कि भविष्य की अयोध्या कैसी होगी।

सबसे बड़ा प्रोजेक्ट : 1400 एकड़ में नव्य अयोध्या

सरकार ने 2047 तक अयोध्या को नव्य अयोध्या बनाने का टारगेट रखा है। इसके लिए यूपी हाउसिंग एंड डेवलपमेंट बोर्ड ने 1400 एकड़ में ग्रीन फील्ड टाउनशिप डेवलप करने का प्लान बनाया है। इसे रामायण थीम पर बसाया जाएगा। लखनऊ-फैजाबाद हाईवे के दोनों तरफ बन रही इस नई अयोध्या में स्टेट गेस्ट हाउस, नए होटल, मठ, रेसिडेंशियल अपार्टमेंट, ड्रेनेज सिस्टम, वाटर सप्लाई के साथ नए पावर स्टेशन भी बनेंगे।

नव्य अयोध्या के विजन-2047 पर म्युनिसिपल कमिश्नर विशाल सिंह बताते हैं, 'अगले 23 साल में हम अयोध्या को देश की आध्यात्मिक राजधानी बनाने पर काम कर रहे हैं। मंदिर बनने के बाद शहर में लोगों का फुट फॉल तेजी से बढ़ेगा। भीड़ को मैनेज करने के लिए हम सड़कें चौड़ी कर रहे हैं। बाहर से आने वाली सड़कों को 4 लेन किया जा रहा है।' 'आवास विकास परिषद भी एक नई सिटी बसाने पर काम कर रहा है। इस योजना में कुल 540 एकड़ की जमीन की जरूरत पड़ेगी। इसमें 90% जमीन सरयू किनारे बसे गांवों से ली गई है।'

अयोध्या में ही अयोध्या की तरह

1400 एकड़ में बन रहा नया शहर

नया शहर

नव्य अयोध्या प्रोजेक्ट में बन रही नई टाउनशिप के बारे में अयोध्या के सीनियर जर्नलिस्ट वीएन दास कहते हैं, 'ये बिल्कुल नया कॉन्सेप्ट है। शहर के अंदर नया शहर बसाया जा रहा है। इसमें पहले से तय होगा कि कितने एरिया में ग्रीनरी रहेगी, कितना भाग कॉमर्शियल लैंड के लिए रहेगा। नई अयोध्या 2 फेज में बनाई जाएगी। नवंबर में इसके पहले फेज का काम शुरू होगा।' 'नई टाउनशिप में सिर्फ भारत के राज्यों के ही नहीं, दूसरे देशों के गेस्ट हाउस भी रहेंगे। अब तक न्यू अयोध्या टाउनशिप में नेपाल, श्रीलंका और साउथ कोरिया ने अपने गेस्ट हाउस के लिए 5 एकड़ जमीन मांगी है। नव्य अयोध्या का इन्फ्रास्ट्रक्चर पुराने शहर से बिल्कुल अलग होगा। इससे अयोध्या के साथ-साथ यूपी की इकोनॉमी भी मजबूत होगी।'

70 किमी लंबा रिंग रोड

जिला प्रशासन राम मंदिर उद्घाटन के बाद टूरिस्ट अट्रैक्शन बढ़ाने पर भी काम कर रहा है। इसके लिए 70 किमी लंबा आउटर रिंग रोड बन रहा है। 3,935 करोड़ रुपए की लागत से बन रही ये सड़क यूपी के 3 जिले अयोध्या, बस्ती और गोंडा से गुजरेगी। रिंग रोड बनने के बाद अयोध्या आने वाला ट्रैफिक पहले से कहीं ज्यादा स्मूथ हो जाएगा। अयोध्या के डीएम नीतीश कुमार कहते हैं, 'प्रस्तावित रिंग रोड के लिए अयोध्या के 36, गोंडा के 11 और बस्ती जिले के 13 गांवों से जमीनें ली गई है। जिन किसानों के जमीनें गई हैं, उनमें से 80% का पेमेंट हो चुका है। नेशनल हाईवे इंस्टीट्यूट के डीपीआर अप्रूवल के बाद रिंग रोड का काम शुरू कर देंगे।'

37 करोड़ रुपए में मल्टीलेवल पार्किंग

राम मंदिर उद्घाटन के बाद शहर में आने वाले वाहनों के लिए 37.08 करोड़ रुपए की लागत से मल्टीलेवल पार्किंग बनाई जा रही हैं। एक पार्किंग साकेत पेट्रोल पंप के पास है। बाकी 2 टेड़ी बाजार के पास हैं। इनके निर्माण का काम 95% हुआ है। 22 जनवरी, 2024 से पहले इन्हें पूरा करना है, इसीलिए दिन-रात काम चल रहा है। इन पार्किंग में 282 फोर-व्हीलर और 300 बाइक पार्क हो सकेंगी। इसी में 20 से 25 दुकानें और कैंटीन भी होंगी। म्युनिसिपल कमिश्नर विशाल सिंह कहते हैं, 'राज्य स्मार्ट सिटी योजना में हमारा फोकस शहर में 5 मल्टीलेवल पार्किंग बनाने, पब्लिक टॉयलेट के साथ-साथ लोगों को ठहरने की सुविधाएं देने पर है। अयोध्या के आध्यात्मिक और पौराणिक महत्व को बरकरार रखने लिए पुराने मठ और धर्मशालाओं का रिनोवेशन किया जा रहा है।'

जिला प्रशासन सरयू किनारे डेवलपमेंट के लिए पुराने घाटों का रिनोवेशन करवा रहा है। राम की पैड़ी पर विजिटर्स गैलरी, राम की पैड़ी से राजघाट तक और राजघाट से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक श्रद्धालु भ्रमण पथ बनवा रहा है। गुप्तार घाट पर जटायु क्रूज की रिपेयरिंग और सजावट का काम चल रहा है। जल्द ही इसे राम की पैड़ी तक चलाया जाएगा।

ताज ग्रुप 5 स्टार होटल खोलेगा

राम मंदिर बनने के बाद कई बड़ी होटल चेन भी अयोध्या आ रही हैं। गोंडा और अयोध्या के बीच ताज ग्रुप ने फाइव स्टार होटल बनाने के लिए जमीन ली है। इसमें 100 कमरे वाला विवांता और 120 कमरों वाला जिंजर होटल खोला जाएगा। पुष्पराज चौराहे पर रेडिसन का पार्क इन होटल खुल चुका है। हमने अयोध्या में बन रहे नए होटलों के बारे में रीजनल टूरिज्म ऑफिसर आरपी यादव से बात की। वे कहते हैं, 'अयोध्या में 8 से 10 होटल बन चुके हैं। पूरे अयोध्या में अभी करीब 20 रजिस्टर्ड होटल हैं, जो टूरिस्ट बुकिंग ले रहे हैं।'

अगले 2 साल में होने वाले डेवलपमेंट

एयरपोर्टः 30 दिसंबर, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। 6 जनवरी को यहां से दिल्ली के लिए रेगुलर फ्लाइट शुरू हो गई है। 15 जनवरी से मुंबई और 16 जनवरी से अहमदाबाद के लिए फ्लाइट शुरू होगी। एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने 2 साल में इस एयरपोर्ट को देश के 80 बड़े शहरों से जोड़ने का टारगेट रखा है। रीजनल टूरिज्म ऑफिसर आरपी यादव बताते हैं, 'फ्लाइट सर्विस के बाद जल्द ही काशी से अयोध्या तक हेलीकॉप्टर सुविधा शुरू की जाएगी। अभी इस प्रोजेक्ट पर पवन हंस कंपनी से बात चल रही है। अप्रूवल मिलते ही हेलीकॉप्टर से अयोध्या आ सकेंगे।' अयोध्या धाम रेलवे स्टेशनः रेलवे स्टेशन के रिनोवेशन के बाद इसे अयोध्या धाम जंक्शन नाम दिया गया है।

मालगाड़ी का इंजन हुआ डीरेल यातायात रहा प्रभावित

यात्री हुए हलकान, एक महीने में दूसरा रेल हादसा

बालोद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बालोद जिले में महीने भर में दूसरा रेल हादसा हुआ है दल्लीराजहरा रेल्वे स्टेशन में मालगाड़ी ले जाने वाली इंजन पटरी से डिरेल हो गई जिसके कारण ट्रैक क्रमांक 1,2,3 प्रभावित हो गया और बस्तर अंचल से राजधानी को जोड़ने वाला ट्रेन प्रभावित हुआ है। आपको बता दें कि इंजन के डिरेल होने से आज सुबह अंतागढ़ से दुर्ग जाने वाली पैसेंजर ट्रेन के यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, हादसा कल देर रात करीब एक बजे की बताई जा रही है अब युद्ध स्तर पर ट्रैक को सुधारने का कार्य किया जा रहा है। आपको बता दें कि हादसे की वजह से पैसेंजर ट्रेन प्लेटफार्म में न रुककर ट्रेक क्रमांक चार में रुकी जिसके कारण यात्रियों को ट्रेन तक जाने के लिए ट्रेक चार में जाना पड़ा जिसके कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार अभी तक हादसे का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है परंतु एक महीने के समय में यह दूसरा रेल हादसा है हालांकि अभी तक किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई है पर नुकसान का आंकड़ा लगाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में भूकंप के झटके महसूस हुए

बिलासपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए हैं। रविवार दोपहर दो बजकर 18 मिनट पर भूकंप आया है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 रही। इसकी जानकारी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की ओर से दी गई है। भूकंप से कहीं कोई नुकसान नहीं हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक दोपहर 12.55 से 1 बजे के बीच गौरेला-पेंड्रा मरवाही समेत मध्य प्रदेश के अमरकंटक और अनूपपुर जिले की सीमा से लगे गांवों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र बिलासपुर से करीब 50 किलोमीटर उत्तर में सिलपहरी, डांडजमड़ी के बीच था। यह भूकंप का नया केंद्र रिकॉर्ड किया गया है।

भूकंप का केंद्र भूतल से करीब 5 किलोमीटर गहराई में दर्ज किया गया है। यहां से अमरकंटक हिल रेंज की सीमाएं शुरू होती हैं। छत्तीसगढ़ के कोरबा, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से होकर फॉल्ट लाइन गुजरती है, जिसमें पहले भूकंप के कई केंद्र रिकॉर्ड किए जा चुके हैं। 19 दिन पहले भी छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.3 नापी गई थी। दोपहर 2.50 बजे भूकंप आया था। इसका केंद्र 132 किलोमीटर दूर मध्यप्रदेश के सिंगरौली में था। हालांकि 3.3 की तीव्रता अधिक नहीं मानी जाती है।

सिब्बल से गुलाम नबी आजाद तक...

कांग्रेस के वो साथी जो बिछडे बारी-बारी

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। एक तरफ कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी को हराने का दावा कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ खुद के लोग ही साथ छोड़ते जा रहे हैं। सबसे पुरानी पार्टी की सुबह एक बड़े झटके के साथ हुई। राहुल गांधी के करीबी कहे जाने वाले मिलिंद देवड़ा ने पार्टी के साथ छोड़ने का एलान कर दिया। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के शुरू होने से कुछ घंटे पहले ये खबर मिलने से कांग्रेस तिलमिला उठी है। आम चुनाव से ठीक पहले मिलिंद देवड़ा जैसे बड़े नेता का पार्टी को छोड़ना कांग्रेस काफी नुकसान पहुंचा सकता है। खास बात ये है कि देवड़ा कांग्रेस छोड़कर जाने वाले पहले और आखिरी नेता नहीं हैं। बीते कुछ समय में पार्टी से मिलिंद समेत 11 बड़े नेता अपना मुंह मोड़ चुके हैं।

यह नाम आज सुबह से काफी सुर्खियां बटोर रहा है। मिलिंद देवड़ा ने रविवार को सोशल मीडिया पर कांग्रेस से इस्तीफा देने का एलान किया। देवड़ा ने कुछ समय पहले ही उद्धव ठाकरे गुट द्वारा मुंबई दक्षिण सीट से चुनाव लड़ने का दावा करने पर नाराजगी व्यक्त की थी। तभी से खबरें आ रही थी कि वह पार्टी से इस्तीफा दे देंगे। हालांकि उस समय उन्होंने इन खबरों को मात्र अफवाह बताया था। पर आखिरकार 14 जनवरी को भारत न्याय जोड़ो यात्रा के शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही उन्होंने कांग्रेस को बड़ा झटका दे दिया।

कपिल सिब्बल : कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल इस सूची में दूसरे नंबर पर आते हैं। सिब्बल ने 16 मई 2022 को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि उन्होंने अपने इस्तीफे के एक हफ्ते बाद इसकी घोषणा की थी। उन्होंने बाद में समाजवादी पार्टी की तरफ से राज्यसभा सांसद के तौर पर नामांकन भरा था।

गुलाम नबी आजाद : कांग्रेस के दिग्गज नेता गुलाम नबी आजाद ने भी साल 2022 में पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। सबसे पुरानी पार्टी के लिए यह एक बहुत बड़ा झटका था। गुलाम नबी की नाराजगी तब सामने आई थी, जब उन्होंने अभियान समिति का अध्यक्ष बनाए जाने के कुछ घंटों बाद ही पद से इस्तीफा दे दिया था। सोनिया गांधी चाहती थीं कि कांग्रेस जम्मू कश्मीर में आजाद के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़े। इसलिए उन्हें चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। नबी ने पद मिलने के कुछ घंटों के बाद ही स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से उन्हें लेकर राजनीतिक गलियारों में तमाम कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि, बाद में उन्होंने अब जम्मू-कश्मीर में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के नाम से अपना दल बना लिया।

हार्दिक पटेल : गुजरात के पाटीदार नेता हार्दिक पटेल ने मई 2022 में कांग्रेस छोड़ दी थी। राहुल गांधी हार्दिक को 2019 में पार्टी में लेकर आए थे। हार्दिक पटेल ने अपने त्याग पत्र में लिखा था कि पार्टी के ज्यादातर बड़े नेता अपने फोन में ही व्यस्त रहते हैं। अपने त्याग पत्र के बाद वह भाजपा में शामिल हो गए थे।

अश्विनी कुमार : पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार ने पंजाब चुनाव से कुछ दिन पहले फरवरी 2022 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने पार्टी प्रमुख को पत्र लिखकर इस्तीफा दिया था। ये पत्र उन्होंने पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी को लिखा था। पार्टी के एक अनुभवी नेता रहे कुमार 2019 के चुनावों में हार के बाद पार्टी छोड़ने वाले पहले नेताओं में शामिल थे। अश्विनी कुमार यूपी सरकार के दौरान केंद्रीय कानून मंत्री रह चुके हैं। वे 46 साल तक कांग्रेस के लिए काम कर चुके हैं।

सुनील जाखड़ : सुनील जाखड़, जिन्होंने पंजाब कांग्रेस इकाई का नेतृत्व किया था, ने 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की आलोचना करने के लिए नेतृत्व द्वारा कारण बताओ नोटिस मिलने के बाद पार्टी छोड़ दी थी। वह मई में भाजपा में शामिल हुए और उसी साल जुलाई में उन्हें भाजपा पंजाब इकाई का प्रमुख बना दिया गया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह : पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह जनवरी 2022 को कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। वो उत्तर प्रदेश चुनाव से ठीक पहले ऐसा करने वाले सबसे प्रमुख नेता बन गए। पिछड़ी जाति के प्रमुख नेता सिंह कथित तौर पर प्रियंका गांधी के नेतृत्व वाले यूपी अभियान में साइड लाइन किए जाने से नाराज थे।

ज्योतिरादित्य सिंधिया : ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 2020 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। वो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। उस दौरान मध्य प्रदेश में कांग्रेस में बड़े पैमाने पर दलबदल हुआ, जिससे कमल नाथ सरकार गिर गई थी। इस्तीफा देने से पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गृह मंत्री अमित शाह के साथ जाकर पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद इस बात की गुंजाइश बढ़ गई थी की सिंधिया भाजपा में शामिल हो सकते हैं। हालांकि दूसरी तरफ, कांग्रेस का आलाकमान लगातार सिंधिया को मनाने की कोशिश कर रहा था। फिलहाल, सिंधिया एक केंद्रीय मंत्री हैं।

जितिन प्रसाद : जितिन प्रसाद राहुल गांधी के बेहद करीबी माने जाते थे। उन्होंने साल 2021 में कांग्रेस छोड़ दी थी। इसके बाद वो भी भाजपा में शामिल हो गए थे। उस दौरान वह यूपी में कांग्रेस के शीर्ष ब्राह्मण चेहरे थे। अपने फैसले का बचाव करते हुए उन्होंने कहा था कि भाजपा एकमात्र वास्तविक राजनीतिक पार्टी है।

अल्पेश ठाकोर : कांग्रेस के पूर्व विधायक अल्पेश ठाकोर ने जुलाई 2019 में दो राज्यसभा सीटों के लिए उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ मतदान करने के बाद पार्टी छोड़ दी थी। कुछ दिनों बाद वह भाजपा में शामिल हो गए और उन्हें राधापुर से उपचुनाव के लिए मैदान में उतारा गया, लेकिन वह चुनाव हार गए। हालांकि, पिछले साल हुए चुनाव में उन्होंने गांधीनगर दक्षिण से जीत हासिल की थी।

अनिल एंटनी : कांग्रेस के दिग्गज नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी ने पिछले साल जनवरी में पार्टी छोड़ दी थी और अगले महीने भाजपा में शामिल हो गए थे। भारत को विकास के रास्ते पर लाने के लिए बहुत स्पष्ट दृष्टिकोण रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की।

बीजेपी जिला उपाध्यक्ष हत्याकांड का शूटर गिरफ्तार

कांग्रेस नेता ने 7 लाख में दी थी असीम राय की सुपारी

कांकेर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के बीजेपी जिला उपाध्यक्ष असीम राय की हत्या करने वाले शूटर को पुलिस ने शनिवार देर रात गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जा रहा है कि शूटर विकास तालूकदार हत्याकांड के बाद महाराष्ट्र के गढ़चिरौली भाग गया था। पुलिस ने उसे वहीं से पकड़ा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, टीम विकास तालूकदार को लेकर कांकेर पहुंची है। आज रविवार को शाम 4 बजे इस मामले का पुलिस खुलासा करेगी। संभावना जताई जा रही है कि इस हत्याकांड में कुछ और नाम भी सामने आ सकते हैं। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद कर ली है।

दो दिन पहले ही कांग्रेस नेता सहित 11 आरोपी हुए गिरफ्तार

बीजेपी नेता असीम राय की 6 दिन पहले गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड का शुक्रवार को पुलिस ने कांग्रेस नेता और पंखाजूर नगर पंचायत अध्यक्ष सहित 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि नगर पंचायत अध्यक्ष बप्पा गांगुली ने 7 लाख में हत्या की सुपारी दी थी।

अविश्वास प्रस्ताव का खतरा था कांग्रेस नेता को

पूछताछ में पुलिस को पता चला कि नगर पंचायत अध्यक्ष बप्पा गांगुली के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। उसकी कुर्सी खतरे में थी। इसी तरह पार्षद विकास पाल को इस बात का डर था कि उसके पखांजूर इन होटल का अवैध निर्माण भी तोड़ा जाएगा। इसके चलते दोनों ने हत्या की साजिश रची।

7 जिलों से गुजरेगी न्याय यात्रा

रायपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सामाजिक न्याय, बेरोजगारी और महंगाई समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर 14 जनवरी को भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत कर रही है जिसकी अगुवाई पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी करेंगे. इस दौरान वह 66 दिनों तक यात्रा करेंगे जिसमें 15 राज्यों को कवर किया जाएगा. यह यात्रा छत्तीसगढ़ से होकर भी गुजरेगी जहां कांग्रेस बीते साल विधानसभा चुनाव हार गई थी. चूंकि अब लोकसभा चुनाव नजदीक है .

ज्वैलरी शॉप से 2 महिलाओं ने की चोरी

रायपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर में दो शातिर महिलाओं ने खरीदारी के बहाने ज्वैलरी शॉप से गहने चोरी कर लिए। महिलाओं ने दुकान के स्टाफ को बातों में उलझाया और फिर 5 गोल्ड लॉकेट छिपा लिए। चोरी की यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। मामला गुढ़ियारी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, सदर बाजार निवासी भीमराव जाधव की आंबेडकर चौक के पास छत्रपति शिवाजी ज्वेलर्स नाम से दुकान है। 3 जनवरी की दोपहर करीब 1 बजे दो महिलाएं दुकान में आईं। एक महिला ने स्कार्फ से अपना चेहरा ढंका हुआ था।

झारखंड में खुला 'गिद्ध रेस्तरां'

रांची, 14 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में गिद्धों को बचाने की अनूठी पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत झारखंड के कोडरमा जिले में गिद्ध रेस्तरां की शुरुआत की जा रही है। इस रेस्तरां में गिद्धों को खाना मुहैया कराया जाएगा। दरअसल तेजी से कम हो रहे गिद्धों को बचाने के लिए यह पहल की गई है। कोडरमा में यह गिद्ध रेस्तरां का निर्माण हो चुका है और जल्द ही इसका संचालन शुरू हो जाएगा।

क्या है गिद्ध रेस्तरां

प्रोटोकॉल के तहत इस रेस्तरां में गिद्धों को डाइक्लोफीनेक मुक्त जानवरों के शव मुहैया कराए जाएंगे। डाइक्लोफेनिक मुक्त जानवरों के ये शव नजदीकी गौशाला और नगर पालिका से रेस्तरां में भेजे जाएंगे। कोडरमा के डिविजनल फोरेस्ट ऑफिसर सूरज कुमार ने बताया कि कोडरमा में तिलैया नगर परिषद में एक हेक्टेयर जमीन पर गिद्धों के लिए यह खास रेस्तरां शुरू किया गया है। इसके शुरू होने के बाद चंदवाड़ा ब्लॉक में भी एक और ऐसा ही रेस्तरां शुरू करने की योजना है।

उल्लेखनीय है कि हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में गिद्धों की बहुत अहम भूमिका है। दरअसल जानवरों और पशुओं के शवों को खाकर गिद्ध हमारे पर्यावरण को साफ रखते हैं, लेकिन बीते कुछ सालों में देश में गिद्धों की संख्या में तेजी से गिरावट आई है और कई जगहों पर यह विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गए हैं। गिद्धों के पूरी तरह से विलुप्त होने से पारिस्थितिकी तंत्र के गड़बड़ाने की आशंका है, यही वजह है कि गिद्धों के संरक्षण की कोशिशें तेज हो गई हैं। दरअसल जानवरों और पशुओं में संक्रमण और बुखार को ठीक करने के लिए डाइक्लोफीनेक दवा दी जाती है। इस दवा को खाने वाले जानवरों की मौत के बाद जब उनके शव गिद्धों द्वारा खाए जाते हैं तो डाइक्लोफीनेक दवा के असर से गिद्धों की किडनी खराब हो जाती है और उनकी मौत हो जाती है। यही वजह है कि कोडरमा में खुले गिद्ध रेस्तरां में बाकायदा यह प्रोटोकॉल बनाया गया है कि वहां भेजे जाने वाले जानवरों के शव डाइक्लोफीनेक मुक्त होने चाहिए। कोडरमा में एक वक्त गिद्ध खत्म होने के कगार पर पहुंच गए थे, लेकिन वन विभाग की कोशिशों से अब धीरे-धीरे जिले में गिद्धों की संख्या बढ़ रही है और अब गिद्ध रेस्तरां के कॉन्सेप्ट से इस संख्या में और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

कोरबा पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाया अभियान

कोरबा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। नशाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए कोरबा पुलिस अब अलर्ट पर हो गई है. सभी मेडिकल दुकान संचालकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि ऐसी दवाईयां जो प्रतिबंधित हैं और जिसे नशा या नींद के लिए उपयोग में लाया जाता है, उन्हें अब बिना डॉक्टर की पर्ची के लोगों को नहीं दी जाएगी. मेडिकेटेड नशा पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस महकमा अलर्ट मोड पर है.

इसके साथ ही पुलिस ने दवा विक्रेताओं और मेडिकल स्टोर संचालकों के साथ एक बैठक आयोजित की. इस बैठक में प्रतिबंधित दवाईयों को डॉक्टर की सलाह से ही बिक्री करने के निर्देश दिए गए हैं.पुलिस महानिरीक्षक अशोक जुनेजा ने अवैध नशा के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही के निर्देश जारी किए हैं.

अमेरिकी कंपनी का मून मिशन फेल

वापस लौट रहा लैंडर:धरती से 4 लाख किमी दूर; कंपनी बोली-वायुमंडल में घुसते ही जल जाएगा

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी प्राइवेट कंपनी का पेरेग्रीन-1 मून लैंडर अब पृथ्वी की तरफ बढ़ रहा है। लैंडर को बनाने वाली कंपनी एस्ट्रोबोटिक ने बताया कि यह पृथ्वी के वायुमंडल में घुसते ही जल जाएगा। डब्बे के आकार वाला यह लैंडर पिछले 5 दिन से स्पेस में है और फिलहाल धरती से 3.90 लाख किमी दूर है। एस्ट्रोबोटिक इस लैंडर को लेकर लगातार अपडेट देता आ रहा है।

यह लैंडर 8 जनवरी को स्पेस में भेजा गया था। कंपनी के मुताबिक, लॉन्च के कुछ देर बाद ही स्पेसशिप में एक धमाका हुआ था। इसके बाद यह साफ हो गया कि पेरेग्रीन-1 चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग नहीं कर पाएगा। कंपनी ने बताया कि धमाके के बाद लैंडर का फ्यूल लीक होने लगा था। इस वजह से यह उस जगह पर नहीं पहुंच सकता था, जहां उसे सूरज की रौशनी मिलने वाली थी। सौर उर्जा नहीं मिलने के कारण लैंडर पर लगे सोलर पैनल चार्च नहीं हो पाए और बैटरी सिस्टम फेल हो गया। इसके बाद भी कंपनी ने बैटरी चार्ज करने का तरीका खोज लिया, लेकिन वो फ्यूल लीकेज नहीं रोक पाए। साइंटिफिक हार्डवेयर के अलावा इस स्पेसक्राफ्ट पर एस्ट्रोबोटिक कंपनी के निजी ग्राहकों के कार्गो भी मौजूद हैं। इसमें एक स्पोर्ट्स ड्रिंक कैन, एक बिटकॉइन के साथ मानव और जानवरों की राख और डीएनए शामिल हैं। इस मून मिशन का मकसद चंद्रमा पर पानी के मॉलिक्यूल्स का पता लगाना था। इसके साथ ही लैंडर के चारों ओर रेडिएशन और गैसों को मापना भी एक मकसद था। इससे पता चलता कि सोलर रेडिएशन का चांद की सतह क्या असर होता है। नासा ने भी अपने कमर्शियल लूनर पेलोड सर्विस प्रोग्राम से जुड़ा कार्गो इस मून लैंडर पर भेजा था। इसके लिए नासा ने कंपनी को 828.72 करोड़ रुपए चुकाए थे।

लैंडर पर नासा के 5 पेलोड लगे हैं

द गार्डियन के मुताबिक, परेग्रीन-1 पर 15 पेलोड लगे हैं। इनमें से 5 नासा के हैं। यह चंद्रमा के मध्य-अक्षांश क्षेत्र पर 23 फरवरी को लैंड होने वाला था। इस इलाके को साइनस विस्कोसिटैटिस या स्टिकनेस की खाड़ी कहा जाता है। इसे 8 जनवरी को भारतीय समयानुसार दोपहर 12:48 बजे यूनाइटेड लॉन्च अलायंस कंपनी के वल्कन सेंटौर रॉकेट के जरिए फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से चांद की ओर रवाना किया गया था।

51 साल बाद कोई अमेरिकी स्पेसक्राफ्ट चांद पर उतरता

अगर पेरेग्रीन-1 की लैंडिंग होती तो यह 51 साल में पहली बार होता जब कोई अमेरिकी मिशन चांद पर उतरता। इसके पहले 1972 में अपोलो 17 मिशन ने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की थी। इसके बाद अमेरिका ने साल 2022 में आर्टिमिस-1 मिशन को चांद पर रवाना किया था। लेकिन वह स्पेसक्राफ्ट चांद पर उतरा नहीं था। आर्टिमिस-1 ने चांद का चक्कर लगाया था। नासा के अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग के लिए कोशिश करते रहेंगे। इसके तहत फरवीर में ह्यूस्टन बेस्ड इंटुएटिव मशीन्स भी मिशन लॉन्च करेगी।

डेढ़ साल की बच्ची को मारने वाली अमेरिकी महिला गिरफ्तार

6 महीने पहले बॉयफ्रेंड की बेटी को बैटरी-स्क्रू, नेल पॉलिश रिमूवर खिलाया था

वॉशिंगटन, 14 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी पुलिस ने 18 महीने की बच्ची की हत्या के मामले में एक युवती को गिरफ्तार किया है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक 20 साल की एलिसिया ओवेन्स ने पिछले साल अपने बॉयफ्रेंड की डेढ़ साल की बेटी को बैटरी, स्क्रू और नेल पॉलिश रिमूवर खिला दिया था। चार दिन अस्पताल में रहने के बाद बच्ची की मौत हो गई थी। यह घटना जून 2023 में पेंसिलवेनिया में हुई थी। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से कहा गया कि बच्ची के खून में एसीटोन (एक तरह का केमिकल) मिला। यही मौत की वजह था। यह केमिकल नेल पॉलिश रिमूवर में पाया जाता है। पोस्टमार्टम में यह भी सामने आया की डेढ़ साल की आइरिस रीटा अल्फेरा के पेट में बटन शेप की छोटी बैटरी, मेटल स्क्रू और वॉटर बीड्स मिले।

एलिसिया ओवेन्स (आरोपी महिला) आयरिस के पिता बेली जेकोबी के साथ रहती थी। वहीं, आयरिस अपनी मां एमिली के साथ रहती थी। बेली-एमिली डिवोर्स के बाद से अलग रहते थे। कोर्ट ने बेली को आयरिस से मिलने की इजाजत दी थी। 25 जून को बेली अपनी बेटी आयरिस को घर लेकर आया। कुछ देर बाद वो बेटी को गर्लफ्रेंड के साथ घर पर छोड़कर मार्केट गया। मार्केट पहुंचने के बाद बेली के पास एक फोन आया। कॉल पर एलिसिया थी। उसने कहा- तुम्हारी बेटी को कुछ हो गया है। बेली फौरन घर पहुंचा। उसे आयरिस बेहोश मिली। इसके बाद आयरिस को अस्पताल ले जाया गया। बेली ने घटना की जानकारी पुलिस को भी दी। पुलिस ने एलिसिया और बेली से पुछताछ की। एलिसिया ने पुलिस को बताया कि आयरिस बिस्तर से गिर गई थी और उसके सिर पर चोट आई थी। इस बीच 3 दिन आयरिस का इलाज चला। चौथी दिन ऑर्गन फेलियर की वजह से उसकी मौत हो गई। फिर पोस्टमार्टम हुआ। बच्ची के पेट में स्क्रू, बैटरी और खून में एसीटोन मिला। पुलिस ने हत्या के एंगल से जांच शुरू की। पुलिस ने इस मामले की तह तक पहुंचने के लिए बेली और एलिसिया का फोन चैक किया। एलिसिया के फोन की सर्च हिस्ट्री में कुछ ऐसा मिला जिससे देखकर पुलिस हैरान रह गई। एक पुलिस अफसर ने बताया- हमें एलिसिया के फोन की सर्च हिस्ट्री में बच्चों को मारने के तरीकों से जुड़ी चीजें मिलीं। वो ऐसे घरेलू प्रोडक्ट ढूंढती थी जिनसे बच्चों को नुकसान पहुंचे या उनकी मौत हो जाए।

बर्फीले तूफान से अमेरिका के कई राज्यों में आपातकाल, दो हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द

वाशिंगटन, 14 जनवरी (एजेंसियां)। आर्कटिक तूफानों की सर्द लहर के बीच शनिवार को अमेरिका के न्यूयॉर्क से लुइसियाना राज्यों तक गवर्नरों ने आपातकाल की घोषणा कर दी है। यहां बेहद ठंडा मौसम चुनौती बन गया है। देश के अधिकांश हिस्सों में अंधी बर्फबारी, बर्फीली बारिश और तेज हवाएं चलने लगी हैं।

तूफान के तुरंत बाद मिडवेस्ट और साउथ की उड़ानों में देरी व रद्द होने के कारण हवाई अड्डों पर सैकड़ों यात्री फंस गए हैं। नॉर्थ डकोटा में तापमान शून्य से 26 डिग्री सेंटीग्रेड नीचे तक चला गया। रविवार तक इसके शून्य से 29 डिग्री नीचे जाने की आशंका है। मौसम विभाग ने बताया कि रविवार को बफेलो में लोगों को एक फुट तक बर्फबारी और तेज हवाओं का सामना करना पड़ेगा। तूफान के चलते 2.000 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिससे सैकड़ों यात्री फंस गए हैं। शनिवार को 15 करोड़ से अधिक अमेरिकियों ने मध्य-पश्चिम और तेज हवा के झोंके झेले। सुबह से ग्रेट लेक्स और साउथ में लगभग 2.50 लाख घरों और व्यवसाय स्थलों में बिजली गुल रही।

उत्तर कोरिया ने फिर लॉन्च की बैलिस्टिक मिसाइल

जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने जारी किया अलर्ट

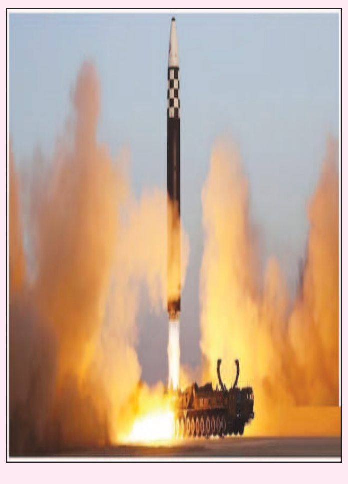

प्योंग्यांग, 14 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की है। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से इसे लेकर अलर्ट जारी किया गया है। उधर दक्षिण कोरिया ने इस लॉन्च की पुष्टि करते हुए कहा कि मिसाइल को रविवार सुबह लॉन्च किया गया है। हालांकि, इससे ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है।

जापान के रक्षा मंत्री ने कहा कि उसने भी उत्तर कोरिया की तरफ से मिसाइल लॉन्च का पता लगाया है। गौरतलब है कि यह उत्तर कोरिया की तरफ से इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल ह्वासॉन्ग-18 की टेस्टिंग के बाद से पहला मिसाइल लॉन्च है। ह्वासॉन्ग-18 को 18 दिसंबर को टेस्ट किया गया था। बताया जाता है कि तानाशाह किम जोंग-उन के नेतृत्व में इस आधुनिक मिसाइल को अमेरिका को निशाना बनाने के लिए तैयार किया गया है। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच बीते दिनों तनाव काफी बढ़ गया था। इसी साल जनवरी में उत्तर कोरिया की ओर से 200 से ज्यादा तोप के गोले दागे गए थे। गोले उत्तरी सीमा रेखा (एनएलएल) के उत्तर में गिरे, जो दोनों कोरियाई देशों के बीच वास्तविक समुद्री सीमा है। हालांकि, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं आई थी।

व्यस्त सड़क पर गिरा पहाड़, मलबे में दबने से 34 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में भूस्खलन होने से 34 लोगों की मौत की खबर है। भूस्खलन कोलंबिया के पहाड़ी इलाके में हुआ, जब कुदिबो और मेडेलिन शहरों को जोड़ने वाली व्यस्त सड़क पर भरभराकर मिट्टी का पहाड़ गिर गया। घटना शुक्रवार की है। कोलंबिया के नेशनल डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट ने शुरुआत में बयान जारी कर 18 लोगों की मौत की जानकारी दी थी, लेकिन फिलहाल मृतकों का आंकड़ा 34 तक पहुंच गया है।

भूस्खलन में कई लोग घायल भी हुए हैं। मृतकों में से 17 शवों की पहचान हो चुकी है और 17 की पहचान अभी करनी बाकी है। कोलंबिया के उपराष्ट्रपति फ्रांसिया मार्केज ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में बताया कि हादसे की जगह अभी भी सर्च अभियान चलाया जा रहा है। मृतकों में बच्चे भी शामिल हैं, लेकिन उनकी संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। अभी तक भूस्खलन की वजह का पता नहीं चला है, लेकिन हादसे वाली जगह हाल ही में भारी बारिश हुई थी। ऐसे में माना जा रहा है कि बारिश की वजह से ही भूस्खलन हुआ। अभी भी वहां बारिश हो रही है, जिसकी वजह से राहत और बचाव कार्य में भी परेशानी हुई। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्ताव पेत्रो ने घटना पर दुख जताया और इसे त्रासदी करार दिया।

सोमालिया के तट के पास लापता 2 अमेरिकी नेवी कमांडो

3 दिन पहले संदिग्ध जहाज की जांच करने गए थे

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के 2 नेवी कमांडो पिछले 3 दिन से लापता हैं। ये सोमालिया के तट पर एक ऑपरेशन में शामिल थे। दोनों सेलर एक जहाज पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, जिसके बाद वे 11 जनवरी को लापता हो गए। खबर के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि एसईएएल टीम के सदस्यों को गुरुवार को सोमालिया तट के करीब एक संदिग्ध जहाज के पास जाने के लिए भेजा गया था।

वहां पहुंचने पर कमांडोज ने जहाज को बारीकी से जांच करने के फैसला किया। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के एक अधिकारी ने बताया कि गुरुवार रात जब दोनों सेलर समुद्र से जहाज पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, तब उनमें से एक कमांडो बोर्डिंग सीढ़ी से फिसल गया। इसके बाद दूसरा कमांडो उसे बचाने के लिए पानी में कूद गया। इसके बाद से दोनों नेवी सेलर गायब हैं। अधिकारियों ने कहा कि नौसेना के जहाजों और विमानों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया, जहां सर्च और रेस्क्यू मिशन चलाया जा रहा है। हालांकि, अमेरिकी मिलिट्री सेंट्रल कमांड में दोनों सेलरों के नेवी सील टीम का हिस्सा होने से जुड़ा कोई बयान नहीं दिया है।

मामला हूतियों या समुद्री लुटेरों से जुड़ी घटनाओं से अलग

पेंटागन के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि यह घटना पिछले दिनों हुईं हूतियों या समुद्री लुटेरों से जुड़े मामलों से अलग है। हालांकि, उन्होंने ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। पिछले कुछ हफ्तों से हूती विद्रोहियों और सोमालिया के समुद्री डकैतों ने लाल सागर, अदन की खाड़ी और सोमालिया तट पर जहाजों पर हमला या उन्हें अगवा किया है। हूतियों का कहना है कि वे गाजा में फिलिस्तीनियों को समर्थन देने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

लाल सागर में जहाजों पर हूतियों के बढ़ते हमले के बीच अमेरिका और ब्रिटेन ने मिलकर यमन में उनके ठिकानों पर हमले किए। अमेरिका ने दूसरे दिन भी हूतियों की रडार साइट पर मिसाइल अटैक किया था। समुद्र में जहाजों पर हूतियों और समुद्री लुटेरों के हमले का असर भारत पर भी पड़ रहा है। दोनों गुटों ने कई बार भारत आ रहे जहाजों या फिर भारतीय क्रू वाले जहाजों पर हमला किया है।

फिलिस्तीन समर्थकों ने व्हाइट हाउस का किया घेराव, जो बाइडेन के लिए बोले अपशब्द

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस का घेराव किया। हिंसक विरोध प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस की बाड़ को गिराने का प्रयास किया। शनिवार की रात, फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ अपशब्द बोले और नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस के बाहर एक बाड़ को तोड़ने की कोशिश की। सीक्रेट सर्विस ने कहा कि विरोध अधिक हिंसक होने के कारण उन्होंने उस एरिया से गैर-जरूरी कर्मचारियों को हटा दिया। एक वीडियो में प्रदर्शनकारियों को बाड़ को इतनी जोर से हिलाते हुए कैद किया गया कि उसका एक हिस्सा ढीला हो गया। सीक्रेट सर्विस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों का डटकर सामना किया और उन्हें व्हाइट हाउस के मैदान में प्रवेश करने से रोका।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले अमेरिका में कार रैली

भगवान राम के झंडों के साथ 350 गाड़ियों का काफिला निकला

वाशिंगटन, 14 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले अमेरिका में कार रैली निकाली गई है। हिंदू समुदाय के लोगों ने भगवान राम की तस्वीर वाले झंडे लेकर न्यू जर्सी शहर में 350 गाड़ियों के साथ काफिला निकाला। अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले हिंदू धर्म के लोग दुनिया भर में कार्यक्रमों और समारोह का आयोजन कर रहे हैं। इस बीच, विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी), यूएस चैप्टर ने पूरे अमेरिका के हिंदुओं के साथ मिलकर, मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर वहां के 10 राज्यों में 40 से अधिक होर्डिंग लगाए हैं।

वीएचपी ने 15 जनवरी से विजुअल सेलिब्रेशन शुरू किया है। हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका के अमिताभ मित्तल ने बताया कि बिलबोर्ड्स के जरिए अमेरिका के हिंदू अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। 21 की रात पूरे अमेरिका में होगा सेलिब्रेशन विश्व हिंदू परिषद अमेरिका के जॉइंट सेक्रेटरी तेजा ए शाह ने बताया कि राम मंदिर का सेलिब्रेशन 21 जनवरी की रात में होगा। इस वक्त भारत में 22 जनवरी की सुबह हो चुकी होगी और प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम चल रहा होगा। प्राण प्रतिष्ठा के दिन भी अमेरिका में कई कार रैलियां निकाली जाएंगी। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्कवेयर पर प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण किया जाएगा। मॉरीशस की सरकार ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर 22 जनवरी को हिंदू धर्म मानने वाले कर्मचारियों के लिए 2 घंटे की छुट्टी की घोषणा की है। इस दौरान वे स्थानीय कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे। मॉरीशस की कैबिनेट ने शुक्रवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कैबिनेट की तरफ से जारी किए प्रस्ताव में कहा गया है कि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन एक ऐतिहासिक घटना है। यह अयोध्या में भगवान राम की वापसी का प्रतीक है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए 22 जनवरी को दोपहर 2 बजे से हिंदुओं को दो घंटे की स्पेशल छुट्टी दी जाएगी।

मॉरीशस सनातन धर्म मंदिर महासंघ के अध्यक्ष, भोजराज घूरबिन बताया कि मॉरीशस के सभी मंदिर 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में रामायण जाप का आयोजन करेंगे और उत्सव मनाएंगे। उन्होंने कहा मॉरीशस में 15 जनवरी को संक्रांति से हमारे सभी मंदिर रामायण का जाप कर रहे हैं और विशेष रूप से 22 तारीख को।

इजराइल-हमास जंग के 100 दिन

गाजा में 23 हजार मौतें : हमास अधिकारियों की बहनें गिरफ्तार; इजराइली बमबारी के बीच कपल ने रचाई शादी

हमास, 14 जनवरी (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग का आज 100वां दिन है। 7 अक्टूबर 2023 को गाजा के आतंकी संगठन हमास ने इजराइल पर हमला कर दिया था। 12 इजराइलियों की मौत हुई थी। इसके फौरन बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जंग का ऐलान किया, जो अब तक जारी है। अलजजीरा के मुताबिक, इजराइली बमबारी में गाजा में साढ़े 23 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। 60 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी घायल हैं। पिछले 24 घंटे में 135 मौतें हुईं। वहीं पूरी गाजा पट्टी में सिर्फ 6 एंबुलेंस बचीं हैं। इन्हीं से घायलों को अस्पताल ले जाया जा रहा है। जंग से पहले यहां 120 से ज्यादा एंबुलेंस थीं।

इजराइल ने 2 जनवरी को लेबनान की राजधानी बेरूत में चलाए एक ऑपरेशन में 2 हमास अधिकारियों को मार गिराया था। अब उनकी बहनों को वेस्ट बैंक में उनके घर में घुसकर गिरफ्तार किय है। इधर, बढ़ते हमलों के बीच राफा बॉर्डर के पास एक स्कूल से हंसी और तालियों की आवाज सुनाई दी। मौका था शादी का। अफनान जिब्रील और मुस्तफा शामलाख शनिवार को शादी के बंधन में बंधे। सफेद रंग की ड्रेस, फूलों से सजा ताज पहने अफनान बेहद खुश दिखाई दी। उसके पिता ने कहा- हमारे आस-पास मौत और तबाही है लेकिन हमें जिंदगी से प्यार है। हम शादी के साथ जिंदा होने का भी जश्न मना रहे हैं। रीति-रिवाजों के साथ शादी करने के लिए हमारे पास कुछ नहीं है लेकिन फिर भी जो चीजें उपलब्ध थीं उसमें रस्में पूरी की गईं। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए हमास लीडर्स से जुड़ी जानकारी इजराइल को दे रही है। इसके अलावा सीआईए बंधकों की जानकारी भी इजराइल तक पहुंचा रही है। दरअसल, हमास ने 7 अक्टूबर को 240 लोगों को बंधक बना लिया था। आतंकी इन्हें गाजा ले गए थे। 24-30 नवंबर 2023 को हुए सीजफायर के दौरान कई बंधक आजाद किए गए थे। लेकिन कई अब भी हमास की कैद में हैं। इन्हें कहां रखा गया है, इसकी जानकारी नहीं है। यूएस खुफिया एजेंसी के मुताबिक हमास लीडर याह्या सिनवर खान युनिस में ही किसी सुरंग में छुपा है। वो बंधकों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा है।

इमरान खान की पार्टी पीटीआई चुनाव चिह्न 'बल्ला' से वंचित

इस्लामाबाद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। 8 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले देश के सर्वोच्च न्यायालय ने पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के फैसले को बरकरार रखा है और इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई के अंतर-पार्टी चुनावों को रद्द कर दिया है, इससे पार्टी चुनाव से बल्ले से वंचित हो गई है।

स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, तीन दिनों तक लगातार सुनवाई के बाद, मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा, न्यायमूर्ति मुहम्मद अली मजहर और न्यायमूर्ति मुसर्रत हिलाली की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने ईसीपी की याचिका पर शनिवार रात 11.15 बजे फैसला सुनाया। पीटीआई के बल्ले के चुनाव चिन्ह की बहाली के संबंध में पेशावर उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करते हुए पीठ ने कहा, पीटीआई द्वारा केवल एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना, जिसमें कहा गया है कि अंतर-पार्टी चुनाव हुए थे, यह स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता कि ऐसे चुनाव वास्तव में आयोजित किए गए थे, खासकर जब कुछ पार्टी के सदस्य इस दावे को चुनौती दे रहे हैं।

मालदीव में मेयर का चुनाव हारी मुइज्जू की पार्टी

भारत समर्थक कैंडिडेट जीते; चीन से लौटे राष्ट्रपति ने कहा था- हमें धमका नहीं सकते

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारत से विवाद के बीच मालदीव की राजधानी माले में हुए मेयर के चुनाव में राष्ट्रपति मुइज्जू की पार्टी को करारी शिकस्त मिली है। माले के मेयर पद का चुनाव भारत समर्थक मालदीव डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार ने जीता। अब एडम अजीम माले के मेयर होंगे। पहले मेयर का पद खुद राष्ट्रपति मुइज्जू के पास था। लेकिन मुइज्जू ने पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए इस पद से इस्तीफा दे दिया था। अजीम 5,303 वोटों से आगे रहे। जबकि मुइज्जू की पार्टी के उम्मीदवार अजीमा शकूर को 3,301 वोट मिले।

खबर के मुताबिक मेयर के चुनाव में मिली जीत मालदीव डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के लिए नई उम्मीद लेकर आई है। जो पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में पीपल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) के गठबंधन से हार गई थी। मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू 5 दिन के दौरे के बाद शनिवार को चीन से लौटे। राष्ट्रपति मुइज्जू से वेलाना एयरपोर्ट पर भारत के साथ तनाव को लेकर सवाल किया गया। इसके बाद भारत का नाम लिए बिना उन्होंने कहा- हमारा देश छोटा है लेकिन इसका ये मतलब नहीं की आपको हमें धमकाने का लाइसेंस मिला गया है। उन्होंने कहा- मालदीव देश छोटा जरूर है पर हमारा एक्सक्लूजिव इकोनॉमिक जोन 9 हजार स्कवेयर किलोमीटर में फैला है। मालदीव उन देशों में है जिसकी समुद्र में बड़ी हिस्सेदारी है। हम किसी के बैकयार्ड (पीछे का हिस्सा) में नहीं हैं। उनकी इस टिप्पणी पर फिलहाल भारत ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मुइज्जू 8-13 जनवरी को चीन में थे। यहां से लौटने के बाद उन्होंने चीन की तारीफ की। कहा- चीन ने हमारे आंतरिक मसलों में दखल नहीं दिया। चीन ने यह भी कहा कि वो हमारे किसी भी घरेलू मामले पर अपना असर नहीं डालेगा। राष्ट्रपति मुइज्जू ने हिंद महासागर को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा- हिंद महासागर किसी एक देश का नहीं है। मालदीव इस महासागर का सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाले देशों में से एक है।

चीनी राष्ट्रपति ने कहा था- हम मालदीव की रक्षा करेंगे

भारत से विवाद के बीच मालदीव के दौरे पर गए मुइज्जू को राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा था कि चीन मालदीव के राष्ट्रीय हित में किए जा रहे विकास के एजेंडे में उनकी मदद करेगा। मालदीव की संप्रभुता, स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा करने में चीन उनके साथ खड़ा है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी की लक्षद्वीप विजिट के बाद से दोनों देशों के बीच में तनाव है। पीएम मोदी ने लक्षद्वीप विजिट का वीडियो शेयर किया था। इस पर मालदीव के मंत्रियों ने आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इसमें भारत की टूरिज्म सेक्टर में फेसेलिटीज को लेकर भी कमेंट्स थे।

भजनलाल बोले-मेरा संगठन के काम में ज्यादा मन लगता है

भाजपा कार्यसमिति में कहा-आखिरी लाइन में खड़ा था

यकीन नहीं हुआ कि सीएम बना रहें हैं

जयपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता कर्म करें, फल की चिंता न करें। मैं सबसे पीछे की लाइन में बैठा था, मुझे पता ही नहीं था कि सीएम बनूंगा। मेरा संगठन में काम करने में ज्यादा मन लगता है। वहीं, सीपी जोशी ने कहा कि सदस्यता अभियान में कांग्रेसी विचारधारा के लोगों को भी शामिल करें।

वहीं, मंत्रियों को नसीहत दी गई है कि भाषणबाजी की जगह लोगों की समस्याओं के समाधान पर फोकस करें। कार्यसमिति की बैठक में फैसला हुआ कि लोकसभा चुनावों से पहले बीजेपी सरकार और संगठन जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनेंगे। लोकसभा चुनावों को लेकर बीजेपी मुख्यालय में चले दिन भर मंथन में रणनीति बनाई गई है।

कार्यसमिति की बैठक में सीएम भजनलाल शर्मा ने पार्टी नेताओं से कहा कि काम करते रहो पार्टी सबको अवसर देती है। संगठन में कार्यकर्ता बनकर जनता की सेवा करते रहो। मुझे तो पता ही नहीं था, यकीन ही नहीं हुआ कि मुझे सीएम बना रहे हैं। कर्म करते रहो, पार्टी सबका ख्याल रखती है। पार्टी कार्यालय में मैंने बहुत काम किया, उसे अब भी याद करता हूं।

बीजेपी मुख्यालय में जल्द शुरू होगी मंत्रियों की जनसुनवाई

लोकसभा चुनावों के एक्शन प्लान के मुताबिक मंत्री जिलों में जाकर जनसुनवाई करेंगे। मंत्री जिलों में दिनभर जनसुनवाई कर जनता और कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनेंगे। मंत्रियों को कहा गया है कि भाषणबाजी की बजाय लोगों की समस्याओं के समाधान पर फोकस करें। हर मंत्री को दो जिलों का जिम्मा मिलेगा। जनसुनवाई में मंत्रियों के साथ संगठन के पदाधिकारी रहेंगे।

बीजेपी कार्यालय में भी जल्द मंत्रियों की जनसुनवाई होगी।

स्वच्छता में टॉप का अवार्ड लेकर पहुंचे सभापति का स्वागत

शहर में निकाली स्वागत रैली, अवार्ड को बताया लोगों की उपलब्धि

डूंगरपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में डूंगरपुर निकाय राजस्थान में टॉप पर रहा। दिल्ली में आयोजित समारोह में भारत सरकार की ओर से डूंगरपुर नगर परिषद् के सभापति को सम्मानित किया। सभापति अमृत कलासुआ के सम्मान लेकर डूंगरपुर लौटने पर शहरवासियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। शहर में स्वागत रैली निकाली। वहीं, अवार्ड को शहर के लोगों के नाम समर्पित किया।

डूंगरपुर नगर परिषद के सभापति अमृत कलासुआ डूंगरपुर पहुंचे। डूंगरपुर शहर के राजपुर घाटी पर शहर की सीमा में आते ही शहरवासियों ने सभापति कलासुआ और उपसभापति सुदर्शन जैन का फ़ुल माला पहनाकर स्वागत किय। इसके बाद शहर में स्वागत रैली निकाली गई, जिसमें नगर परिषद के पार्षदों सहित शहरवासियों ने भाग लिया। रैली के दौरान जगह -जगह पर खड़े विभिन्न समाजों ओर संगठनो के प्रतिनिधियों सभापति कलासुआ का अभिनन्दन किया।

रैली नगर परिषद जाकर समाप्त हुई, जहां अभिनन्दन समारोह का आयोजन हुआ। अभिनन्दन समारोह में पूर्व राज्यसभा सांसद हर्षवर्धनसिंह और रामबोला मठ के महंत शिवशंकरदास ने भी शिरकत की। सभापति अमृत कलासुआ ने डूंगरपुर को मिली इस उपलब्धि को नगर परिषद के सफाईकर्मियों और शहर वासियों को समर्पित किया।

पेपर लीक केस में इंजीनियर से लेकर ज्वेलर तक गिरफ्तार

8 महीने में एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई थी, अब 12 दिन में 15 आरोपी पकड़े

सचिन | मूलाराम जाट | बनवारी लाल

जयपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। एसओजी के मुखिया बदलते ही पेपर लीक के आरोपी और सहयोगियों की गिरफ्तारी हो शुरू हो गई है। इससे पहले 8 महीने में एसओजी ने एक भी पेपर लीक के आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया। अब कुछ दिनों से एसओजी ने पेपर लीक केस में फरार चल रहे 15 आरोपियों की गिरफ्तार किया है। इन सभी आरोपियों को जयपुर सेंट्रल जेल मे रखा गया है।

दरअसल, एडीजी वीके सिंह को जब एसओजी-एटीएस की जिम्मेदारी दी गई तो उन्होंने धूल खा रही फाइलों को खुलवाया और कार्रवाई के आदेश दिए। इसके बाद एसओजी ने एक्शन लेना शुरू कर दिया है। SOG ने सिर्फ 12 दिनों में अलग-अलग पेपर लीक केस में लंबे समय से फरार चल रहे 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सरकारी कर्मचारी, निजी स्कूल के संचालक, दलाल, डमी अभ्यर्थी और अन्य लोग शामिल हैं।

एडीजे बोले- किसी को बक्शा नहीं जाएगा

पेपर लीक प्रकरणों की जांच के लिए गठित की गई SIT की कमान संभाल रहे ADG वीके सिंह का कहना है कि आने वाले दिनों में और बड़े लोगों की गिरफ्तारियां देखने को मिलेगी। जिन भी लोगों की भूमिका सामने आएगी, उन्हें किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा। जिन लोगों ने पैसों के लिए या अपनों की नौकरी के लिए पेपर लीक की रणनीति बनाई थी। उन पर जल्द कानून का डंडा चलेगा।

सरकारी कर्मचारियों से लेकर निजी स्कूल संचालकों तक की गिरफ्तारी

दरअसल, पेपर लीक प्रकरणों को लेकर सख्ती दिखाते हुए SIT का गठन किया गया था। इससे पेपर लीक माफियाओं में एक मैसेज जाए कि सरकार ने एक्शन की तैयारी कर ली है। यही कारण है कि अलग-अलग पेपर लीक केस में सरकारी कर्मचारियों से लेकर निजी स्कूल संचालकों तक की गिरफ्तारी की जा रही है। SOG की ताबड़तोड़ कार्रवाई के चलते पेपर लीक माफिया और उनसे जुड़े हुए लोगों में काफी हड़कंप देखा जा रहा है।

सरगनाओं से फिर से पूछताछ की जाएगी

एसओजी से मिली जानकारी के अनुसार पेपर लीक प्रकरण में गिरफ्तार सरगनाओं से दोबारा से पूछताछ की जाएगी। एसओजी उन अधिकारियों से भी इनपुट लेगी, जिन्हें कांग्रेस सरकार में इस फाइलों से हटा दिया गया था। एसओजी आने वाले कुछ दिनों में बड़े लोगों को सलाखों के पीछे डालने की कार्रवाई कर रही है।

3 साल से फरार सभी आरोपियों को 25 दिन में पकड़ा

वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2022 में अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा देने वाले पांच अभ्यर्थियों को किया गया गिरफ्तार। इनमें दुर्गाराम, राजेंद्र, सत्यप्रकाश, गोपाल सिंह और अशोक कुमार की गिरफ्तारी हुई।

आईएएस प्री परीक्षा 2013 पेपर लीक प्रकरण में फरार चल रहे दो आरोपी गिरफ्तार किए गए। इसमें जेईएन आशुतोष मीना और ज्वेलर बाबूलाल सोनी को गिरफ्तार किया।

कनिष्ठ अभियंता भर्ती 2020 पेपर लीक प्रकरण में फरार चल रहा एक आरोपी गिरफ्तार। पेपर लीक माफिया के लिए दलाल का काम करने वाले सचिन को गिरफ्तार किया गया।

वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2022 में डमी कैंडिडेट बैठाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। दलाल रामहंस मीना को गिरफ्तार किया गया।

कनिष्ठ अभियंता भर्ती 2020 पेपर लीक प्रकरण में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। दलाल यशपाल चौधरी को भी गिरफ्तार किया गया।

राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा 2017 में नकल कराने वाला 1 आरोपी गिरफ्तार। सरकारी अध्यापक मूलाराम जाट को भी गिरफ्तार किया गया।

कनिष्ठ लेखाकार एवं राजस्व लेखाकर भर्ती परीक्षा वर्ष 2013 के पेपर लीक प्रकरण में फरार चल रहे फलोदी निवासी बनवारी लाल को एसओजी ने गिरफ्तार किया है।

रंग बिरंगी पतंगों से सतरंगी हुआ आसमान

पतंगबाजों का उत्साह जोरों पर

झुंझुनूं, 14 जनवरी (एजेंसियां)। जिले भर में मकर संक्रांति पर्व उत्साह से मनाया जा रहा है। मकर संक्रांति पर सुबह से पूजा अर्चना के साथ दान-पुण्य का दौर जारी है। आसमान पर पतंगबाजों के बीच रस्सा कस्सी शुरू हुई। जहां तिल-गुड़ की मिठास घुली रही तो दूसरी ओर आसमान रंग बिरंगी पतंगों से सतरंगी हो गया। फिल्मी गानों पर झूमते हुए युवा पतंगबाजी का लुत्फ उठाते रहे, खूब पेंच लड़ाए गए। ' वो काटा ...', 'वो गया की...' आवाज गूंजती रही। बच्चों व युवाओं के साथ ही बड़े-बुजुर्ग भी पतंगबाजी करते देखे गए।

सुबह से ही मंदिरों में लोग दर्शन-पूजन के लिए पहुंचने लगे। गरीबों को गर्म कपड़े वितरित किए। मकर संक्रांति पर्व के दिन पतंगबाजी की परंपरा वर्षों पुरानी है। शहर सहित क्षेत्र में जमकर पतंगबाजी हुई। शायद ही ऐसी कोई छत होगी जहां पतंगबाज नहीं दिख रहे थे। अलसुबह से ही लोग छतों व मैदानों पर पहुंचने लगे। दिनभर पंतगबाजी का दौर चलता रहा। कई युवा सामूहिक रूप से पतंगबाजी करते नजर आए।

इस दौरान देश भक्ति व फिल्मी गानों पर थिरकते हुए पतंग उड़ाई गई। बच्चों से लेकर बड़ों तक पतंग उड़ाते दिखे। युवतियां भी पतंगबाजी में पीछे नहीं रही। पतंग काटने की मानों होड़ सी मची रही। पतंग काटते ही जोर से आवाजें देकर पतंग काटने की खुशियां मनाई जाती रही, जब खुद की पतंग कटती तो कुछ मायूसी भी दिखी। लेकिन कुछ देर बाद फिर से नई पतंग आसमान पर लहराई जाती। यह दौर सुबह से चल रहा है। आसमान में उड़ रही पतंगें जहां अलग-अलग रंग व साइज की तो थी ही वहीं बदलते दौर में विभिन्न प्रकार की फिल्म, धारावाहिक, नेताओं पर आधारित पतंगें भी उड़ाई गई।

5 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

माउंट आबू में पारा फिर जमाव बिंदु पर आया

बीकानेर-श्रीगंगानगर में घना कोहरा

जयपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के उत्तरी जिलों में आज घना कोहरा रहा। बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू और झुंझुनूं कोहरे से सबसे ज्यादा प्रभावित जिले रहे। यहां कोहरे के कारण तापमान तीन डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। जयपुर, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर व कोटा संभाग के जिलों में आज मौसम साफ है। यहां तापमान सामान्य है।

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर अब खत्म हो गया है। इससे उत्तरी हवा अब सीधे मैदानी राज्यों में आना शुरू हो गई है। इस कारण अब दिन में शीतलहर चलने की संभावना है। कल (15 जनवरी) श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, सीकर और झुंझुनूं में कोहरा छाने के साथ दिन में कोल्ड वेव चलने की आशंका है।

आज उत्तरी क्षेत्र में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 200 मीटर से भी कम रही। कोहरे का प्रभाव जैसलमेर के सरहदी इलाकों में भी रहा। इधर, अलवर और भरतपुर के कुछ क्षेत्रों में आज सुबह हल्का कोहरा रहा। श्रीगंगानगर में कोहरे से मॉइश्चर इतना ज्यादा था कि सड़कें इतनी गीली हो गईं, मानो बारिश हुई हो। पेड़ों से पानी टपक कर सड़क पर बहता दिखा।

कोहरे के कारण आज पिलानी का न्यूनतम तापमान 3, जैसलमेर में 6.5, चूरू में 4.2, श्रीगंगानगर में 5.3 और सीकर में 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम केंद्र जयपुर ने आज झुंझुनूं, सीकर और चूरू में दिन में हल्की सर्द हवा चलने की चेतावनी जारी है, जिससे यहां दिन में तापमान में थोड़ी गिरावट हो सकती है।

माउंट आबू में पारा जमाव बिंदु पर आया

हिल स्टेशन माउंट आबू में आज फिर से पारा गिरकर जमाव बिंदु यानी जीरो डिग्री पर आ गया। यहां मिनिमम टेम्प्रेचर 2 डिग्री सेल्सियस था। माउंट आबू की वादियों में एक बार फिर हल्की बर्फ की परत जमी नजर आई। आबू में तापमान गिरने के साथ ही हल्की सर्द हवा भी चली।

जंगल में फंदे पर लटका मिला नाबालिग का शव

शर्ट से पेड़ पर झूलता हुआ मिला; परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, मॉर्च्युरी के बाहर जुटे ग्रामीण

भीलवाड़ा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। जंगल में बकरियां चराने गए 14 साल के बालक की पेड़ पर लड़की लाश मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। परिजनों ने सुसाइड से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। इसके बाद मॉर्च्युरी के बाहर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे हैं और प्रदर्शन कर आरोपियों को पकड़ने की मांग कर रहे हैं। मामला करेड़ा थाना क्षेत्र के अमाल्दा गांव का है।

गांव से 2 किमी दूर मिली लाश

अमाल्दा के रहने वाले राम सिंह का 14 साल का बेटा जगदीश बकरियां चलाने जंगल में गया था। शाम तक भी जब जगदीश लौटकर नहीं आया तो उसकी तलाश की गई। देर रात में जगदीश का शव गांव से करीब 2 किलोमीटर दूर जंगल में एक पेड़ से लटका मिला। जगदीश के गले में शर्ट से फंदा लगा था और वह एक पेड़ से बंधा था। परिजनों ने इसकी सूचना करेड़ा पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को करेड़ा हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में भिजवाया है।

परिजनों का कहना है कि जगदीश आत्महत्या नहीं कर सकता है, उसकी हत्या करने के बाद उसे पेड़ से लटकाया गया है। करेड़ा थाना प्रभारी सुनील बेड़ा का कहना है कि फिलहाल इस संबंध में परिजनों की ओर से कोई रिपोर्ट नहीं आई है लेकिन पुलिस मामले की सभी एंगल से जांच कर रही है। फिलहाल बड़ी संख्या में ग्रामीण मॉर्च्युरी के बाहर इकट्ठा हुए हैं और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए भीलवाड़ा करेड़ा स्टेट हाइवे पर जाम लगा दिया है । पुलिस लोगों से समझाईश में लगी है ।

एक्सीडेंट में पिकअप सवार 2 लोगों की मौत

अमरूद लेने सवाई माधोपुर जा रहे थे; बोरवेल मशीन के ट्रक से हुई आमने-सामने की भिड़ंत

दौसा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। दौसा जिले से गुजर रहे मनोहरपुर-कौथून नेशनल हाईवे पर सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। हादसा बीती देर रात सैंथल थाना क्षेत्र में चलाना बालाजी के पास हुआ, जहां पिकअप और बोरिंग मशीन के ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसमें पिकअप सवार दो लोगो की मौत हो गई। दोनों मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई के लिए जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि देर रात करीब 12 बजे एक्सीडेंट की सूचना पर मौके पर पहुंचे, जहां बोरवेल मशीन के भारी वाहन की भिड़ंत से पिकअप पूरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिली। चालक व एक अन्य युवक पिकअप में बुरी तरह फंसे हुए थे, जिन्हें मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकाल कर इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। इमरजेंसी में डॉक्टर ने जांच के बाद दोनों को ही मृत घोषित कर दिया।

थाना इंचार्ज घासीराम ने बताया कि मृतक कोटपूतली क्षेत्र के ज्ञानपुरा निवासी शम्भू योगी (52) व अलवर जिले के नारायणपुर निवासी सुरेश (35) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पिकअप अमरुद लेने के लिए सवाई माधोपुर जा रही थी। इसी दौरान बोरवेल मशीन के ट्रक से आमने-सामने की भिड़ंत यह हादसा पेश आया। मृतकों के परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई करवा कर शव सुपुर्द किए जाएंगे।

5 लाख रुपए लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

जेल से जमानत पर छूटा, साथी के साथ मिलकर दिया वारदात को अंजाम

हनुमानगढ़, 14 जनवरी (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ टाउन थाना इलाके में हुई लाखों की लूट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लूट के 5 लाख 10 हजार रुपए बरामद किए हैं। दोनों आरोपी लूटकर पैसों को अपने शौक में इस्तेमाल करने वाले थे। फिलहाल टाउन पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ में जुटी हुई है।

एसपी के निर्देश पर बनी टीम

टाउन सीआई वेदपाल ने बताया कि डीआईजी और पुलिस अधीक्षक डॉ. राजीव पचार ने लूट की वारदात को ट्रेस आउट करने के लिए थाना स्तर पर विशेष टीम गठित करने के निर्देश दिए। इस मामले में एएसपी बनवारीलाल मीणा, सीओ अरविंद कुमार के सुपरविजन में टाउन सीआई वेदपाल ने लूट वाले स्थल का निरीक्षण किया। जिसके बाद लखूवाली चौकी प्रभारी एएसआई सोहनलाल के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई।

सीसीटीवी, साइबर और मुखबिर बने ट्रेस में मददगार

टाउन सीआई वेदपाल ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत टीम ने कार्य शुरू किया। पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता, घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज और मानवीय आसूचना संकलन कर दो आरोपियों को चिन्हित किया। चिन्हित करने के बाद दोनों आरोपी सद्दाम हुसैन और ईसराइल को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की तो दोनों ने लूट करने की बात कबूल कर ली।

मोबाइल चलाने से डांटा तो फंदा लगाया: दसवीं की छात्रा को पिता ने डांटा, कमरे में जाकर दे दी जान

कोटा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। कोटा के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में एक पंद्रह साल की नाबालिग ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। बालिका को उसके पिता ने मोबाइल चलाने पर डांट दिया था। इस बात से नाराज होकर उसने शाम 6 बजे फंदा लगा लिया। रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

बोरखेड़ा थाने के सीआई जितेन्द्र सिंह ने बताया कि बनवारीलाल अपने परिवार के साथ बोरखेड़ा के बजरंगनगर में अपने ससुराल में रहते हैं। उनकी बेटी कृपांशी (15) स्कूल से आने के बाद पिता का मोबाइल चलाने लगी। बनवारीलाल प्राइवेट काम करते हैं। उन्हें काम पर जाना था। उन्होंने कृपांशी से मोबाइल मांगा। मोबाइल लेने के बाद कृपांशी को डांट दिया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई में ध्यान लगाओ, दसवीं क्लास में पढ़ती हो एग्जाम आने वाले हैं। दिनभर जब भी देखो मोाबइल में लगी रहती है। पिता की डांट से कृपांशी नाराज हो गई और मोबाइल देकर कमरे में चली गई।

काफी देर तक वह कमरे से बाहर नहीं आई। रात करीब आठ बजे उसे खाने के लिए आवाज लगाई लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। काफी देर तक दरवाजा खटखटाया लेकिन दरवाजा नहीं खुला। इस पर घरवालों को आशंका हुई। पड़ोसियों को बुलाया और दरवाजा तोड़कर देखा तो अंदर कृपांशी फंदे पर लटकी हुई थी। उसे फंदे से उताकर एमबीएस अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। पोस्टमार्टम करवाने पहुंचे थाने के हैड कांस्टेबल द्वारका लाल ने बताया कि घरवालों से जानकारी लेने पर सामने आया है कि कई बार उसे मोबाइल पर गेम खेलने और वीडियो देखने को लेकर पिता डांट दिया करते थे। इससे वह नाराज हो जाती थी। भी पिता ने डांटा तो वह नाराज होकर कमरे में चली गई।

नगर में दिव्य श्री रामकथा ज्ञानयज्ञ 22 अप्रैल से, समितियां गठित

राम मंदिर प्राणप्रतिष्ठा पर भाग्यनगर में उत्सव मनाने की निर्णय

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अयोध्या धाम में दशरथ नंदन प्रभु श्री रामचंद्र जी के भव्य मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक अवसर पर अब भाग्यनगर में साल भर चलने वाले उत्सव की भव्य तैयारियां शुरू हो गई हैं।

श्री राम जन्मभूमि पर रामलला के विराजमान होने पर भाग्यनगर में विख्यात संत और मानस मर्मज्ञ श्री मुरलीधर जी महाराज के मुखारविंद से 22 से 30 अप्रैल तक भव्य श्री राम कथा का आयोजन होने जा रहा है। हैदराबाद के नामपल्ली स्थित एग्जीबिशन ग्राउंड में होने वाली इस 9 दिवसीय श्री रामचरितमानस कथा एवं नवाहपारायण पाठ के अद्भुत महायज्ञ को लेकर तगड़ा उत्साह देखने को मिल रहा है। इब्राहिमपटनम स्थित श्री गोपाल गौशाला प्रस्तुत इस दिव्य श्री रामकथा को लेकर बशीरबाग स्थित होटल बीकानेरवाला में सभा का आयोजन किया गया। जिसमें कथा के सफल आयोजन को लेकर कई समितियों का गठन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दशरथ नंदन प्रभु श्री राम की पूजा अर्चना और श्रीराम स्तुति से हुई। जिसके बाद मंच संचालन कर रहे गौशाला के मैनेजिंग ट्रस्टी महावीर प्रसाद अग्रवाल ने श्रीराम कथा की तैयारियों के विषय में अवगत करवाया। कार्यक्रम में श्री गोपाल गौशाला के चेयरमैन तुलसीराम बंसल ने सभा में आये हुए सभी भक्तों जनों का स्वागत किया और श्री रामकथा आयोजन के संदर्भ में सभी के समक्ष अपने विचार रखे। जिसके बाद अर्जुन कुमार गोयल, मुरली मनोहर पलोड़, जसमत भाई पटेल, जयपाल नयाल सनातनी और कैलाश नारायण नारायण भांगड़िया ने अपने विचार व्यक्त किये।

सभा में सभी वक्ताओं ने श्री राम कथा में डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल और भगवान राम, गौमाता और रामायण के सेल्फी प्वाइंट्स रखने का सुझाव दिया ताकि युवा पीढी भी इस बहाने आयोजन में रुचि दिखाये। इस मौके पर सफल आयोजन और समन्वय के लिये श्री रामकथा सेवा समिति का गठन किया गया। जिसमें तुलसीराम बंसल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, कैलाश नारायण भांगड़िया, मुरलीमनोहर पलोड़, अर्जुन कुमार गोयल और जसमत भाई पटेल को चुना गया। इसके साथ ही कुछ और समितियों का गठन किया गया। जिसमें प्रचार प्रसार समिति, प्रसाद वितरण समिति, मंच व्यवस्था समिति, सुरक्षा प्रबंधन समिति, स्वागत समितियां प्रमुख रही। कार्यक्रम में राजेश कुमार अग्रवाल, रमेश कवास, सुजल सर्राफ, विक्की सर्राफ, मुकेश सैनी, सुनिल अग्रवाल, रामकृष्ण, धर्मपाल, मुकेश वर्मा, रमेश चन्द्र अग्रवाल, संजय, आनंद अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, ललित अग्रवाल, मंटु केसरी राजवीर शर्मा, गोपाल सारदा, कैलाश नागर, राजेश अग्रवाल, सुभाष भदौरिया, वेद प्रकाश अग्रवाल, सुशी शर्मा, खुशी पांडयान, चैताली झाडे और विकास कुमार सैनी समेत बड़ी तादाद में लोग उपस्थित रहे।

साइबर धोखाधड़ी के आरोप में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने शेयर बाजार और क्रिप्टो मुद्रा में निवेश पर उच्च रिटर्न का आश्वासन देने के बाद कथित तौर पर जनता को धोखा देने के आरोप में हरियाणा के फरीदाबाद के मूल निवासी दो लोगों, हिमांशु (30) और प्रवीण (26) को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, संदिग्धों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने पीड़ितों से संपर्क किया और उन्हें छोटे निवेश पर भारी मुनाफे का आश्वासन दिया। दोनों ने कथित तौर पर संदिग्ध निवेशकों को एक बैंक खाते का विवरण प्रदान किया और उन्हें राशि हस्तांतरित करने के लिए कहा। इसके बाद हिमांशु और प्रवीण ने निवेशकों के फोन नंबर ब्लॉक कर दिए और संपर्क करने से बचते रहे। अपनी अवैध गतिविधियों को अंजाम देने के लिए, हिमांशु ने जाली आधार कार्ड बनाया और इसका इस्तेमाल करके दिल्ली के एक बैंक में खाता खोला। संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध और एसआईटी), ए वी रंगनाथ ने कहा, ''देश भर से विभिन्न पीड़ितों द्वारा खाते में 2.5 करोड़ रुपये स्थानांतरित किए गए।'' पुलिस ने उस बैंक खाते को फ्रीज कर दिया, जिसमें रुपये जमा थे।

भारत ने 6 विकेट से जीता दूसरा टी-20

सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ली, जायसवाल और दुबे के अर्धशतक, अर्शदीप को 3 विकेट

इंदौर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा टी-20 मैच 6 विकेट से जीत लिया है। टीम ने इंदौर के होलकर स्टेडियम में 173 रन का टारगेट 16वें ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया।

ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 34 बॉल पर 68 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे ने 32 बॉल पर नाबाद 63 रन बनाए। इससे पहले, अफगानिस्तान की ओर से गुलबदीन नाइब ने 35 बॉल पर 57 रन बनाए। भारत से अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट झटके। इस जीत के बाद भारतीय टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का तीसरा मुकाबला 17 जनवरी को बेंगलुरू में खेला जाएगा।

जगन सरकार की उल्टी गिनती शुरू : चंद्रबाबू नायुडू

अमरावती, 14 जनवरी (एजेंसियां)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सुप्रीमो एन. चंद्रबाबू नायुडू ने रविवार को कहा कि आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने जन सेना पार्टी (जेएसपी) नेता और अभिनेता पवन कल्याण के साथ अमरावती के मंडदम में भोगी समारोह में हिस्सा लिया। दोनों नेताओं ने वाईएसआरसीपी सरकार के 'जनविरोधी' नीतियों को भोगी अग्नि में जलाया। टीडीपी और जेएसपी ने आगामी लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन की घोषणा की है। दोनों दल भोगी मनाने के लिए एक साथ आए, जो तीन दिवसीय संक्रांति उत्सव की शुरूआत है।

समारोह का आयोजन 'तेलुगु जातीकी स्वर्ण युगम-संक्रांति संकल्पम' (तेलुगु लोगों के लिए स्वर्ण युग के लिए संक्रांति प्रतिज्ञा) के नारे के साथ संयुक्त रूप से किया गया।

नायुडू ने कहा कि जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। अंधेरा दूर हो जाएगा और राज्य में स्वर्णिम शासन आएगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान वाईएसआरसीपी के अक्षम और विनाशकारी शासन के कारण लोगों को बहुत परेशानी हुई है। उन्होंने कहा, इस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और राज्य के अच्छे दिन आने वाले हैं।

नायुडू ने आरोप लगाया कि सरकार ने अमरावती के किसानों के लिए बहुत सारी समस्याएं पैदा कीं और पिछले पांच साल उनके लिए काला समय था। उन्होंने कहा कि अमरावती देवताओं की राजधानी है। वह शैतानों के हाथों में चली गई है।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सम्यक सामायिक संपन्न

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मण्डल के तत्वावधान में शिवा जोन की सम्यक सामायिक कमला नाहटा (मानसरोवर) सिकन्द्राबाद के निवास स्थान पर आयोजन किया गया। सम्यक सामायिक का प्रारंभ नवकार महामंत्र के मन्त्रोंचार के साथ हुआ साथ ही सभी बहनों ने लोगस्स का ध्यान किया। समायिक जोन की मुख्य संयोजिका रीटा सुराणा पधारी। सामायिक में उन्होंने ध्यान के बारे में बहुत ही सुंदर व महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। ध्यान की महता को समझाते हुए हमें ध्यान के प्रयोग करवाए। 12 व्रत के बारे में बताते हुए, बहनों को बाहरी व्रत धारण करने की प्रेरणा दी काफी बहनों को आजीवन त्याग भी करवाएं और साथ ही बताया कि कैसे छोटे-छोटे त्याग करके हम बहुत से पापकारी प्रवृत्तियों से बच सकते हैं। इस अवसर पर मंडल की गतिविधि की जानकारी दी गई।

नारी चेतना के तहत सिलाई मशीन दी गई

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा राष्ट्रीय प्रकल्प नारी चेतना के तहत सिलाई मशीन दी गई। शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में सरला मेहता द्वारा एक जरूरतमंद महिला को स्वावलंबी बनाने हेतु सिलाई मशीन भेंट स्वरूप दी गई। जिससे वह अपने पैरों पर खड़ी हो सके और अपना जीवन यापन सुचारू रूप से चला सके। शाखा की ओर से लाभार्थी परिवार का शॉल माला से स्वागत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संतोष गुजरानी, मीना दुग्गड, सुनीता जैन का सराहनीय योगदान रहा। शाखा की रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राधा कृष्ण मंदिर में विधायक का मारवाड़ी समाज द्वारा सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के उत्सव से हमारा धर्म हमारी संस्कृति बची है।

विश्वमंगल गौशाला में भूमिदान करते हुए मांगीलाल माली, राजूराम प्रजापत और संतोषी देवी, मनीषा, लुम्बाराम सीरवी, पेमाराम, गणपतराम, महेंद्र सिंह, मदनलाल, सज्जन सीरवी, प्रदीप जांगिड़, ठाकराराम विश्नोई, सांवलराम, मंगनाराम सीरवी, नारायण राम, जसराज, शांतिलाल सुथार।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी ने की बैठक

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमेटी की वर्ष 2023-25 के कार्यकाल की 17वीं बैठक समाज के कार्यालय राघव रत्ना टॉवर, चिरागअली कार्यालय में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में बालक एवं बालिकाओं के करीब 8 अभिभावक गण उपस्थित होकर नए बायोडेटा एवं उनके द्वारा दिए गये पहले के बायोडेटा के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

कमेटी द्वारा 2023-25 के इस कार्यकाल में 52 रिश्ते नक्की हुए। समाज की सभी शाखाओं के सदस्यों से आग्रह है कि समाज द्वारा जो निःशुल्क सेवा प्रदान की जा रही है उसका पूर्ण रूप से लाभ प्राप्त करें विशेषकर महिला शाखाओं से आग्रह है वे इस कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें आपके सहयोग के बिना यह कार्य असंभव है।

बैठक में चेयरमैन मुकुंदलाल अग्रवाल, कन्वेनर रमेश तुल्सियान, वाइस चेयरमैन सतीश कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार ददरीवाला, गोविंद अग्रवाल, अग्रवाल समाज के फिजियो थेरापिस्ट बाल्कृष्ण सुरेखा एवं बालक बालिकाओं के अभिभावक गण आदि उपस्थित थे।

हिल रिज स्प्रिंग गच्चीबावली में लोहड़ी के अवसर पर गिद्दा एवं लोहड़ी मकर संक्रांति त्योहार पारंपरिक रूप से मनाते हुए नागरिक। भाग लेते हुए गीता अग्रवाल, जयश्री लोहिया, राज माथुर, ज्योति सक्सेना, नीता सुरेश, श्रीदेवी, श्रीदेवी कोटा, रविंदर कौर, अंकिता गर्ग, भारती गर्ग, गीतिका पाव, निष्ठा अग्रवाल व अन्य।

बोइनपल्ली में मना संक्रांति उत्सव

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बोइनापल्ली में संक्रांति उत्सव शुरू हो गया है। इसी कॉलोनी में महिलाओं ने वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में थिरुप्पावई पूजा की। बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप के परिवार के सदस्यों द्वारा आयोजित भोगी महोत्सव में महिलाओं ने पाल्गुनी अलाव जलाकर जश्न मनाया। खेल गानों से गूंज रहा था। इस अवसर पर सभी ने महिला प्रमुख विद्यावती को संक्रांति की बधाई दी। इस अवसर पर विद्यावती ने कहा कि इस दिन सुबह जल्दी उठकर घर के सामने अलाव जलाने की परंपरा है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए ताकि आज की पीढ़ी के बच्चे हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को न भूलें। इसमें स्थानीय कॉलोनी के निवासियों ने भाग लिया।

भगवान गोदा रंगनाथजी का धनुर्मास महोत्सव मनाया गया

मदनूर, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी समाज की ओर से स्थानीन श्री बालाजी मंदिर में भगवान गोदा रंगनाथजी धनुर्मास महोत्सव बड़ी धूम धाम से मनाया गया। इसके अन्तर्गत प्रतिदिन प्रातः 6.30 बजे सुप्रभातम् भजन-कीर्तन, मंगला आरती, तीर्थ प्रसाद, 8 बजे श्रृंगार आरती, गोदा रंगनाथ की कथा, भजन कीर्तन, प्रभात फेरियां, मंगलाष्टकम, विशिष्ट दैव-भक्तों, भागवतों का आगमान, भक्त मंडलीयों द्वारा विशेष गुण गान आरती प्रसाद का आयोजन किया गया। भक्तजनों ने मंदिर के संस्थापक पुजारी राम महाराज ने गोदा रंगनाथ विवाह संपन्न करने के बाद बालाजी मंदिर से लेकर मारवाड़ी गाली गांधी चैक मेनरोड से भगवान गोदा रंगनाथ जी की शोभायात्रा निकाली। इस समय स्थानीक सरपंच सुरेश गोविंद काकानी, सुरेश मोदानी, हनुमान शर्मा, विष्णु शर्मा, गोपाल नीतेश काबरा ओम तिवारी गोपाल तोषनीवाल, गिरीश तोषनीवाल, अनिल पारिख, संतोष व्यास कृष्णा गौड़ गंगाधर गपलवार राजू मामीडवार सतीश कामशेटवार बसवराज पाटील लीबुर, भावराव पाटील थड़ी हिपरगा खुशाल रच्यावार के साथ महिला व छोटे बच्चे शामिल थे।

डीएससी की घोषणा संक्रांति त्यौहार के पश्चात तुरंतः मंत्री बोत्सा

अमरावती, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एपी राज्य मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने कहा कि, एपी सरकार की ओर से बेरोजगारों के लिए अच्छी खबर है, जिसमें डीएससी की घोषणा संक्रांति के पश्चात तुरंत होगी।

इस बारे में, एपी सरकारी आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, आंध्र प्रदेश में बेरोजगारों को वाईएस जगन सरकार ने खुशखबरी दी है। जिसमें यह बताया गया है कि डीएससी की घोषणा संक्रांति के बाद जारी की जाएगी। जिसमे राज्य मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने ट्वीट कर कहा कि डीएससी की अधिसूचना जारी करने के लिए आवश्यक कदम उठाये जा रहे है।. उन्होंने कहा कि राज्य में बेरोजगारों के लिए जल्द ही खुशखबरी दी जायेगी तथा संक्रांति के बाद तत्संबंधित अधिसूचना जारी करने की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही उन्होंने बताया कि इस मामले में जिला स्तरीय पदों का विवरण जल्द ही घोषित किया जाएगा।

मकर संक्रांति उत्सव पर रेनबो होम, फालुकनुना में अनाथ बच्चों में पतंगें और मिठाइयाँ वितरित की गईं। इस मौके पर उपस्थित हैं बीआरएस नेता एस.पी.क्रांति कुमार व एस.शैलजा, रितेश श्रीवास्तव, एस.प्रणीत व अन्य।

संक्रांति के अवसर पर पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव को बधाई देते हुए गोसामहल बीआरएस के नेता एम. आनंद कुमार गौड़ व सुरेश सिंह।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

पोंगल उत्सव में ...

मुझे खुशी है कि इस सुपरफूड को लेकर देश में और दुनिया में एक नई जागृति आई है। हमारे बहुत से नौजवान, मिलेट्स- श्री अन्न को लेकर नए स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं और ये स्टार्टअप्स आज बहुत पॉपुलर हो रहे हैं।

श्री अन्न के उत्पादन से हमारे देश के तीन करोड़ से अधिक छोटे किसान जुड़े हुए हैं। हम श्री अन्न को प्रमोट करते हैं तो सीधे-सीधे इन तीन करोड़ किसानों का भला होता है।

उन्होंने कहा कि पोंगल के अवसर पर तमिल महिलाएं अपने घर के बाहर कोलम बनाती हैं। सबसे पहले वो आटे का इस्तेमाल कर जमीन पर कई डॉट्स बनाती हैं। एक बार जब सारे डॉट्स बन जाते हैं, तो हर एक का एक अलग महत्व होता है। ये तस्वीर ही मन लुभाने वाली होती है। लेकिन कोलम का असली रूप तब और वैभवशाली हो जाता है, जब ये सभी डॉट्स मिला दिए जाते हैं और बड़ी कलाकृति बनाकर इसमें रंग भरा जाता है। हमारा देश और इसकी विविधता भी कोलम के जैसी है। जब देश का कोना-कोना एक दूसरे से भावनात्मक रूप से जुड़ता है, तो हमारी शक्ति, एक अलग रूप दिखाती है। पोंगल का पर्व भी एक ऐसा ही पर्व है, जो एक भारत-श्रेष्ठ भारत की राष्ट्र भावना को दर्शाता है। बीते समय में, काशी-तमिल संगमम और सौराष्ट्र तमिल संगमम अत्यंत महत्वपूर्ण परंपरा शुरू हुई है, और उसमें भी ये भाव प्रकट होता है, ये भावना दिखती है। इन सभी आयोजनों में बहुत बड़ी संख्या में हमारे तमिल भाई-बहन उत्साह से हिस्सा लेते हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को उत्तरायण और भोगी के विशेष अवसर पर भी शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर अलग-अलग पोस्ट कर लोगों को उत्तरायण और भोगी के विशेष अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दी।

शिवसेना में शामिल...

इसका पूरा श्रेय मोदी जी को जाता है, मेरा साथ देने वालों का आभार, यह मेरे लिए आसान फैसला नहीं था। उन्होंने कहा कि हमें एक बार फिर मुंबई को आर्थिक राजधानी बनाना है। हमें फाइनेंस के मामले में मुंबई को एक बार फिर और मजबूत करना है, यह बहुत गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत बहुत सशक्त हुआ है। देवड़ा ने इससे पहले कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू होने से ठीक पहले मिलिंद देवड़ा के पार्टी छोड़ने की घोषणा करने की टाइमिंग पर कांग्रेस ने सवाल उठा रही है।

हम आपकी सुनने ...

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, मोदी जी समंदर में सैर करने जाते हैं, राम-राम जपते हैं लेकिन मणिपुर नहीं आते। उनके मुख में राम और बगल में छुरी है। खड़गे ने कहा कि जब पंडित नेहरू पहली बार मणिपुर आए थे तब उन्होंने इसे भारत का गहना बताया था। यही बात इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने भी कही थी। यह मणिपुर की वह भूमि है जो आजादी के लिए लड़ी। शायराना अंदाज में खड़गे ने कहा कि जब हौसला बना लिया ऊंची उड़ान का फिर देखना फिजूल है, कद आसमान का।

अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मकर संक्रांति के पवित्र अवसर पर न्याय के लिए यह यात्रा मणिपुर से शुरू हो रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में ये यात्रा पूरब से पश्चिम यानी मणिपुर से मुंबई तक जाएगी। यात्रा सफल या असफल हो, ये अलग बात है, ये विचारधारा की लड़ाई है। कांग्रेस पार्टी की विचारधारा ही देश को बचा सकती है। इस यात्रा का चुनाव में जीत या हार से कोई लेना-देना नहीं है।

हालांकि कांग्रेस ने कहा कि यह कोई चुनावी यात्रा नहीं है, राहुल की यात्रा 2.0 जिन लोकसभा क्षेत्रों से गुजरेगी, उनकी सूची से संकेत मिलता है कि पार्टी हिंदी क्षेत्रों पर भारी ध्यान केंद्रित कर रही है। इससे पहले राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से श्रीनगर तक 3,000 किलोमीटर से ज्यादा पैदल यात्रा की थी।

भारत 15 मार्च ...

भारत ने मालदीव को 2010 और 2013 में दो हेलिकॉप्टर और 2020 में एक छोटा विमान तोहफे के तौर पर दिया था। इस पर मालदीव में काफी हंगामा हुआ। मुइज्जू के नेतृत्व में विपक्ष ने तत्कालीन राष्ट्रपति सोलिह पर 'इंडिया फर्स्ट' नीति अपनाने का आरोप लगाया था।

भारत का कहना है कि उपहार में दिए गए विमान का इस्तेमाल खोज-बचाव अभियानों और मरीजों को लाने के लिए किया जाना था। मालदीव की सेना ने 2021 में बताया था कि इस विमान के संचालन और उसकी मरम्मत के लिए भारतीय सेना के 70 से ज्यादा जवान देश में मौजूद हैं। इसके बाद मालदीव के विपक्षी दलों ने 'इंडिया आउट' अभियान शुरू कर दिया। उनकी मांग थी कि भारतीय सुरक्षा बल के जवान मालदीव छोड़ें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

119 साल पुराना ऑस्ट्रेलिया ओपन : जोकोविच रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन

25 साल में पहली बार नडाल या फेडरर के बिना टूर्नामेंट

सिडनी, 14 जनवरी (एजेंसियां)। टेनिस का 119 साल पुराना टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलिया ओपन आज से शुरू हो रहा है, जो 28 जनवरी तक चलेगा। 1905 में शुरू हुए टूर्नामेंट का इस साल 112वां एडिशन खेला जाएगा। रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच इस साल भी अपना टाइटल बचाने के लिए कोर्ट पर उतरेंगे।

25 साल में ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब टूर्नामेंट में राफेल नडाल और रोजर फेडरर नहीं होंगे। नडाल इस साल ब्रिस्बेन एटीपी 250 के दौरान चोटिल हो गए थे। वहीं रोजर फेडरर संन्यास ले चुके हैं।

आखिरी बार 1999 में नडाल या फेडरर के बिना हुआ था टूर्नामेंट

आखिरी बार 1999 के ऑस्ट्रेलिया ओपन में दोनों नहीं खेले थे। स्विस प्लेयर फेडरर ने 2000 में डेब्यू किया और 2021 तक इसमें हिस्सा लिया। उस दौरान उन्होंने 6 खिताब (2004, 2006, 2007, 2010, 2017 और 2018) जीते।

वहीं, स्पेन के नडाल 2004 में पहली बार ऑस्ट्रेलिया में खेले थे, (वह तीसरे दौर में पहुंचे) और 2009 और 2022 में जीते। उन्होंने चोट के कारण 2006 और 2013 के एडिशन में हिस्सा नहीं लिया।

साल का पहला ग्रैंड स्लैम है ऑस्ट्रेलिया ओपन

टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में यूस ओपन होता है। यूएस ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

पहला सीजन क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया था

लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट को 1905 में शुरू किया था। टूर्नामेंट का पहला सीजन मेलबर्न के एल्बर्ट क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया जो बाद में टेनिस कोर्ट में तब्दील हो गया।

इस टूर्नामेंट को पहले ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप कहा जाता था। बाद में लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया टेनिस ऑस्ट्रेलिया बन गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप को ऑस्ट्रेलियन ओपन नाम दे दिया गया। 1969 से इस टेनिस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर इसी नाम से जाना जाने लगा।

1972 से मेलबर्न में हो रहा है टूर्नामेंट

1905 से पांच ऑस्ट्रेलियाई शहरों में 110 बार टूर्नामेंट हुआ, मेलबर्न (66 बार), सिडनी (17 बार), एडिलेड (15 बार), ब्रिस्बेन (7 बार), पर्थ (3 बार), और न्यूजीलैंड के दो शहर क्राइस्टचर्च (1906) और हेस्टिंग्स (1912) में इसे खेला गया।

टूर्नामेंट 1916 से 1918 और 1940 से 1945 के बीच वर्ल्ड वॉर के कारण नहीं हुआ था।

एसोसिएशन ने 1972 में हर साल टूर्नामेंट का आयोजन मेलबर्न में कराने का फैसला लिया, क्योंकि यहां इसे सबसे ज्यादा दर्शक देखने आते थे। टूर्नामेंट 1972 से 1988 तक कूयॉन्ग लॉन टेनिस क्लब में खेला गया। 1988 से यह अब मेलबर्न पार्क में हो रहा है।

हार्ड कोर्ट पर होते हैं मुकाबले

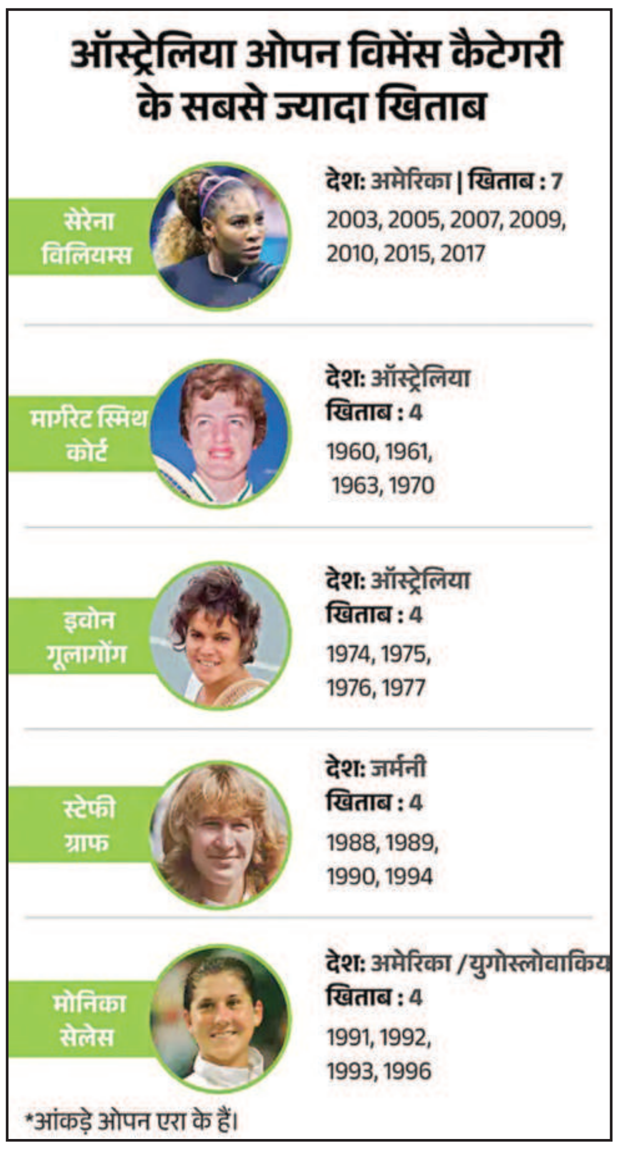

ऑस्ट्रेलिया ओपन हार्ड कोर्ट पर खेला जाता है। 1987 से पहले यह टूर्नामेंट विम्बलडन की तरह ग्रास कोर्ट पर खेला जाता था। फिर 1988 से 2007 तक यह हरे रंग के हार्ड कोर्ट पर खेला जाने लगा। 2008 से अब कोर्ट का कलर नीला हो गया है।

चारों ग्रैंड स्लैम में सिर्फ विम्बलडन ग्रास कोर्ट पर खेला जाता है। वहीं, यूएस और ऑस्ट्रेलिया ओपन हार्ड कोर्ट, और फ्रांस ओपन क्ले कोर्ट पर खेला जाता है।

481.2 करोड़ की प्राइज मनी

इस साल ऑस्ट्रेलिया ओपन की कुल प्राइज मनी 481.2 करोड़ रुपए है। पिछले साल के मुकाबले इस साल प्राइज मनी में 13 फीसदी का इजाफा हुआ है। मेंस और विमेंस सिंगल्स के विनर को करीब 17.50 करोड़ मिलेंगे। टूर्नामेंट में सभी कैटेगरी के लिए हर स्टेज पर अलग-अलग प्राइज मनी है।

जोकोविच के पास सबसे ज्यादा मेंस सिंगल्स खिताब

सर्बिया के नोवाक जोकोविच के पास सबसे ज्यादा (10) मेंस सिंगल्स ऑस्ट्रेलिया ओपन खिताब है। एमेच्योर एरा को भी गिना जाए तो उनके बाद सबसे ज्यादा खिताब (6) ऑस्ट्रेलिया के रॉय एमरसन के पास है।

टेनिस में 1968 में ओपन एरा की शुरुआत हुई जब सभी खिलाड़ियों (एमेच्योर और प्रोफेशनल) को चारों ग्रैंड स्लैम में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई। इसे ओपन एरा कहा जाता है।

1922 में शुरू हुआ विमेंस इवेंट, ओपन एरा में विलियम्स के पास सबसे ज्यादा खिताब

ऑस्ट्रेलिया ओपन में विमेंस इवेंट की शुरुआत 1922 में हुई। ओपन एरा में सबसे ज्यादा खिताब (7) अमेरिका की खिलाड़ी सेरेना विलियम्स के नाम है। वहीं, ऑलटाइम (एमेच्योर एरा और ओपन एरा) सबसे ज्यादा खिताब ऑस्ट्रेलिया की मार्गरेट स्मिथ कोर्ट (11) के नाम हैं।

जोकोविच और सबालेंका मौजूदा मेंस और विमेंस चैंपियन

नोवाक जाकोविच ऑस्ट्रेलिया ओपन के मौजूदा चैंपियन है। उन्होंने पिछले साल मेंस सिंगल्स के फाइनल में उन्होंने स्टेफानोस सिटसिपास को हराया था। वहीं, विमेंस सिगल्स की चैंपियन बेलारूस की एरिना सबालेंका हैं। सबालेंका ने 2023 के फाइनल में एलेना राइबकिना को शिकस्त दी थी।

मिक्स्ड डबल्स इवेंट के मौजूदा चैंपियन ब्राजील के लुइसा स्टेफनी और राफेल माटोस है। उन्होंने सानिया मिर्जा और रोहिन बोपन्ना की भारतीय जोड़ी को फाइनल में हराया था। भारतीय जोड़ी इवेंट में भाग नहीं ले रही। सानिया मिर्जा 2023 में टेनिस से संन्यास ले चुकी हैं।

भारत के लिएंडर पेस के पास संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा मिक्स्ड डबल्स खिताब

ऑस्ट्रेलिया ओपन की मिक्स्ड डबल्स कैटेगरी में सबसे ज्यादा खिताब भारत के लिएंडर पेस के पास हैं। वे संयुक्त रूप से अमेरिका के जिम पुघ और कनाडा के डेनियल नेस्टर के साथ पहले नंबर पर है। तीनों खिलाड़ियों ने 3 बार इस कैटेगरी में खिताब जीता है। पेस ने 2003, 2005 और 2015 में ऑस्ट्रेलिया ओपन में जीत हासिल की।

भारत के सुमित नागल इस साल टूर्नामेंट में अकेले भारतीय

भारत के टॉप रैंकिंग टेनिस सिंगल्स खिलाड़ी सुमित नागल इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में हिस्सा लेने वाले अकेले भारतीय होंगे। उन्होंने मेन ड्रॉ में दूसरी बार जगह पक्की की है। नागल ने इससे पहले 2021 में टूर्नामेंट के मेन ड्रॉ में जगह बनाई थी। साल 2021 में नागल को ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले राउंड में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी, लेकिन तब वह हार गए थे।

सभी ग्रैंड स्लैम के मेन ड्रॉ से पहले खेले जाते हैं क्वालिफायर्स

एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स की ओर से आयोजित होने वाले सभी रैंकिंग टूर्नामेंट में कुछ खिलाड़ियों की एंट्री क्वालिफायर मुकाबलों के जरिए होती है। इससे दूसरे देशों के टॉप रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलता है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन और बाकी तीन ग्रैंड स्लैम के मेन ड्रॉ से पहले बड़े लेवल पर क्वालिफायर्स खेले जाते हैं। इस साल सिंगल्स इवेंट के लिए कुल 128 खिलाड़ी क्वालिफायर खेले और इनमें से 16 को मेन ड्रॉ में जगह मिली है।

डबल सेंचुरी लगाने के बाद भी चेतेश्वर पुजारा क्यों टीम से बाहर? अब वापसी मुश्किल

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। 25 जनवरी से इस टेस्ट सीरीज का आगाज होने वाला है। इस टेस्ट सीरीज से कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया हैं। जिसमें मोहम्मद शमी, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन, चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ी शामिल है। इनमे सबसे चौकाने वाला नाम चेतेश्वर पुजारा का है। पुजारा टेस्ट क्रिकेट के काफी शानदार बल्लेबाज हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से भी पुजारा को बाहर रखा गया था। जिसके बाद चेतेश्वर पुजारा ने घरेलू क्रिकेट का रुख किया और टीम में वापसी का दावा ठोका।

रणजी में लगाया दोहरा शतक

रणजी ट्रॉफी में वापसी के साथ ही चेतेश्वर पुजारा ने कमाल की पारी खेली और आलोचकों को जवाब दिया। रणजी ट्रॉफी 2024 के अपने पहले ही मैच में चेतेश्वर पुजारा ने दोहरा शतक लगाया। जिसके बाद फैंस को उम्मीद थी कि अब इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में पुजारा की वापसी हो सकती है। बावजूद इसके सेलेक्टर्स ने इंग्लैंड के साथ होने वाली टेस्ट सीरीज से उनको नजरअंदाज कर दिया है।

जिसके बाद अब बड़ा सवाल ये है कि क्या पुजारा की अब कभी टीम इंडिया में वापसी होगी या फिर अब पुजारा का इंटरनेशनल टेस्ट करियर खत्म होने वाला है। पुजारा के टेस्ट क्रिकेट में आंकड़े काफी बेहतर हैं और उनको इंग्लैंड जैसी बड़ी टीम के खिलाफ खेलने का अनुभव भी काफी है, बावजूद इसके उनको टीम से ड्रॉप कर दिया गया है।

पुजारा का टेस्ट करियर

चेतेश्वर पुजारा काफी लंबे समय से टीम इंडिया के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलते आ रहे हैं लेकिन पिछले कुछ समय से टीम इंडिया के लिए उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। अभी तक पुजारा ने टीम इंडिया के लिए 103 टेस्ट मैच खेले हैं। जिसमें उनके नाम 7195 रन दर्ज है। इस दौरान पुजारा के बल्ले से 19 शतक और 35 अर्धशतक निकले हैं। टेस्ट क्रिकेट में पुजारा का बेस्ट स्कोर 206 रन का है।

इंग्लैंड के खिलाफ विकेटकीपिंग नहीं करेंगे राहुल

स्पेशलिस्ट बैटर के रूप में टेस्ट खेलेंगे; भरत या जुरेल को मिल सकता है मौका

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में केएल राहुल विकेट कीपिंग नहीं करेंगे। उन्हें प्लेइंग इलेवन में बतौर बैटर ही शामिल किया जा सकता है। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज 25 जनवरी से शुरू हो रही है। सीरीज के पहले दो मुकाबलों के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है।

टीम में केएल राहुल सहित दो विकेट कीपर केएस भरत और ध्रुव जुरेल को जगह दी गई है। रिपोर्ट्स की मानें तो केएल राहुल इस सीरीज में बतौर बल्लेबाज खेलेंगे और भारतीय टीम एक स्पेशलिस्ट विकेटकीपर के साथ उतरेगी।

स्पेशलिस्ट बैटर के रूप में खेलेंगे

टाइम्स ऑफ इंडिया ने BCCI सूत्रों के हवाले से लिखा है कि केएल राहुल को विकेटकीपर की भूमिका केएल साउथ अफ्रीका दौरे के लिए ही थी। सूत्रों ने बताया कि राहुल अब बतौर बैटिंग स्पेशलिस्ट टीम में खेलेंगे। विदेशी पिच पर केवल तेज गेंदबाजों के सामने विकेट कीपिंग करनी पड़ती है।

भारतीय पिचों पर विकेट कीपिंग करना कठिन होता है, क्योंकि घरेलू पिच स्पिन के अनुकूल होती है। यहां के पिचों पर गेंद तेजी से उछाल लेने के साथ ही घूम सकती है। ऐसे में यहां एक स्पेशलिस्ट विकेटकीपर की जरूरत होती है। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में एक कीपिंग के लिए स्पेशलिस्ट को ही लिया जाएगा।

रिस्क नहीं लेना चाहती मैनेजमेंट

सूत्र ने कहा, राहुल बतौर बल्लेबाज हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। उनसे कीपिंग करा कर हम कोई रिस्क नहीं लेना चाहते हैं। विकेट के पीछे चोटिल होने की संभावना ज्यादा है। ऐसे में उन्हें इस भूमिका से दूर ही रखा जाएगा। उन्होंने पिछले साल जून में जांघ का भी ऑपरेशन करवाई है। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में कीपिंग भूमिका से उन्हें दूर रखा जाएगा। हमारे पास टीम में भरत और जुरेल स्पेशलिस्ट हैं।

भरत और जुरेल में से किसी एक को प्लेइंग इलेवन में मौका मिल सकता है

घरेलू टेस्ट सीरीज में भरत और जुरेल में से किसी एक को प्लेइंग इलेवन में मौका मिल सकता है। भरत टेस्ट में डेब्यू कर चुके हैं। वहीं जुरेल पहली बार किसी फॉर्मेट में भारतीय टीम में सेलेक्ट हुए हैं।

भरत ने 2023 में आखिरी बार जून में ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत के लिए खेला गया। ऐसे में वह इस टेस्ट सीरीज से वापसी कर सकते हैं। वहीं भरत ने अब तक खेले पांच टेस्ट मैचों में 18.42 की औसत से 129 रन बनाए हैं। वहीं जुरेल ने 15 फर्स्ट क्लास मैचों में 46.47 की दर से 790 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 249 रहा है।

तीन स्पिनर के साथ उतरेगी टीम

भारतीय टीम में पहले दो टेस्ट के लिए टीम में चार स्पिन गेंदबाजों को शामिल किया है। इसमें रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल शामिल हैं। प्लेइंग इलेवन में इनमें से तीन को मौका मिलना तय है। जडेजा, अश्विन और अक्षर बल्ले से भी कमाल कर सकते हैं। इसके अलावा प्लेइंग इलेवन में दो पेसर होंगे।

पेरिस ओलिंपिक के लिए रिकॉर्ड 17 भारतीय शूटर्स क्वालिफाई

विजयवीर को एशियन क्वालिफायर में सिल्वर मेडल; टोक्यो में 15 शूटर्स खेले थे

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। विजयवीर सिधू ने भारत को शूटिंग में ओलिंपिक का 17वां कोटा दिलाया। शूटिंग में भारत से अब तक इतने ज्यादा प्लेयर्स ने कभी क्वालिफाई नहीं किया था। इससे पहले 2020 के टोक्यो ओलिंपिक में 15 शूटर्स ने हिस्सा लिया था।

एशियन ओलिंपिक क्वालिफायर में विजयवीर ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में सिल्वर मेडल जीता। इससे पहले, 577 के स्कोर के साथ विजयवीर सिधू क्वालिफायर में पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल के लिए जगह बनाई। गेम्स इस साल जुलाई के दौरान फ्रांस के पेरिस में होंगे।

एशियन क्वालिफायर में भारत का चौथा कोटा

जकार्ता में चल रहे एशियन ओलिंपिक क्वालिफायर में भारत का यह चौथा कोटा है। इससे पहले रिदम सांगवान, ईशा सिंह और वरुण तोमर ने महिला और पुरुष कैटेगरी में ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई किया था।

सबसे ज्यादा कोटे शूटर्स ने हासिल किए

भारत जुलाई में होने जा रहे पेरिस ओलिंपिक के लिए 33 कोटे हासिल कर चुका है। इनमें सबसे ज्यादा 17 शूटर्स ने दिलाए हैं। भारत को एथलेटिक्स से 9, बॉक्सिंग से 4, हॉकी, तीरंदाजी और कुश्ती से एक-एक ओलिंपिक कोटा मिला है।

8 ओलिंपिक टिकट राइफल शूटर्स ने दिलाए

अब तक भारत को शूटिंग से 17 ओलिंपिक कोटे मिले। इनमें राइफल में 8, पिस्टल में 7 और शॉटगन में 2 ओलिंपिक प्लेस शामिल हैं। विजयवीर से पहले रिदम, वरुण, ईशा और सरबजोत सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल, मनु भाकर ने 25 मीटर पिस्टल और अनीश भानवाल ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में ओलिंपिक कोटा हासिल किया।

इस चैंपियनशिप में 16 ओलिंपिक कोटा दांव पर

जकार्ता में चल रही इस प्रतियोगिता में पेरिस ओलिंपिक 2024 के 16 कोटा दांव पर हैं। प्रतियोगिता में 26 देशों के 385 निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता में ओलिंपिक कोटा के अलावा, 256 मेडल दांव पर हैं। इनमें 84 गोल्ड, 84 सिल्वर और 88 ब्रॉन्ज शामिल हैं

बीसीबी प्रेसिडेंट का पद छोड़ेंगे नजमुल हसन

ढाका, 14 जनवरी (एजेंसियां)। नजमुल हसन बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का प्रेसिडेंट पद छोड़ेंगे। पिछले दिनों नजमुल ने किशोरगंज-6 सीट से चुनाव जीता। जिसके बाद उन्हें केंद्र में खेल मंत्रालय संभालने की जिम्मेदारी मिलने वाली है। इसी के चलते वह बीसीबी चीफ का पद छोड़ेंगे, वह इस पद पर 2012 से बने हुए थे। बांग्लादेश में 7 जनवरी को आम चुनावों के नतीजे आए। नजमुल हसन ने किशोरगंज सीट से चुनाव जीता और 4 दिन बाद ही स्पोर्ट्स मंत्रालय में जाहिद अहसान रसेल की जगह ले ली। रिपोर्ट्स के अनुसार, वह बीसीबी चीफ का पद छोड़ने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट भी जल्द ही कर देंगे। नजमुल ने कहा, 'कानून के हिसाब से तो मैं दोनों पद पर एक साथ रह सकता हूं।

एफआईएच विमेंस ओलंपिक क्वालिफायर

भारत को पहले मुकाबले में अमेरिका ने 1-0 से हराया

टैमर अबीगैल ने दागा मैच का इकलौता गोल

रांची, 14 जनवरी (एजेंसियां)। विमेंस ओलिंपिक क्वालिफायर में अपने पहले मैच में भारतीय विमेंस टीम को अमेरिका ने 1-0 से हरा दिया। रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में अमेरिका ने दूसरे क्वार्टर के पहले ही मिनट (16वें मैच मिनट) में गोल दागा। टैमर अबीगैल ने मैच का इकलौता गोल स्कोर किया। इस हार के साथ भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर आ गई है। भारत को पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई करने के लिए ग्रुप के अगले 2 मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनानी होगी। आगे सेमीफाइनल में टीम को जीतना होगा या फिर तीसरे स्थान के लिए मैच अपने नाम करना होगा।

दूसरे क्वार्टर के पहले मिनट में अबीगैल टैमर ने अमेरिका को फील्ड गोल कर के लीड दिलाई।

16वें मिनट में भारत और अमेरिका के प्लेयर्स के बीच बॉल को लेकर संघर्ष चला। भारतीय डिफेंडर्स बॉल को क्लियर नहीं कर सके। टैमर के पास गेंद आई। उन्होंने बॉल को गोलकीपर सविता के ऊपर उछालने की कोशिश की, लेकिन असफल रही। हालांकि बॉल सविता के पैड्स के बीच से निकल गई और अमेरिका को बढ़त मिल गई। भारत के पास ज्यादा मौके आए, लेकिन अमेरिका ने कन्वर्ट किए

भारतीय टीम ने मैच में अमेरिका पर दबाव बनाने की पूरी कोशिश की। भारत 13 बार अपोनेंट के सर्कल में गया, जबकि अमेरिपका 5 बार ही जा सका।

रजत पाटीदार ने इंडिया-ए के लिए शतक लगाया

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ सरफराज ने 96 बनाए; दो दिन का प्रैक्टिस मैच ड्रॉ हुआ

अहमदाबाद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। इंडिया-ए और इंग्लैंड लायंस के बीच अहमदाबाद में हुए प्रैक्टिस मैच में रजत पाटीदार ने 111 रन की पारी खेली, जबकि सरफराज खान ने 96 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच दो दिवसीय प्रैक्टिस मैच ड्रॉ हो गया।

इंग्लैंड लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 233 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में भारत 8 विकेट खोकर 462 रन बनाए।

भारतीयों ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर 123 रन से की और 130 के स्कोर पर प्रदोष पॉल (21) का विकेट गंवा दिया, जिसके बाद पाटीदार और सरफराज (96) ने तीसरे विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी की। यह साझेदारी तब समाप्त हुई जब कैलम पार्किंसन ने पाटीदार को आउट किया, जिन्होंने 18 चौके और एक छक्का लगाया था। इसके बाद सरफराज ने केएस भरत (64) के साथ 121 रनों की शानदार साझेदारी कर भारत को मजबूत बढ़त दिला दी। इस पार्टनरशिप को डैन मूसली ने समाप्त किया, जिन्होंने भरत को 331 पर आउट किया, उसके बाद जैक कार्सन ने 10 रन बाद सरफराज को आउट किया।

शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे रेवंत, दावोस रवाना

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू सहित प्रतिनिधिमंडल का एक समूह विश्व आर्थिक मंच की 54वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए रविवार रात स्विट्जरलैंड के दावोस के लिए रवाना हो रहा है। 15 से 19 जनवरी तक हो रहा है। तेलंगाना के गठन के बाद से मुख्यमंत्री द्वारा आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने का यह पहला मौका है। प्रधान सचिव (आईटी और उद्योग) और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। विश्व आर्थिक मंच एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच है जहां सरकारी नेता, वैश्विक सीईओ, उद्योग कप्तान, सामाजिक उद्यमी और समाचार निर्माता हर साल वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने और सरकार, उद्योग और सामाजिक कार्रवाई के एजेंडे को आकार देने के लिए सहयोगात्मक भावना से मिलते हैं। डब्लूईएफ एक आमंत्रण कार्यक्रम है और हर साल 3000 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी को आकर्षित करता है जिसमें 100 सरकारों, शीर्ष 1000 वैश्विक कंपनियों, सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों, गैर सरकारी संगठनों और मीडिया के प्रतिनिधि शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, डब्लूईएफ भारत और विदेश दोनों के शीर्ष उद्योग जगत के नेताओं से मिलने और बातचीत करने और नई सरकार के दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं को साझा करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। यह एक अग्रणी आईटी और जीवन विज्ञान केंद्र के रूप में हमारे राज्य की ताकत को प्रदर्शित करने और निवेश आकर्षित करने के लिए एक आदर्श मंच है। मुख्यमंत्री तीन दिनों में %0 से अधिक उद्योग जगत के नेताओं से मुलाकात करेंगे। इसमें नोवार्टिस, मेडट्रॉनिक, एस्ट्राजेनेका, गूगल, उबर, मास्टरकार्ड, बायर, एलडीसी और यूपीएल जैसी शीर्ष वैश्विक कंपनियों के सीईओ और सीएक्सओ शामिल हैं। वह टाटा, विप्रो, एचसीएल टेक, जेएसडब्ल्यू, गोदरेज, एयरटेल, बजाज सहित भारतीय उद्योग जगत के दिग्गजों से भी मुलाकात करेंगे। सीआईआई और नैसकॉम जैसे प्रमुख व्यापार मंडलों के साथ-साथ मीडिया नेटवर्क के साथ बातचीत की भी योजना बनाई गई है। आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने कहा, "हम इसे एक बहुत ही सफल और उत्पादक यात्रा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हम कई एमओयू पर हस्ताक्षर करने और फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स, डेटा सेंटर, रक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण निवेश सौदों करने की उम्मीद करते हैं। हम दावोस से हर दिन इनके बारे में अधिक जानकारी साझा करेंगे। मुख्यमंत्री को डब्ल्यूईएफ कांग्रेस सेंटर में

बोलने के लिए भी आमंत्रित किया गया है, जो दावोस की उनकी पहली यात्रा के दौरान प्राप्त होने वाला एक विशेष सम्मान है। वह स्वास्थ्य सेवा को डिजिटल रूप से बदलने पर पैनल चर्चा के दौरान अपने विचार साझा करेंगे, जो हमारी सरकार के लिए भी एक प्रमुख प्राथमिकता है।

रेवंत रेड्डी 'खाद्य प्रणाली और स्थानीय कार्रवाई' पर एक अन्य उच्च स्तरीय डब्ल्यूईएफ कार्यक्रम में भी भाग लेंगे, जहां वह कृषि-अर्थव्यवस्था पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और किसानों की आजीविका की रक्षा करते हुए जलवायु लचीली कृषि को बढ़ावा देने के उपायों के बारे में बात करेंगे।

इस बीच, श्रीधर बाबू एआई उद्योग द्वारा आयोजित 'एआई के लिए कौशल विकसित करना' विषय पर एक पैनल चर्चा में भाग लेंगे। वह कई तकनीकी कंपनियों, व्यापार संगठनों और एनआरआई उद्यमियों से भी अलग से मुलाकात करेंगे। अंत में, मुख्यमंत्री और उनका प्रतिनिधिमंडल वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के अध्यक्ष ब्रेंडे बोर्गे और कई सेक्टर प्रमुखों सहित इसके शीर्ष प्रबंधन से भी मुलाकात करेंगे। तेलंगाना का डब्लूईएफ के साथ मजबूत संस्थागत जुड़ाव है।

रेवंत, भट्टी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल हुए

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, कांग्रेस विधायक विवेक वेंकटस्वामी और पार्टी के अन्य नेताओं ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा में हिस्सा लिया, जिसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को मणिपुर में शुरू किया। राहुल गांधी की न्याय यात्रा दोपहर को खोंगजोम युद्ध स्मारक से शुरू हुई। यह 100 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों और 33% विधानसभा क्षेत्रों में फैली हुई 6,%13 किमी की दूरी तय करेगी और देश के 110 जिलों को कवर करेगी। यात्रा 6% दिनों के बाद 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने यात्रा के लिए राहुल गांधी को बधाई दी और कहा कि यात्रा संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के सिद्धांतों को फिर से स्थापित करेगी।

रक्षा राज्य मंत्री ने बीडीएल में एस्ट्रा मिसाइल को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र)। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने आज भारतीय वायु सेना को आपूर्ति के लिए स्वदेशी रूप से विकसित और निर्मित एस्ट्रा मिसाइलों को हरी झंडी दिखाई। मिसाइल को भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल), कंचनबाग यूनिट, हैदराबाद में सीएमडी, बीडीएल, कमोडोर ए माधवराव (सेवानिवृत्त), डीजीएमएसएस यू राजा बाबू और डीआरडीओ, भारतीय वायु सेना और बीडीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाई गई। एस्ट्रा एक दृश्य सीमा से परे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल है जिसे डीआरडीओ द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है और भारतीय वायु सेना के लिए बीडीएल द्वारा निर्मित किया गया है। हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की श्रेणी में एस्ट्रा वेपन सिस्टम दुनिया में अपनी श्रेणी की हथियार प्रणालियों में सर्वश्रेष्ठ है। इस मिसाइल की मारक क्षमता 100 से अधिक किमी है। फ्लैग ऑफ समारोह बीडीएल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसने इसे अत्याधुनिक हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के निर्माण की क्षमता वाली विश्व स्तर पर कुछ चुनिंदा कंपनियों के बीच स्थान दिलाया है। रक्षा राज्य मंत्री ने भारत सरकार की आत्मनिर्भर नीति के अनुरूप, स्वदेशी रूप से विकसित मिसाइल के उत्पादन को साकार करने के प्रयासों के लिए बीडीएल को बधाई दी। आरआरएम ने देश के रक्षा निर्यात को बढ़ाने में बीडीएल द्वारा किए जा रहे योगदान की सराहना की। कमोडोर ए. माधवराव, (सेवानिवृत्त), सीएमडी, बीडीएल ने कहा कि बीडीएल का ध्यान हमेशा अधिकतम स्वदेशी सामग्री के साथ 'मेक इन इंडिया' पर है। उन्होंने कहा कि बीडीएल को एस्ट्रा हथियार प्रणाली के लिए मित्र विदेशी देशों से कई सुराग प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बीडीएल ने एस्ट्रा मिसाइलों की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मांगों को एक साथ पूरा करने के लिए अपनी विनिर्माण क्षमता पहले ही बढ़ा दी है।

इसके अलावा, उन्होंने बताया कि 12 जनवरी 2024 को डीआरडीओ द्वारा परीक्षण की गई आकाश एनजी मिसाइल का निर्माण अत्याधुनिक रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर सहित बीडीएल में किया गया था। भारतीय वायु सेना द्वारा हाल ही में किए गए आकाश के परीक्षण फायरिंग के साथ, भारत ने एकल फायरिंग यूनिट का उपयोग करके कमांड मार्गदर्शन द्वारा 25 किमी की दूरी पर एक साथ चार हवाई लक्ष्यों को भेदने की क्षमता प्रदर्शित करने वाला पहला देश बनने का गौरव हासिल किया। बीडीएल के सीएमडी ने कहा कि परीक्षण की गई मिसाइलों का निर्माण बीडीएल ने अपनी कंचनबाग सुविधा में किया है।

माननीय आरआरएम ने बीडीएल की कंचनबाग इकाई में स्थित विभिन्न विनिर्माण सुविधाओं का भी दौरा किया और सीएमडी द्वारा उन्हें बीडीएल की विनिर्माण क्षमताओं के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रम में एन श्रीनिवासुलु, निदेशक (वित्त), पीवी राजाराम, निदेशक (उत्पादन), डॉ. उपेन्द्र वेन्नम, मुख्य सतर्कता अधिकारी और बीडीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

मंत्री अंबाटी ने की चंद्रबाबू व पवन कल्याण की फोटो की आलोचना

अमरावती, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नारा चंद्रबाबू और पवन कल्याण की फोटो पर मंत्री अंबाती रामबाबू ने की तीखी टिप्पणी की है। इस बारे में, एपी मंत्री अंबाटी रामबाबू का ताजा ट्वीट विवाद का विषय बन गया है। जिसमें नारा चंद्रबाबू और पवन कल्याण की फोटो पर ट्वीट करते हुए राज्य मंत्री अंबाटी की टिप्पणी पर नेटिजन्स गुस्से में हैं। संक्रांति के अवसर पर तेलुगु देशम नेता चंद्रबाबू और जनसेना प्रमुख पवन कल्याण ने रविवार 14 जनवरी को मंडामा में आयोजित समारोह में भाग लिया। बाद में, दोनों नेता गंगीरेड्डू के बगल में खड़े हुए और फोटो खिंचवाई। यह तस्वीर टीडीपी और जनसेना नेताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। जिसमें मंत्री अंबाटी रामबाबू ने इस फोटो को शेयर करते हुए कमेंट किया, श्बाबू के बगल में दो गैंगश् है पर यह ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल हो जाने से नेटिजन्स, टीडीपी और जनसेना के प्रशंसक गुस्से में हैं। कई नेता भी मंत्री की आलोचना कर रहे हैं।

हसनपर्ती रोड और उप्पल के बीच तीसरी लाइन विद्युतीकरण के साथ चालू

काजीपेट का हिस्सा -बल्हारशाह ट्रिपलिंग और विद्युतीकरण परियोजना

अब प्रोजेक्ट के तहत कुल 131.7 किलोमीटर का काम पूरा

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। काजीपेट-बल्हारशाह विद्युतीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में, दक्षिण मध्य रेलवे ने 12.% किलोमीटर की दूरी के लिए हसनपर्थी रोड और उप्पल के बीच विद्युतीकरण के साथ-साथ तीसरी लाइन का काम पूरा और चालू कर दिया है। काजीपेट-बल्हारशाह के बीच का खंड ग्रैंड ट्रंक रूट के साथ स्थित एक महत्वपूर्ण रेल लिंक है जो देश के उत्तरी भागों को दक्षिणी क्षेत्र से जोड़ता है। इसके साथ, इस परियोजना के तहत अब कुल 131.% किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है और पहले से पूरे किए गए राघवपुरम-मंडमर्री खंड सहित कुल 164 किलोमीटर का काजीपेट-बल्हारशाह खंड में विद्युतीकरण सुविधा के साथ तीसरी लाइन है। एससीआर पर काजीपेट-बल्हारशाह के बीच का खंड तेलंगाना और महाराष्ट्र दोनों राज्यों में आता है। ग्रैंड ट्रंक मार्ग के अंतर्गत आने वाली इस मुख्य लाइन पर यात्री और माल यातायात दोनों में निरंतर वृद्धि

देखी जा रही है, जिससे इस खंड की अतिसंतृप्ति हो गई है। इस महत्वपूर्ण खंड पर भीड़भाड़ कम करने के लिए, शुरुआत में राघवपुरम-मंदामरि के बीच 33 किलोमीटर की दूरी के लिए ट्रिपलिंग का काम वर्ष 2016 में पूरा किया गया है। यातायात को और आसान बनाने के लिए, काजीपेट-बल्हारशाह खंड के शेष खंड पर ट्रिपलिंग और विद्युतीकरण का काम किया गया है। वर्ष 2015-16 में 2,063 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 202 किलोमीटर (तेलंगाना-159 किलोमीटर और महाराष्ट्र-43 किलोमीटर) की दूरी स्वीकृत की गई है। इसके हिस्से के रूप में, उप्पल - राघवपुरम के बीच 59 किलोमीटर और सिरपुर खगाजनगर - मानिकगढ़ के बीच 60 किलोमीटर का काम पहले ही पूरा हो चुका है। अब, तेलंगाना राज्य में पड़ने वाले 159 किलोमीटर के खंड में से, हसनपर्थी - उप्पल के बीच 12.% किलोमीटर की दूरी के लिए तीसरी लाइन का काम पूरा हो चुका है, जो हनमाकोंडा और वारंगल जिलों के अंतर्गत आता है, जिससे इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला है। इस खंड की तीसरी लाइन के चालू होने से इस ग्रैंड ट्रंक मार्ग पर मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों दोनों के लिए भीड़ कम हो जाएगी। शेष हिस्सों में कार्य तेजी से प्रगति पर है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद मंडल और निर्माण संगठन दोनों की पूरी टीम की सराहना की है, जिन्होंने हसनपर्ती - उप्पल के बीच ट्रिपलिंग और विद्युतीकरण कार्य पूरा किया है। उन्होंने कहा कि काजीपेट-बल्हारशाह ट्रिपलिंग परियोजना के पूरा होने से इस अत्यधिक संतृप्त मार्ग पर भीड़ कम हो जाती है और माल और यात्री ट्रेनों को प्रभावी ढंग से संभालने में सुविधा होती है।

मुर्गों की लड़ाई रोकने हेतु एनिमल वेलफेर बोर्ड आफ इंडिया ने जारी की सलाह

हैदराबाद, 14 जनवर ी(स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति त्यौहार के चलते एनिमल वेलफेर बोर्ड आफ इंडिया ने दोनों तेलंगाना, आंध्र प्रदेश राज्यों में मुर्गों की लड़ाई रोकने हेतु आपातलीकान सलाह जारी की है। इस बारे में, पीपुल्स फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा), द्वारा दायर शिकायत के बाद, भारतीय पशु कल्याण बोर्ड ने संक्रांति के दौरान तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अवैध मुर्गों की लड़ाई की घटनाओं को रोकने के लिए एक आपातकालीन सलाह जारी की है। जिसमें कहा गया कि, मुर्गों की लड़ाई पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध के बावजूद, पेटा ने तत्संबंधित अखाड़ों के पुनरुत्थान की सूचना दी जहां मुर्गों को स्टेरॉयड और शराब का सेवन कराया जाता है। एडब्ल्यूबीआई ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना पशु कल्याण बोर्डों को, इस मामले में कानून का कड़ाई से कार्यान्वयन सुनिश्चित करने और एक विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

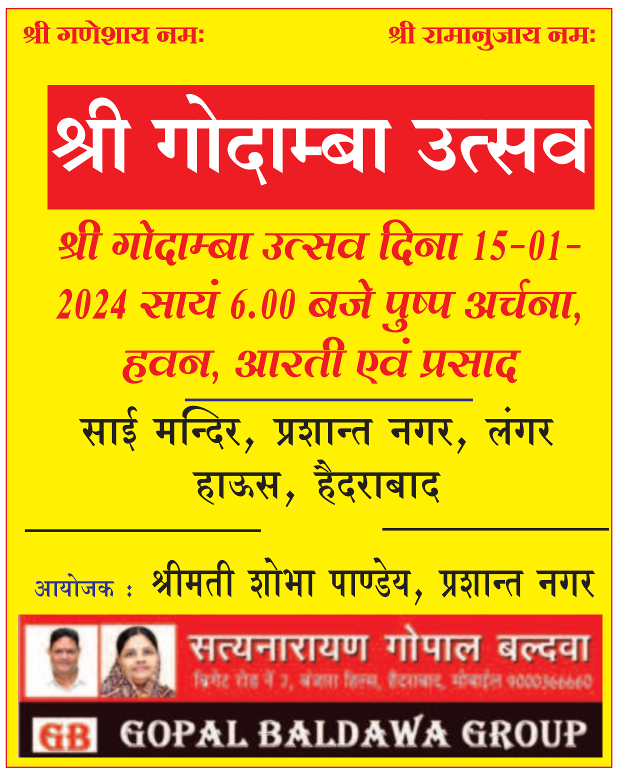

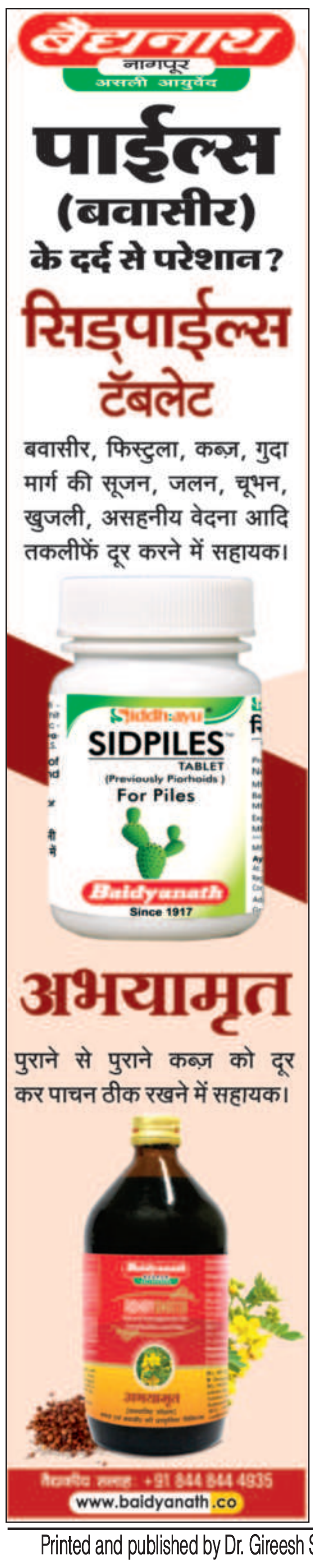

डीजल के अवैध परिवहन के आरोप में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडुर्गु पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया जो अवैध रूप से कर्नाटक से डीजल ले जा रहे थे और रंगा रेड्डी जिले के अमंगल मंडल में विभिन्न कंपनियों को आपूर्ति कर रहे थे।

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति, एम आनंद कुमार (37) और जे शेखर नाइक (32), दोनों रंगा रेड्डी जिले के निवासी हैं और अन्य लोगों के साथ नियमित रूप से कर्नाटक से डीजल का परिवहन कर रहे थे। एक व्यवसायी आनंद और एक तेल टैंकर के चालक शेखर ने अन्य लोगों के साथ मिलकर साजिश रची और कर्नाटक के एक ईंधन स्टेशन से डीजल खरीदना शुरू कर दिया। इसे यहां रेडी मिक्स निर्माण कंपनियों और क्रशर इकाइयों को बाजार दर से कम कीमत पर आपूर्ति की गई थी, कोंडर्गु पुलिस स्टेशन के उप निरीक्षक जे कृष्णैया ने कहा कि कर्नाटक में डीजल की कीमत करीब 20 रुपये कम है. 88 प्रति लीटर जबकि तेलंगाना में यह लगभग रु. 100 प्रति लीटर है। आनंद ने ड्राइवर के माध्यम से 96 प्रति लीटर रुपये में डीजल की आपूर्ति की।

हर यात्रा में, वह टैंकर में 15,000 लीटर से 20,000 लीटर तक डीजल लाता था और अपने ग्राहकों को अवैध रूप से आपूर्ति करता था। सूचना पर पुलिस ने राजस्व कर्मियों के साथ छापेमारी कर शेखर नायक और आनंद कुमार को पकड़ लिया। मामले में कथित तौर पर शामिल नौ अन्य लोग फरार हैं।

संक्रांति उत्सव में शामिल हुए सीएम वाईएस जगन दंपत्ति

ताडेपल्ली, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ताडेपल्ली सीएम कार्यालय में संक्रांति उत्सव..के चलते. सीएम वाईएस जगन दंपति शामिल हुए। इस संदर्भ में, एपी के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, तेलुगू राज्यों में संक्रांति की धूम मची हुई है तथा दोनों राज्यों के तेलुगू जन भव्य तरीके से संक्रांति का आनंद ले रहे हैं। जिसमें ताडेपल्ली में सीएम कैंप कार्यालय में भी संक्रांति समारोह भव्य रूप से आयोजित हुवा। इस कैंप कार्यालय में मंदिर की शैली में विशेष रूप से डिजाइन किए गए मंच पर समारोह आयोजित किया गया। इन समारोहों में सीएम वाईएस जगन व उनकी धर्मपत्नी वाईएस भारती भी शामिल हुए। इस दौरान सीएम वाईएस जगन और वाईएस भारती ने तेलुगु संस्कृति और परंपराओं को प्रतिबिंबित करने के लिए आयोजित कार्यक्रमों को मनोरंजक रूप से देखा। जिसमें सीएम वाईएश जगन दंपत्ति ने गोमाता की पूजा अर्चना की। इसके बाद होलिका दहन कार्यक्रम हुवा। इस मौके पर सीएम वाईएस जगन सफेद शर्ट, और कंधे पर दुपट्टा डाले पारंपरिक अंदाज में दिखें तथा उन्होंने अपने गॉडफादर वाईएस भारती के साथ विशेष पूजा की। उन्होंने तेलुगु लोगों के अच्छे स्वास्थ्य और शांति की कामना करते हुए सभी को संक्रांति

की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के बाद वाईसीपी नेताओं और युवा नेताओं ने सीएम वाईएस जगन का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं उनमें से कुछ ने सीएम को सलाम किया।

कुएं में कार गिरी, सीट बेल्ट बांधने वाले की मौत

पेद्दापल्ली, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पेद्दापल्ली के निम्मनपल्ली गांव में भयंकर दुर्घटना में कार कुएं में गिरने से सुरक्षा के तौर पर सीट बेल्ट बांधने से पीडित विनीत रेड्डी मृत्यु, कार में सवार 3 को बचाया गया इस बारे में, स्थानीय पेध्दापल्ली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पीडित विनीत रेड्डी जब अपने कार से पेद्धापल्ली जाने के दौरान रास्ते में निम्मनापल्ली गांव में उन्होने अपने वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार सड़क के किनारे स्थित खेती समीपीय कुएं में जा गिरी। इसके चलते सुरक्षा के मध्देनजर जैसे ही पीडित विनीत रेड्डी ने अपनी सीट बेल्ट बांधी, वह कार से बाहर नहीं निकल सका और डूब गया। इस कारण पीडित की जान चली गयी। चूंकि पेद्दापल्ली में सीट बेल्ट पहनना सबसे अच्छा सुरक्षा उपाय माना जाता है, लेकिन यही सीट बेल्ट उक्त पीडित व्यक्ति के लिए खतरनाक साबित हुई, जो शनिवार 13 जनवरी की सुबह निम्मनापल्ली गांव में सड़क किनारे कुएं में गिरने के बाद डूब गया। इस बारे में पुलिस से आगे बताया कि, पीड़ित विनीत रेड्डी (2%) को एक सप्ताह में ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होना था और अपने प्रस्थान से पहले अपने रिश्तेदारों को फोन करके घर लौट रहा था। इस दुर्घटनाग्रस्त कार में पीडित विनीत रेड्डी सहित सवार 3 अन्य लोग कार से बाहर निकलने में सफल रहे और उन्हें कुएं से बचा लिया गया। साथ ही पुलिस ने कहा कि पीडित वीनीत रेड्डी रंगमपल्ली गांव के निवासी तुम्मा विजयपाल रेड्डी और विजया का बेटा है। पीडित विनीत रेड्डी क्रिसमस की छुट्टियों में इंडिया के अपने गांव आए थे। पुलिस ने कहा कि इस मामले में तहकीकात जारी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.